Reaccredited Grade 'A' by NAAC&Categorized 'A' by MHRD

Jain VishvaBharati Institute

(Deemed University)

Acharya KaluKanyaMahavidyalaya

Ladnun-341 306 (Raj.)

Syllabus

NEW EDUCATION POLICY-2020

&

CHOISE BASED CREDIT SYSTEM (C.B.C.S.)

B.A. (Bachelor of Arts)

(Four Years)

Introduction :

Jain Vishva Bharati Institute has launched a constituent college named, Acharya Kalu Kanya Mahavidyalaya. The first session started from 1998 for the sake of providing knowledge among nuns. The Prime motto of the college is to empower Women/ girls education with excellence in respect & value Education and training of skills. Again the institute provides the knowledge, understanding and skills for development of Professional ethics and Self - dependency among girls students. The college Spreads cognitive, affective and psycho - motor development among students and enhancing multi-facet personality.

Objectives:

- To develop character building among girls students.
- To lead out innate potentialities among girls students.
- To inculcate Values, Truth, Non-violence and Self-discipline for all round development among girls.
- To Empower women Education.
- To Promote Skill based Education for girls students.

Acharya Kalu Kanya Mahavidhalya

B.A SemesterI

Distribution of Course, Marks and Credit

Course Code	Course Title	Gro up	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assessment)	Theory + Practical	Total
BBOA101MJ	Agam Vidya Evam Prakrit Sahitya	(Only One Course From Each Group) A	Core Course (Any One)	4	30	70	100
BBOA102 MJ	Non-violence & Peace						
BBOA 103 MJ	Hindi Literature						
BBOA 104 MJ	English Literature						
BBOA105 MJ	Rajasthani Literature						
BBOA 106 MJ	Any One	B	Core Course (Any One)	4	30	70	100
BBOA 107 MJ	1. Sanskrit Literature (Kalu Komudi) 2. Sanskrit Literature (Laghu Sidhant Komudi)						
BBOA 109 MJ	Political Science						
BBOA 110 MJ	Science of Living					50+20	
BBOA 111 MJ	Social Work					70	
BBOA 112MN	Information Technology	C	Core Course (Any One)	4	30	50+20	100
BBOA 113 MN	Psychology					50+20	
BBOA 114 MN	History					70	
BBOA 115 MN	Geography					50+20	
BBOA 116 MN	Jainology					70	
BBOA 117 MN	Jain and other philosophies						
BJVB101SE	Personlity Development & Yoga (Practicle)		Skills	2	15	35	100
BJVB102VA	Personlity Development & Yoga (Theory)		Common Value Added	2	15	35	100
BJVB103AE	General Hindi/Rajasthani/Prakrit/Sanskrit		AEC	4	30	70	100
			Total	20	150	350	500

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 101MJ	**आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य**	**A**	**Core Course**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER –**I**

उद्देश्य–

1. प्राकृत की परिभाषा, उसके साधारण नियम एवं स्वर परिवर्तन बताना।
2. प्राकृत स्वयं शिक्षक के माध्यम से प्राकृत में वाक्य बनाने का अभ्यास करवाना।
3. दसवेआलियं आगम का अध्ययन करवाना।

इकाई 1 : तुलसी मंजरी (सूत्र 01 से 234 तक)

(सूत्र कंठस्थ एवं साधनिका)

(1) सूत्रार्थ

(2) रूप सिद्धि

(3) प्राकृत शब्द से हिन्दी शब्द

(4) हिन्दी शब्द से प्राकृत शब्द

इकाई–2 : प्राकृत भाषा प्रबोधनी

(1) स्वर परिचय (2) व्यंजन (3) संधि (4) कारक एवं विभक्ति

(5) अपठित गद्यांश का प्राकृत अथवा हिन्दी अनुवाद

इकाई 3 : दसवेआलियं (अध्ययन–1, 2, 3, 4,)

(1) सप्रसंग अनुवाद, व्याख्या

(2) आलोचनात्मक प्रश्न

(3) लघूत्तरात्मक प्रश्न

(4) वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(5) शब्दार्थ

इकाई 4 : दसवेआलियं (अध्ययन– 7, 9)

उपलब्धियाँ–

1. प्राकृत भाषा की रुचि का विकास होगा एवं प्राकृत भाषा सीखेगा।
2. दसवेआलियं के द्वारा आगम शैली से अवगत होंगे।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थ

1 प्राकृत प्रबोध–डॉ. नेमीचन्द्र शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी 1965

2 प्राकृत प्रवेशिका–(Translation of Introduction to Prakrit) बनारसदास जैन, ओरियण्टल बुक्स रिप्रिंट कॉरपोरेशन, दिल्ली 1968

3 प्राकृत मार्गोपदेशिका–पं. बेचरदास जीवराज दोषी, मो. ला. ब. दास, दिल्ली 1968

4 प्राकृत व्याकरण (सिद्धहेमशब्दानुशासनम्–आचार्य हेमचन्द्रकृत) संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित, व्याख्याकार–ज्ञानमुनि, प्रकाशन–आचार्यश्री आत्माराम जैन मॉडल स्कूल, दिल्ली 1974

5 प्राकृत व्याकरण (अंग्रेजी)–हेमचन्द्र, प्रकाशक भण्डारकर ओरियण्टल शोध संस्थान, पूना 1980

6 प्राकृत गद्य सोपान–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 1982

7 प्राकृत काव्य मंजरी–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 1982

8 प्राकृत स्वयं शिक्षक–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 1982

9 तुलसी मंजरी–युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं 1983

10 प्राकृत प्रवेशिका–डॉ. कोमलचंद जैन, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी 1989

11 प्राकृत वाक्य रचना बोध–युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं 1991

12 दसवेआलियं–वाचना प्रमुख, आचार्य तुलसी, जैन विश्व भारती, लाडनूं

13 प्राकृत रचना सौरभ–डॉ. के.सी सोगानी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर

14 प्राकृत रचना अभ्यास–डॉ. के.सी सोगानी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 102MJ	अहिंसा एवं शांति (अहिंसा और शांति भारतीय दृष्टि)	A	Core Course	4	30	70	100

Semester-I

उद्देश्य–

1. अहिंसा के स्वरूप की जानकारी देना।
2. भारतीय दर्शनों में वर्णित अहिंसा दर्शन से परिचित करवाना।
3. प्राचीन साहित्य में अहिंसा व शांति का अध्ययन करवाना।
4. अहिंसा को विभिन्न क्षेत्रों में जानना।

इकाई–1: अहिंसा, हिंसा का स्वरूप एवं क्षेत्र, अहिंसा का स्वरूप एवं आवश्यकता, अहिंसा का आदिस्रोत, आत्मा का अस्तित्व एवं अहिंसा, अहिंसा व्यापक एवं विधायक, अहिंसा उच्च सक्रिय भावना।

इकाई–2: 1. वेद एवं उपनिषद् में अहिंसा एवं शांति,

2. सांख्य योग में अहिंसा एवं शांति

इकाई–3: गीता एवं महाभारत–प्रवृत्ति बनाम निवृत्ति, निष्काम कर्म, समत्व योग, दण्ड एवं अहिंसा

इकाई–4: 1. जैन अहिंसा का स्वरूप, आधार एवं अहिंसा के विविध रूप अहिंसा एक पर्यावरणीय सिद्धान्त

2. बौद्ध–अपराध और पाप के प्रति बुद्ध का दृष्टिकोण, करुणा का दर्शन एवं अशोक की व्यावहारिक अहिंसा

उपलब्धियाँ–

1. अहिंसा का स्वरूप जानेंगे।
2. भारतीय परिप्रेक्ष्य में अहिंसा दर्शन को समझेंगे।
3. वेद–उपनिषद में अहिंसा को समझेंगे।
4. विभिन्न धर्मों में अहिंसा के रूप को जानेंगे।

पाठ्य पुस्तकें :

1. अहिंसा तत्व दर्शन–आचार्य महाप्रज्ञ
2. जैन धर्म में अहिंसा–वशिष्ट नारायण सिन्हा

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 103MJ	**हिन्दी साहित्य (भक्ति काव्य)**	**A**	**Core Course**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER – **I**

उद्देश्य–

1. भक्तिकालीन काव्य एवं कवियों से परिचित करवाना।
2. विभिन्न साहित्यकारों की काव्यशैलियों से परिचित करवाना।

इकाई I

1. हिन्दी इतिहास लेखन की परम्परा का सामान्य परिचय
2. आदिकालीन व भक्तिकाल काव्य का इतिहास सामान्य परिचय, उनके प्रतिनिधि कवि एवं उनकी रचनाएं
3. भक्तिकाल काव्य का इतिहास, प्रेरक परिस्थितियाँ, काव्य धाराएँ एवं उनकी प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ।

इकाई II

1. कबीर – कवि परिचय, पद व्याख्याएँ (1–10 पद्य)।
2. जायसी– कवि परिचय, सिंहल द्वीप वर्णन खण्ड (2,5,6,11,12,13,14)।
3. सूरदास – कवि परिचय, विनय के पद।
4. इकाई से सम्बन्धित कवियों की काव्यगत विशेषताओं से सम्बन्धित प्रश्नोत्तर।

इकाई III

1. तुलसीदास – कवि परिचय, बाललीला वर्णन एवं धनुष यज्ञ की पद व्याख्याएँ ।
2. रसखान – कवि परिचय, (क्रमशः 1–12 व 22वाँ पद)।
3. मीरा बाई – कवयित्री परिचय, मीरा पदावली (क्रमशः1,2,3,4,5,6,9,10,13,14,16,18,20,22,24) पद व्याख्याएँ।
4. इकाई से सम्बन्धित कवियों एवं कवयित्री की काव्यगत विशेषताओं से सम्बन्धित प्रश्नोत्तर।

इकाई IV

1. काव्य के गुण व काव्य दोष
2. काव्य का अर्थ, परिभाषाएँ
3. अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रान्तिमान
4. शब्द शक्तियाँ

उपलब्धियाँ–

1. विधार्थी हिन्दी इतिहास लेखन की परम्परा से अवगत हो सकेंगे
2. विधार्थी आदिकालीन इतिहास का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे

3. भक्तिकालीन साहित्य से प्रेरणा प्राप्त कर जीवन में आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर होंगे।
4. विभिन्न साहित्यकारों की लेखन शैली से परिचित होकर स्वयं की लेखन शैली विकसित कर सकेंगे।
5. भक्तिकालीन साहित्य की जानकारी प्राप्त कर भावी प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिये स्वयं को तैयार कर सकेंगे।

पाठ्यपुस्तक

1. भक्तिकालीन काव्य साहित्य, लेखक– कैलाश भट्ट, सम्पादक–प्रो. नन्दलाल कल्ला, प्रकाशक–जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय), लाडनूं

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– संपादक डॉ नगेन्द्र,डॉ हरदयाल, मयूर पेपर बैक्स नोएडा।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचंद्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर मुंबई।
4. कबीर ग्रथावली, संपादक श्यामसुंदरदास
5. जायसी –पद्मावत, संपादक, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
6. मीरा ग्रंथावली संपादक कल्याण सिंह शेखावत
7. रसखान ग्रंथावली संपादक विद्यानिवास मिश्र
8. सूरदास – संपादक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
9. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल
10. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
11. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास – हरेराम पाठक
12. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाबराय
13. हिन्दी साहित्य का संवेदना एवं विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

Course Code	Course Title	Croup	Course Category	Credit	C.I.A Continuous Internal Assessment	Theory	Total
BBOA 104MJ	**English Literature (Poetry and Drama)**	**A**	**Core course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

Semester I

Objectives:

1. To enable the students to understand Elizabethan and Romantic Poetry.
2. To make them aware about Indian Poetry.
3. To familiarize them with the dramatic art.
4. To acquaint them with some literary terms and Figures of Speech of these genres.

Unit I Four One Act Plays

Anton Chekhov :The Boor

William Stanley Houghton :The Dear Departed

Mc. Kinnel **:** Bishop's Candlesticks

John Galsworthy : The Little Man

Unit II Poems from Poet's Pen: (Ed.) Homi p Dustoor. Oxford University Press

Shakespeare : All the World's a Stage

James Shirley: Death the Leveller

Alexandar Pope : From An Essay on Man

Alfred Lord Tennyson : The Charge of the Light Brigade

William Wordsworth : The Solitary Reaper

James Leigh Hunt : About Ben Adam

Unit III Poems from **Indian Poetry in English.**

R. N. Tagore : Where the Mind is Without Fear

Sarojini Naidu : Indian Weavers

P. Lal : The Lecturer

K. N. Daruwalla : Graft

Unit IV: Literary Terms and Figures of Speech: Alliteration, Simile, Metaphor, Pun, Personification, Paradox, Oxymoron, Antithesis, Heroic Couplet, Transferred Epithet, Sonnet, Lyric, Ballad, and Rhyme.

Outcomes:

1. The students can understand poetry, One-Act Play and Drama.
2. They can learn the difference between the Figures of Speech and Literary Terms.

Suggested Reading :

1. Abrams, M.H. Glossary of Literary Terms. India, Macmillan Publishers, 2000.
2. Prasad, B. A Background to the Study of English Literature. Macmillan, 2004.
3. Paper-I: Poetry and Drama, Jain Vishva Bharti Institute, Ladnun, 2016.
4. Poet's Pen: (Ed.) Homi P Dustoor. Oxford University Press.
5. Contemporary Indian Poetry in English: (Ed.) Saleem Peerandina. MacMillan, New Delhi.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 105MJ	राजस्थानी (आधुनिक राजस्थानी काव्य)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER –I

बी.ए. राजस्थानी साहित्य

सेमेस्टर–I : आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

सेमेस्टर–II : आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य

सेमेस्टर–I : आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

पाठ्यक्रम उद्देश्य उपादेयता एवं अध्ययन क्षेत्र

उद्देश्य एवं उपादेयता

उद्देश्य

मातृभाषा, व्यक्ति के जीवन में मातृभूमि के पश्चात् सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। जो व्यक्ति अपनी मातृभाषा को नहीं जानता या उसके माध्यम से ज्ञान प्राप्त नहीं करता तो उसका ज्ञानार्जन सम्पूर्ण नहीं माना जाता है। मातृभाषा केवल ध्वनि या शब्दों का समुच्चय ही नहीं है अपितु व्यक्ति के विकास की प्रथम आधार भूमि है जिसको आधार बनाकर व्यक्ति अपने जीवन में चहुंमुखी विकास प्राप्त करता है।

नवीन शिक्षा नीति 2020 में इसी तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए मातृभाषा के पठन–पाठन, शिक्षण को अत्यन्त आवश्यक माना है। इस दृष्टि से राजस्थान में निवास करने वाले तथा प्रवासी राजस्थानी समुदाय हेतु राजस्थान भाषा एवं साहित्य के अध्ययन, अध्यापन का प्रकल्प जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) लाडनूं द्वारा किया गया है।

उपयोगिता

प्रस्तावित पाठ्क्रम राजस्थानी भाषा, साहित्य के साथ–साथ राजस्थानी संस्कृति के अध्ययन हेतु मार्ग प्रशस्त करेगा। राजस्थानी भाषा और साहित्य की विकास परम्परा सुविस्तृत रही है, जो गत् 1200–1300 वर्षों से गतिमान है, इस भाषायी और साहित्यिक विकास परम्परा का परिचय और महत्त्व स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के सामने यह पाठ्यक्रम प्रशस्त करेगा।

राजस्थानी भाषा और साहित्य के अध्ययन के क्रम प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में क्रमशः आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य एवं आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य का अध्ययन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त भाषा दक्षता के अन्तर्गत अनुवाद कला, शब्दों के विविध स्वरूपों का अध्ययन, प्रार्थना पत्र एवं अन्य पत्रों के विभिन्न प्रारूपों तथा आधुनिक राजस्थानी साहित्य की विभिन्न गद्य विधाओं एवं रचनाओं एवं रचनाकारों का अध्ययन किया जाएगा।

सेमेस्टर–I : आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक गद्य साहित्य : परंपरा एवं विकास
2. आधुनिक राजस्थानी गद्य विद्याओं का परिचय
3. राजस्थानी साहित्य के प्रमुख गद्यकार एवं रचनाओं का परिचय
4. भाषा कौशल–अनुवाद कौशल
5. तत्सम–तद्भव शब्द
6. राजस्थानी भाषा में सामान्य पत्र प्रारूप : प्रार्थना पत्र, सरकारी पत्र शिकायती पत्र

इकाई प्रथम : आधुनिक राजस्थानी गद्य विकास परंपरा–परिचयात्मक आलेख, प्रमुख विधाएं–रचनाएं एवं रचनाकार।

इकाई द्वितीय : उकरास : कहानी संग्रह : आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई तृतीय : उपदेश रत्नकथा कोश : आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई चतुर्थ : पाठ्यपुस्तकों में सप्रंसग व्याख्या (निर्धारित कथा संख्या में से)

इकाई पंचम : किसी एक विकल्प का चयन

(अ) भाषा कौशल : राजस्थानी से हिन्दी, हिन्दी से राजस्थानी अनुवाद

(ब) तत्सम–तद्भव शब्द एवं प्रारुप लेखन, पत्र लेखन, प्रार्थना पत्र, शिकायती पत्र, सरकारी पत्र

पाठ्यपुस्तके

1 उकरास (कहानी संग्रह) : सं. सांवर दईया : प्रकाशक, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर
निर्धारित कहानी संख्या (1, 3, 6, 10, 14, 15, 21, 22, 24 एवं 25)

2 उपदेश रत्न कथा कोश : जयाचार्य : प्रकाशक आचार्य तुलसी शोध संस्थान, बीकानेर
(कथा सं. 1 से 21 तक)

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1 राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ मोतीलाल मेनारिया

2 आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य (स्वांतत्र्योत्तर), डॉ. रामकुमार व्यास : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

3 आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा स्रोत एवं प्रवृतियां : डॉ. किरण नाहटा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

4 बखत री बारखडी : अर्जुनदेव चारण :

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 106MJ	**संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य (कालू कौमुदी)**	**B**	**Core Course**	**4**	**30**	**70**	**100**

- विद्यार्थी BBOA 106 अथवा 107 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

SEMESTER–**I**

उद्देश्य–

1. स्वरों एवं व्यंजनों का सामान्य ज्ञान करवाना।
2. शब्दों की सन्धि एवं सन्धि विच्छेद का अभ्यास करवाना।
3. लघु कथाओं से संस्कृत भाषा का अभ्यास करवाना।

इकाई 1 : कालू कौमूदी (पूर्वाद्व) –संज्ञा, सन्धि, स्यादि प्रकरण (स्वरान्त स्यादि तक) (सूत्र1–203)

(क) संज्ञा, सन्धि –(1) संज्ञा विधायक सूत्र, (2) सूत्रार्थ, (3) संधि विषयक प्रश्न

(ख) स्यादि प्रकरण सूत्र (1–203)–(1) रूपसिद्धि, (2) सूत्रार्थ, (3) शब्द रूपावली

इकाई 2 : वाक्य रचना बोध (पाठ 1–15)

(1) हिन्दी से संस्कृत अनुवाद, (2)संस्कृत से हिन्दी अनुवाद, (3)शब्दार्थ

इकाई 3 : सुप्रभातम्

(1) हिन्दी अनुवाद, (2) कथा सारांश

इकाई 4 : अभिधान चिंतामणि छठाकाण्ड (श्लोक 01 से 30)

(1) श्लोक पूर्ति, (2) पर्यायवाची शब्द, (3) शब्दार्थ

उपलब्धियाँ–

1. स्वरों के ज्ञान से उच्चारण शुद्धि होगी।
2. संस्कृत भाषा को बोलने व समझने का अभ्यास होगा।
3. लेखन कला का विकास होगा।

पाठ्य पुस्तक/संदर्भ ग्रंथ

1. कालू कौमुदी, मुनि चौथमल आदर्श साहित्य संघ, चूरू।
2. वाक्य रचना बोध, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
3. सुप्रभातम्, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
4. अभिधान चिन्तामणि नाममाला, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5 संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी, बी.एस. आप्टे।

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 107MJ	संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य (लघुसिद्धांत कौमुदी)	B	Core Course	4	30	70	100

- विद्यार्थी BBOA 106 अथवा 107 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

SEMESTER–**I**

उद्देश्य–

1. स्वरों एवं व्यंजनों का सामान्य ज्ञान करवाना।
2. शब्दों की सन्धि एवं सन्धि विच्छेद का अभ्यास करवाना।
3. लघु कथाओं से संस्कृत भाषा का अभ्यास करवाना।

1. लघुसिद्धांत कौमुदी : संज्ञा, संधि, सुबन्त प्रकरण (अजन्त पुल्लिंग तक) सूत्र (1–215)

2. रचनानुवाद कौमुदी (पाठ 1 से 10)

3. सुप्रभातम्

4. अभिधान चिन्तामणि छठां काण्ड (श्लोक 1 से 30)

उपलब्धियाँ–

1. स्वरों के ज्ञान से उच्चारण शुद्धि होगी।
2. संस्कृत भाषा को बोलने व समझने का अभ्यास होगा।
3. लेखन कला का विकास होगा।

पाठ्युस्तक / संदर्भ ग्रंथ–

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी, श्रीवरदराजकृत, संपादक–महेश सिंह, कुशवाहा, चौखम्बा विद्या भवन, दिल्ली।
2. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, आचार्य विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. सुप्रभातम्, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
4. अभिधान चिन्तामणि नाममाला, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5 संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी, बी.एस. आप्टे।

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	Assignment	Theory	Total
BBOA 109MJ	राजनीति विज्ञान (राजनीति विज्ञान के मूल आधार)	B	Core Course	4	30	70	100

SEMESTER –I

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को राजनीति विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों की जानकारी देना।
2. विद्यार्थियों को राजनीति विज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों की प्रतियोगी परीक्षाओं में तर्क शक्ति बढ़ाना।

इकाई–1 राजनीति विज्ञान : अर्थ, क्षेत्र, राजनीति शास्त्र की अध्ययन पद्धतियाँ, व्यवहारवाद, उत्तर–व्यवहारवाद।

इकाई–2 राज्य : राज्य के मूल तत्व, राज्य के कार्य, राज्य विकास के विभिन्न सिद्धान्तः दैवी सिद्धान्त, शक्ति सिद्धान्त, सामाजिक संविदा सिद्धान्त, विकासवादी सिद्धान्त, सम्प्रभुता की अवधारणा : शक्ति–अवधारणा, शक्ति पृथक्करण।

इकाई–3 सरकार के अंगः व्यवस्थापिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका, एकात्मक एवं संघात्मक प्रणाली, संसदीय एवं अध्यक्षात्मक प्रणाली। प्रजातंत्र एवं तानाशाही सरकार।

इकाई–4 राजनीतिक विचारधाराएँः उपयोगितावाद, आदर्शवाद, समाजवाद, मार्क्सवाद, लोक कल्याणकारी राज्य, गाँधीवाद एवं सर्वोदय, अणुव्रती समाज की रूपरेखा।

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी राजनीति विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को जान सकेंगे।
2. विभिन्न अवधारणाओं के तुलनात्मक अध्ययन से वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास कर सकेंगे।
3. परम्परागत एवं आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्तों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्यपुस्तकें/संदर्भ ग्रंथ–

1. G. Catlin : A Study of the Principles of Politics, London and New Tork, Oxford University Press, 1930.
2. Sir, E. Barker : Principles of Social and Political Theory, Calcutta, Oxford University, Press, 1976.
3. M. Carnoy : The State and Political Theory, Princeton NJ, Princenton University, Press, 1984.
4. N.P. Barry : Introduction to Modern Political Theory, London, Macmillan, 1995.
5. आर.सी. अग्रवाल–राजनीति शास्त्र के मूल आधार, एस. चांद एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।
6. ए.सी. कपूर–राजनीति विज्ञान के सिद्धान्त, एस. चांद एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।
7. बी.आर. पुरोहित–राजनीति विज्ञान के मूल सिद्धान्त, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
8. पुखराज जैन–राजनीति के मूल आधार, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
9. बी.एल. फड़िया–राजनीति विज्ञान के मूल आधार, कॉलेज बुक हाउस, जयपुर।

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 110MJ	**जीवन विज्ञान (जीवन विज्ञान : सिद्धान्त)**	**B**	**Core Course**	**4**	**30**	**50+20**	**100**

SEMESTER **–I**

सैद्धान्तिक भाग

उद्देश्य–

1. भारतीय संस्कृति की जानकारी देना।
2. जीवन विज्ञान के उद्‌भव और विकास को समझाना।
3. जीवन विज्ञान के मूल अंगों से परिचित करवाना।
4. अनेकांत और अहिंसा के सैद्धांतिक और प्रायोगिक बिन्दुओं को समझाना।

इकाई : 1 (क) **भारतीय संस्कृति** : स्वरूप, विशेषताएं, संकट के कारण, सुरक्षा के प्रयास, सुरक्षा के उपाय–अध्यात्म, योग, संस्कृति का शिक्षण और प्रशिक्षण, जीवन विज्ञान

(ख) **जीवन विज्ञान : उद्‌भव एवं विकास** : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्वरूप,प्रविधियां, मूल अंग

इकाई : 2 (क) **जीवन विज्ञान एवं उसका अन्य विद्या शाखाओं से सम्बन्ध** : भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, शरीर विज्ञान, समाज विज्ञान, दर्शनशास्त्र, नीतिशास्त्र, मनोविज्ञान, तथा पर्यावरण विज्ञान के साथ जीवन विज्ञान का सम्बन्ध

(ख) **जीवन विज्ञान की उपयोगिता** : व्यक्तित्व विकास, शिक्षा, प्रशासन,चिकित्सा, सामाजिक जीवन, उद्योग में जीवन विज्ञान

इकाई –3 (क) **अनेकान्त** : अनेकान्त स्वरूप, अनेकान्त के आधारभूत तत्व–सत् प्रतिपक्ष, सह–अस्तित्व, सापेक्षता, स्वतन्त्रता, समन्वय, अनेकान्त और अहिंसा

(ख) **अनेकान्त के व्यावहारिक प्रयोग** : परिवार, समाज, अर्थनीति, राजनीति, विश्व शांति, लोकतन्त्र में अनेकान्त

इकाई–4 (क) **अहिंसा का सिद्धान्त** : अहिंसा का स्वरूप, अर्थ एवं परिभाषा, विभिन्न धर्मों में अहिंसा, जीवन शैली और अहिंसा, अहिंसा और आहार, अहिंसा और आसन, हिंसा : मानसिक तनाव और नशा

(ख) **अणुव्रत आन्दोलन** : स्वरूप–पृष्ठभूमि, सूत्रपात एवं विकास, वर्तमान स्वरूप, अणुव्रत आन्दोलन का महत्व एवं प्रासंगिकता, अणुव्रत का कार्यक्षेत्र, स्वस्थ समाज रचना का आधार : अणुव्रत

प्रायोगिक भाग

1. समस्त यौगिक क्रियाएं
2. आसन–ताडासन, समपादासन, शंशाकासन, सुप्तव्रजासन
3. प्राणायाम–चन्द्रभेदी व सूर्यभेदी प्राणायाम
4. सम्पूर्ण कायोत्सर्ग
5. अनुप्रेक्षा–सहिष्णुता

उपलब्धियाँ–

1. भारतीय संस्कृति की सुरक्षा के उपायों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. जीवन–विज्ञान विषय को जान सकेंगे।
3. वर्तमान में अनेकान्त की प्रासंगिकता को जान सकेंगे।
4. विश्व शान्ति एवं आतंकवाद के निवारण में अहिंसा की भूमिका को जान सकेंगे।

पाठ्यपुस्तक / संदर्भ पुस्तकें

1. जीवन–विज्ञान सिद्धान्त, समणी श्रेयसप्रज्ञा, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं
2 . जीवन–विज्ञान की रूपरेखा, समाकलन– मुनि धर्मेश, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
3. जीवन–विज्ञान शिक्षा का नया आयाम– आचार्य महाप्रज्ञ, तुलसी अध्यात्मनीडम प्रकाशन, लाडनूं
4. अनेकांत तीसरा नेत्र– आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
5. जीवन–विज्ञान शिक्षक संदर्शिका– मुनि किशनलाल, जैन विश्व भारती, लाडनूं
6. जीवन–विज्ञान प्रायोगिक– डॉ. अशोक भास्कर, दूरस्थ शिक्षा, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
7. जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान और योग– समणी मल्लि प्रज्ञा, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 111MJ	Social Work(Social Work: Concept and Practice)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester – I

Objectives:

1. Understand the basic Social Work concepts, principles, theories & its application in social work profession.
2. Understand the history of Social Work Profession in India & abroad.
3. Understand the basic values and principles of Social Work profession.

Unit 1: Basic Concepts Related to Social Work

Basic concepts related to Social Work: Social Work, Social Service and Social Development, Social Welfare, Social Reform, Social Justice and Social Security, Empowerment.

Unit –2: Social Work: Concept and Historical Development

Social Work: Concept, Meaning, Definitions, Principles, Basic Assumptions, Objectives, Nature and Scope

Historical Development of Social Work in India and Abroad, Social Work as a Profession

Unit-3: Methods of Social Work-I

Social Case Work: Meaning, Objectives and Principles and Process. Social Group Work: Meaning, Objectives, Principles and Skills, Community Organisation: Meaning, Objectives and Principles

Unit-4: Methods of Social Work-II

Social Welfare Administration: Concept, Meaning, Definitions and areas, and Social Work Research: Concept, Meaning, Definitions, Objectives and Steps, Social Action: Concept, Meaning, Definitions, models, Strategies.

Outcome-

1. Student will understand the basic Social Work concepts, principles, theories & its application in social work profession.
2. Student will understand the history of Social Work Profession in India & abroad.
3. Student will Understand the basic values and principles of Social Work profession.

Suggeted Books :

1. Gore, M.S. Social Work and Social Work Education, New Delhi: Asi Publishing House.1965
2. Wadia, A.R. (Eds.) History and Philosophy of Social Work in India, Mumbai: Allied Publisher Private Ltd.1968

3. Compton, B.R. Social Work Processes, Ilinois: The Dorsey Press.1979
4. Nair, T.K. Social Work Education and Social Work Practice in India, Madras: Association of Schools of Social Work. 1981
5. Jacob, K.K. Social Work Education in India, N. Delhi: Himanshu publications. 1994
6. Woodroofe, K. From Charity to Social Work - In England and the United States, London: Routeledge & Kegan Paul. 2000
7. Healy, Karen Social Work Practices, London: Sage Publications.2000
8. Banerjee, G.R. Papers on Social Work, Mumbai: T.I.S.S. 2000
9. Dominelli, L. Social Work: Theory and Practice for a Changing Profession, UK: Polity. 2004

1. डॉ. कुमार, गिरीश, समाज कार्य के क्षैत्र, महात्मा गांधी मार्ग, लखनाऊ, यू.पी., 1996
2. मदन, जी.आर., समाज कार्य, विवेक प्रकाशन, दिल्ली, 1996।
3. शास्त्री, राजाराम, समाज कार्य, उत्तरप्रदेश, दिल्ली संस्थान, राजश्री पुरूषोत्तमदास टण्डन, हिन्दी भवन 6, महात्मागांधी मार्ग, लखनऊ, 1989।
4. डॉ. सिंह, सुरेन्द्र, मिश्र पी.डी., समाज कार्य, इतिहास दर्शन प्रणालियां, न्यू रॉयल बुक कम्पनी, प्रथम तल, सह ट्रेड सेन्टर, 32/16, वाल्मिकी मार्ग, लालबाग, लखनऊ, 2004।
5. पाण्डेय, तेजस्कर, पाण्डेय, ओजस्कर, समाज कार्य, भारत बुक सेन्टर, 17, अशोक मार्ग, लखनऊ।

Semester I

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory & Practical	Total
BBOA 112MN	**FUNDANMENTALS OF IT– I**	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**50+20**	**100**

Objective:

This paper is intended to be the first basic course for the students of Information Technology. The main objectives of this course are;

1. It will expose the students to the fundamentals of the IT
2. Students will have the introductory knowledge of the MS-Windows
3. Practically students will be able to use MS-PowerPoint and MS-Word.

Course Contents:

Unit I

Computer: Introduction, What is Computer, Basic Applications of Computer, Components of Computer System, Central Processing Unit, KeyBBOArd, mouse and VDU, Other Input devices, Other Output devices, Computer Memory, Concept of Hardware and Software, Hardware, Software, Application Software, Systems software, Concept of computing, data and information, Applications of IECT, e-governance, Entertainment.

Unit II

Operating System :Introduction, Basics of Operating System, Operating system, Basics of popular operating system (LINUX, WINDOWS), The User Interface, Task Bar, Icons, Menu, Running an Application, Operating System Simple Setting, Changing System Date And Time, Changing Display Properties, To Add Or Remove A Windows Component, Changing Mouse Properties, Adding and removing Printers, File and Directory Management, Creating and renaming of files and directories, Common utilities

Unit III

Word Processing : Introduction, Word Processing Basics, Opening Word Processing Package, Menu Bar, Using The Help, Using The Icons Below Menu Bar, Opening and closing Documents, Opening Documents, Save and Save as, Page Setup, Print Preview, Printing of Documents, Text Creation and manipulation, Document Creation, Editing Text, Text Selection, Cut, Copy and Paste, Spell check, Thesaurus, Formatting the Text, Font and Size, Alignment of Text, Paragraph Indenting, Bullets and Numbering, Changing case, Table Manipulation, Mail Merge

Unit IV

Presentations: Introduction**,** Objectives**,** Basics**,** Using PowerPoint**,** Opening A PowerPoint Presentation**,** Saving A Presentation**,** Creation of Presentation**,** Creating a Presentation Using a Template, Creating a Blank Presentation, Entering and Editing Text, Inserting And Deleting Slides in a Presentation. Inserting Word Table or An Excel Worksheet, Adding Clip Art Pictures, Inserting Other Objects, Resizing and Scaling an Object, Presentation of Slides, Viewing A Presentation, Choosing a Set Up for Presentation, Printing Slides And Handouts, Slide Show, Running a Slide Show, Transition and Animation

Outcome:

- Students will apply the knowledge of IT practically in their day to day life.
- Students will be able to work on computers comfortably.
- Students will be able to create well formatted documents and attractive presentations.

Reference Books/Website

1. http://www.tutorialspoint.com/computer_fundamentals/index.htm
2. http://www.gcflearnfree.org/office

3. Rapidex computer course by Pustak Mahal Editorial BBOArd, Unicorn Books,2015
4. Fundamentals of computers (English) Ist Edition by Reema Thareja, Oxford University Press, 2019

Practical:

- General use of Windows Operating System
- Creating document in MS-Word like Advertisement, Letter, Tables, Mail Merge etc
- Creating presentations in power point.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 113MN	PSYCHOLOGY (BASIC PSYCHOLOGICAL PROCESSES)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester– I

Objective:

1. To understand the fundamental principles of Psychology of human behaviour.
2. To understand the functional inter relationship of different concepts of Psychology.

Unit-I : Introduction:

Meaning and definition of Psychology.
Goals of psychology.
Approaches: biological and psychodynamic.

Unit-II : Sensory - Perceptual Processes:

Visual and auditory: structure and functions.
Perceptual organization.
Determinants of perception .
Form, Space and Depth Perception**.**

Unit-III : Learning:

Meaning and definition of learning.
Classical conditioning and operant conditioning.
Transfer of training.
Extinction and spontaneous recovery.

Unit-IV : Memory and Forgetting :

Encoding, storage & retrieval process
Short term and long term memory
Forgetting : Decay and interference.

Out Comes :

1. Understand the fundamental principles of Psychology of human behaviour.
2. Understand the functional inter relationship of different concepts of Psychology.

Note :- The department may change the practical depending on the availability of the apparatus and recent developments.

BOOKS:-

1. Baron, R.A. Psychology: The essential sciences, New York; Allyn & Bacon.
2. Limbardo, P.G. & Weber, A.L.: Psychology, New York, Harper Collins College Publisher.
3. Lefton, L.A., Psychology, Boston; Allyn & Baron.
4. Morgan and King: Introduction to Psychology.
5. Singh, A.K.: Uchatar Samanya Manovigyan.
6. Azimurrahman: Samanya Manovigyan.

PRACTICALS(Any Three)

1. Measuring memory.
2. Measuring intelligence through verbal intelligence test
3. Measuring the level of emotional maturity.
4. Measuring achievement motivation.
5. Assessment of personality.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 114MN	इतिहास (प्राचीन भारत का इतिहास) (प्रारंभ से 1206 ई. तक)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER–**I**

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय इतिहास का ज्ञान प्रदान करना।
2. विभिन्न कलाओं की मुख्य विशेषताओं से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों के प्राप्त इतिहास के ज्ञान को प्रतियोगी परिक्षाओं के लिये उपयोगी बनाना।

इकाई–1

प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी के प्रमुख स्त्रोत–पुरातात्विक, साहित्यिक एवं विदेशी यात्रियों के वृत्तान्त। जैन स्त्रोत–आगम ग्रन्थ। सिन्धुघाटी सभ्यता–खोज, विस्तारक्षेत्र, कालक्रम, नगर योजना, आर्थिक स्थिति, सामाजिक स्थिति एवं पतन।

इकाई –2

वैदिक सभ्यता मूल निवास, स्थान, राजनैतिक, आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति। सोलह महाजनपदों का उदय। मौर्य वंश–चन्द्रगुप्त मौर्य का उदय एवं उपलब्धियां, अशोक का धम्म, नितियां, मौर्य प्रशासन, मौर्य साम्राज्य का पतन।

इकाई–3

सातवाहन वंश–गौतमी पुत्र शातकर्णी की उपलब्धियाँ। कुषाण वंश–कनिष्क प्रथम की उपलब्धियाँ। सातवाहन–कुषाणकालीन सांस्कृतिक अध्ययन। गुप्तवंश का इतिहास, (चन्द्रगुप्त प्रथम , समुन्द्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त, स्कन्दगुप्त) राजनीतिक इतिहास एवं प्रशासन।

इकाई–4

गुप्तकालीन संस्कृति (इतिहास का स्वर्णकाल)–कला, साहित्य, एवं विज्ञान की उन्नति। गुप्तोत्तर भारत–हर्षवर्धन की राजनीतिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियां। राजपूत राज्यों के पतन के उत्तरदायी कारण। विग्रहराज चौहान, भोज परमार।

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी गौरवशाली प्राचीन भारतीय इतिहास को जान पायेंगे।
2. स्थापत्य कला का तुलनात्मक अध्ययन कर पायेंगे।
3. इतिहास का ज्ञान प्राप्त कर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर पायेंगे।

पुस्तक / संन्दर्भ ग्रंथः

1. झा, द्विजेन्द्र एवं के.एम., श्रीमाली–प्राचीन भारत का इतिहास, कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. शर्मा, कृष्णगोपाल, शर्मा, मुरारीलाल एवं जैन, हुकुमचंद–भारत का इतिहास, अजमेरा बुक कम्पनी।
3. पाण्डे, डॉ. विमल चन्द्र–प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, सेन्ट्रल पब्लिशिंग हाऊस, इलाहाबाद।
4. थापर, रोमिला–भारत का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. श्रीवास्तव, कृष्णचन्द्र–प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति, यूनाईटेड बुक डिपो, इलाहाबाद।
6. Basham, A.L. – A cultural history of India.
7. Kosambi, D.D. – An Introduction to the study of Indian History

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory+ Practical	Total
BBOA 115MN	**Geography (Physical Geography)**	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**50+20**	**100**

*** Note – Stencils and simple calculator are permitted in theory and practical examination.**

Semester - I

Objectives-

1. To attain knowledge in detail about physical geography and associated branches.

Unit-I

a) Definition and Scope of Physical Geography
b) Origin of the Earth : Introduction, Monistic - Kant & Laplace hypothesis, Dualistic - James Jeans hypothesis & Big Bang theory
c) Geological Time Scale
d) Interior of the Earth : Structure, Composition & Zones
e) Origin of the Continent and Oceans : Wegener's theory of Continental Drift, Plate-Tectonics and Sea Floor Spreading Theory

Unit- II

a) Theories of Mountain Building : Geosyncline Orogen theory of Kober
b) Isostasy : Concept and Views of Airy and Pratt
c) Cycle of Erosion : Davis &Penck
d) Volcanoes and Earthquake
e) Denudation Process and their driving forces
    1. Weathering: Physical, Chemical, Biological
    2. Erosionly: by Wind, River, Glacier, Underground water, Waves
    3. Mass Trans-Location: Gradual flow, Rapid flow, Extreme rapid flow

Unit – III

a) Drainage Pattern
b) Atmosphere:
    1. Composition and Structure
    2. Temperature, Insolation and Heat Budget
    3. Air Pressure and Atmospheric Circulation
c) Frontogenesis, Cyclone and Anticyclone
d) General Climate Classification : W. Koppen&Thornthwaite

Unit - IV

a) Reliefs of the ocean basins
b) Temperature and Salinity of oceans
c) Ocean Currents and Tides
d) Coral reefs : Conditions of growth, types and origin according to Darwin and Murray.

PRACTICAL

a) Definition and Types of Scale : Simple, Comparative and Diagonal
b) Representation of Relief : Methods of Showing different Relief features; Hachures, Hill Shading, Bench-Mark, Spot-Height
c) Contours and Drawing of Cross Section: Conical Hill, Plateau, Types of Slopes, Valleys, Ridge, Saddle, Gorge, Waterfall and Rapids, Escarpment, Lake, Spur, Meanders and Cliff
d) Profiles: Serial, Superimposed, Projected and Composite
e) Enlargement, Reduction and Combination of Maps

Outcome-

1. Knowledge about three branches of Physical Geography : Geomorphology, Climatology and Oceanography.
2. Gain awareness about the reasons for natural disasters & their mitigation.
3. Gain awareness about the atmosphere.
4. Gain awareness about the relief features' representation.

Suggested Readings :

1. भौतिकभूगोल, डॉ. एल.एन. उपाध्याय, हिन्दीग्रंथअकादमी 2016।
2. सविन्द्रसिंह : भौतिकभूगोल, वसुन्धराप्रकाशन, गोरखपुर।
3. शर्मा एच.एस. : ''भौतिकभूगोल'' पंचशीलप्रकाशन, जयपुर।
4. चतुर्भुजमामोरिया एवंजैन : भौतिकभूगोल एवंजीवमण्डल, साहित्य भवनआगरा।
5. वीरेन्द्र सिंह चौहान : भौतिकभूगोल, रस्तोगीपब्लिकेशन्स, मेरठ।
6. उपाध्याय एल.एन. : भौतिकभूगोल, राजस्थानहिन्दीग्रन्थअकादमी, जयपुर

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 116MN	**Jainology (जैन इतिहास एवं संस्कृति)**	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER–**I**

उद्देश्य–

1. जैन धर्म की संस्कृति, कालक्रम एवं भगवान ऋषभ के चरित्र को समझाना।
2. अरिष्टनेमि, पार्श्वनाथ एवं महावीर के जीवन चरित्र को समझाना।
3. जैन साहित्य पर प्रकाश डालना।
4. जैन चिन्तन का योगदान बताना।

इकाई–1: जैन धर्म भगवान महावीर से पार्श्वनाथ तक

- जैन धर्म और इसकी प्राचीनता
- कालचक्र और कुलकर व्यवस्था
- भगवान ऋषभ का जीवन–दर्शन, भरत का अनासक्त योग
- भगवान अरिष्टनेमि और भगवान पार्श्वनाथ

इकाई–2 : भगवान महावीर और उनकी उत्तरवर्ती परम्परा

- भगवान महावीर का जीवन और साधना
- गणधर और निह्नव
- श्वेताम्बर और दिगम्बर आचार्य

इकाई–3 : जैन संस्कृति एवं साहित्य

- आगम वाचना और आगम विभाजन
- आगमों का व्याख्या साहित्य एवं उत्तरवर्ती साहित्य
- जैन संस्कृति की विशेषताएं और जैन पर्व
- जैन कला, तीर्थस्थल तथा जैन धर्म के प्रचार में राजाओं का योगदान

इकाई–4 : चिन्तन के विकास में जैन –दर्शन का योगदान

- भगवान महावीर और जनतन्त्र तथा अनेकान्तवाद
- साध्य–साधनवाद
- अनुकम्पा और नैतिकता की अवधारणा

उपलब्धियाँ–

1. जैन संस्कृति एवं तीर्थंकर परम्परा से परिचित होंगे।
2. जैन साहित्य का परिचय प्राप्त होगा।
3. समस्या समाधान के सूत्र प्राप्त होंगे।
4. जैन इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ पुस्तकें :

1. जैन इतिहास और संस्कृति, डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं।
2. जैन परम्परा का इतिहास, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं।
3. जैन दर्शन और संस्कृति का इतिहास, भागचन्द भास्कर, आलोक प्रकाशन, नागपुर।
4. भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान, डॉ. हीरालाल जैन, मध्यप्रदेश, शासन परिषद्, भोपाल।
5. जैन दर्शन, मनन और मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, आदर्श साहित्य संघ, चूरू।

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 117MN	**Jain and other Philosophoies (जैन दर्शन के मौलिक सिद्धान्त)**	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER-I (Minor)

उद्देश्य–

1. जैन द्रव्य, गुण, पर्याय को समझाना।
2. जैन इन्द्रिय, भाव एवं जीव को समझाना।
3. कर्म के बारे में जानकारी देना।
4. जैन इतिहास का परिचय देना।

इकाई–1 द्रव्य, गुण, पर्याय, ज्ञान और दर्शन (जै. सि. दी., 1, 2 प्रकाश)

इकाई–2 जीव, अजीव, कर्म मीमांसा (जै. सि. दी., 3, 4 प्रकाश)

इकाई–3 संवर, निर्जरा, मोक्ष, मोक्ष मार्ग (जै. सि. दी., 5, 6 प्रकाश)

इकाई–4 भगवान् ऋषभ से भगवान् पार्श्व तक

भगवान् महावीर

जैन साहित्य

जैन संस्कृति (जैन परम्परा का इतिहास, 1,2,4,5)

उपलब्धियाँ–

1. जैन द्रव्य मीमांसा का परिचय होगा।
2. जैन इन्द्रिय, भाव एवं जीव के बारे ज्ञान होगा।
3. इन्द्रिय, भाव, जीव, कर्म, लेश्या, गुणस्थान के बारे में ज्ञान वृद्धि होगी।
4. जैन साहित्य का परिचय होगा।
5. जैन तत्त्व मीमांसा का परिचय होगा।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ पुस्तकें :

1. जैन सिद्धांत दीपिका, आचार्य श्री तुलसी, आदर्श साहित्य संघ, तृतीय संस्करण, चूरू 1982
2. जैन परंपरा का इतिहास, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूँ
3. जैन तत्त्व विद्या– आचार्य तुलसी, जैन विश्वभारती लाडनूं
4. जीव–अजीव–आचार्य महाप्रज्ञ, आचार्य तुलसी, जैन विश्वभारती लाडनूं
5. जैन दर्शन के मूल तत्त्व– विजय मुनि शास्त्री
6. जैन इतिहास एवं संस्कृति– डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, जैन विश्वभारती वि.वि, लाडनूं
7. जैन दर्शन और मनन मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं
8. Illuminator of Jaina Tenets, Acharya Tulsi, Jain Vishva Bharati, Ladnun, IInd Adition, 1995

Course Code	Course Title	Course Category	Credit	Practicle	Total
BJVB101SE	Personality Development and Yoga (Practical)	Skill	2	50	50

Semester-I

उद्देश्य :

1- विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास से सम्बन्धित विभिन्न आसनों एवं प्राणायामों की जानकारी देना।
2- विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास से सम्बन्धित प्रेक्षाध्यान के विभिन्न प्रयोगों की जानकारी देना।

इकाई I

आसन – सम्पादासन, ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन।

प्राणायाम – चन्द्र भेदी, सूर्य भेदी।

प्रेक्षाध्यान के प्रयोग – ध्यान की पूर्व तैयारी, कायोत्सर्ग, अन्तर्यात्रा।

इकाई II

आसन – पश्चिमोतानासन, व्रजासन, उष्ट्रासन, शशांकासन।

प्राणायाम – अनुलोम विलोम।

प्रेक्षाध्यान के प्रयोग – दीर्धश्वास प्रेक्षा, ज्योति केन्द्र प्रेक्षा, समापन विधि।

संदर्भ ग्रंथ

1. व्यक्तित्व विकास और योग, लेखक – डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, प्रकाशक : जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं–341306 (राज.)
2. व्यक्तित्व विकास और स्व–प्रबन्धन, लेखक – मुनि धर्मेश कुमार, प्रकाशक : जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं–341306 (राज.)

Course Code	Course Title	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BJVB102VA	Personality Development and Yoga (Theory)	Skill	2	15	35	50

Semester-I

उद्देश्य :

3- विद्यार्थियों को व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों की जानकारी देना।

4- विद्यार्थियों को प्रबन्धन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देना।

इकाई I

व्यक्तित्व विकास और प्रबन्धन – लक्ष्य प्रबन्धन, समय प्रबन्धन, स्वास्थ्य प्रबन्धन, तनाव प्रबन्धन, संवेग प्रबन्धन।

इकाई II

व्यक्तित्व और क्षमता का विकास – कार्य–क्षमता का विकास, सकारात्मक सोच का विकास, स्मृति–क्षमता का विकास, नेतृत्व–क्षमता का विकास, अभिव्यक्ति का विकास।

उद्देश्य :

1- विद्यार्थी व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

2- विद्यार्थी को प्रबन्धन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

संदर्भ ग्रंथ

3. व्यक्तित्व विकास और योग, लेखक – डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, प्रकाशक : जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं–341306 (राज.)

व्यक्तित्व विकास और स्व–प्रबन्धन, लेखक – मुनि धर्मेश कुमार, , प्रकाशक : जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं–341306 (राज.)

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuums Internal Assessment)	Theory	Total
BJVB103AE	General Hindi	A	(AEC) Core Course	4	30	70	100

SEMESTER – I

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को हिन्दी व्याकरण का सामान्य ज्ञान करवाना।
2. विद्यार्थी को निबन्ध लेखन एवं पत्र लेखन कला से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थी को हिन्दी की गद्य एवं पद्य विधाओं से परिचित करवाना।

इकाई–I

1. संज्ञा
2. सर्वनाम
3. कारक
4. समास
5. तत्सम एवं तदभव
6. पर्यायवाची शब्द
7. शब्द–शक्ति
8. विलोम शब्द

इकाई–II

1. युग्म–शब्द
2. एक वाक्य के लिए एक शब्द
3. मुहावरे
4. लोकोक्तियाँ
5. पल्लवन
6. संक्षेपण
7. पत्र लेखन
8. आदर्श निबन्ध

इकाई–III

1. आत्माराम (कहानी) – मुन्शी प्रेमचन्द
2. बहिन सुभद्रा (रेखाचित्र) – महादेवी वर्मा
3. राखी (एंकाकी) – हरिकृष्ण प्रेमी
4. मूल्यों का उलटफेर (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई

इकाई–IV

1. मैथिलीशरण गुप्त – मातृभूमि, आगे बढ़ो! ऊंचे चढ़ो!
2. जयशंकर प्रसाद – भारत महिमा
3. रामधारीसिंह दिनकर – जनतंत्र का जन्म
4. गिरिजाकुमार माथुर – पन्द्रह अगस्त

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थियों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि होगी।
2. विद्यार्थी कार्यालय पत्र लिखने में समर्थ हो सकेंगे।
3. विद्यार्थी निबन्ध लेखन के महत्त्व, उसकी विशेषता आदि से अपने लेखन कौशल का विकास कर सकेंगे।

पाठ्यपुस्तक

1. साहिन्य हिन्दी, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) लाडनूं
2. सामान्य हिन्दी (गद्य संग्रह, काव्य संचय), कैलाश भट्ट 'आकाश' सम्पादक – डॉ. समणी शुभप्रज्ञा, जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) लाडनूं

संदर्भ ग्रंथ–

1. काव्य संचय, संपादक– डॉ शम्भुनाथ पाण्डेय, अनुराग प्रकाशन, अजमेर
2. गद्य संग्रह, संपादक– डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, अल्का पब्लिकेशन, अजमेर
3. हिन्दी व्याकरण तथा रचना, डॉ भोलानाथ तिवाडी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
4. हिन्दी व्याकरण–श्री हरदेव बाहरी
5. आधुनिक हिन्दी व्याकरण–वासुदेवानन्द प्रसाद
6. अच्छी हिन्दी–रामचन्द्र वर्मा

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuums Internal Assessment)	Theory	Total
BJVB104AE	General Rajasthani	A	(AEC) Core Course	4	30	70	100

सेमेस्टर प्रथम

राजस्थानी भाषा कौशल विकास एवं गद्य

अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थानी भाषा सामान्य परिचय
2. राजस्थानी बोलियों का परिचय
3. राजस्थानी के मानक स्वरूप का परिचय
4. राजस्थानी गद्य–सामान्य परिचय
5. तत्सम एवं तद्भव, पर्यायवाची एवं विलोम शब्दों का ज्ञान
6. अनुवाद कौशल–हिन्दी से राजस्थानी, राजस्थानी से हिन्दी
7. संवाद कौशल–राजस्थानी भाषा में प्रार्थना पत्र लेखन, सामान्य पत्र, निमन्त्रण पत्र
8. भाषा कौशल विकास हेतु कक्षा में व्यावहारिक प्रक्रिया
9. राजस्थानी भाषा में विचार प्रकटन, रिर्पोटिंग
10. राजस्थानी गद्य की पाठ्यपुस्तक का अध्ययन

प्र□न पत्र प्रारूप **पूर्णांक–100 (70 अंक सैद्धान्तिक+30 अंक प्रायोगिक)**

प्रथम इकाई – राजस्थानी भाषा और बोलियों का परिचय (200 शब्द) 10 अंक

द्वितीय इकाई – निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से आलोचनात्मक प्रश्न (200 शब्द) 10 अंक

तृतीय इकाई – निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से आलोचनात्मक प्रश्न (200 शब्द) 10 अंक

चतुर्थ इकाई – निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से सप्रसंग व्याख्या (200 शब्द) 10 अंक

पंचम इकाई – (अ) तत्सम एवं तद्भव, पर्यायवाची एवं विलोम शब्द 10 अंक

(ब) अनुवाद हिन्दी से राजस्थानी एवं राजस्थानी से हिन्दी 10 अंक

(स) सामान्य प्रार्थना पत्र लेखन 10 अंक

प्रायोगिक–आंतरिक मूल्यांकन

प्रायोगिक अभ्यास सप्ताह में 2 दिन अनुवाद एवं पत्र लेखन का अभ्यास विद्यार्थियों को करवाया जाएगा जिससे भाषा शिक्षण के साथ–साथ भाषा के अध्ययन में कौशल प्राप्त हो सके। भाषा कौशल के विकास हेतु कक्षा में अभ्यास द्वारा कार्य करवा कर आन्तरिक मूल्यांकन की दृष्टि से गद्यांश का अनुवाद, समाचार पत्र के सम्पादकीय का अनुवाद, विभिन्न प्रकार के प्रार्थना पत्र लेखन एवं निमंत्रण पत्र लेखन करवाया जायेगा। आन्तरिक मूल्यांकन में अंकों का निर्धारण निम्नानुसार होगा।

1. राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र के सम्पादकीय का अनुवाद–हिन्दी से राजस्थानी (कम से कम 200 शब्द) 10 अंक
2. राजस्थानी निबंध का अनुवाद–राजस्थानी से हिन्दी (कम से कम 200 शब्द) 10 अंक
3. विश्वविद्यालय में वार्षिक उत्सव/सेमिनार/संगोष्ठी हेतु निमंत्रण पत्र 10 अंक

भाषा कौशल विकास के प्रोजेक्ट के रूप में विद्यार्थियों को अनुवाद एवं पत्र के प्रारुप प्रस्तुत करने होगें। इस हेतु 30 अंक निर्धारित होंगे।

पाठ्यपुस्तक

1. बानगी : सं. डॉ. गजादान चारण (केवल गद्य खण्ड) प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1. राजस्थानी व्याकरण – रचना : डॉ. सोहनदान चारण, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ मोतीलाल, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
3. राजस्थानी भाषा और उसकी बोलिया : डॉ. देव कोठारी, साहित्य संस्थान, राजस्थानी विद्यापीठ, उदयपुर

Semester II

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assessment)	Theory + Practical	Total
BBOA 201MN	Agam Vidya Evam Prakrit Sahitya	(Only One Course From Each Group) A	Core Course (Any One)	4	30	70	100
BBOA 202 MN	Non-violence & Peace						
BBOA 203 MN	Hindi Literature						
BBOA 204 MN	English Literature						
BBOA205 MN	Rajasthani Literature						
BBOA 206 MJ	Any One 1. Sanskrit Literature (Kalu Komudi)	B	Core Course (Any One)	4	30	0	100
BBOA 207 MJ	2. Sanskrit Literature (Ladhu Sidhant Komudi)						
BBOA 209 MJ	Political Science						
BBOA 210MJ	Science Of Living					50+20	
						70	
BBOA 211 MJ	Social Work						
BBOA 212 MJ	Information Technology	C	Core Course (Any One)	4	30	50+20	100
BBOA 213 MJ	Psychology					50+20	
						70	
BBOA 214 MJ	History						
BBOA 215 MJ	Geography					50+20	
BBOA 216 MJ	Jainology					70	
BBOA 217MJ	Jain and other philosophies						
BJVB201SE	Basics of Computer		Skill	4	30	50+20	100
BJVB202ID	Jain Culture & Life Values		Interdisciplinary	4	30	70	100
			Total	20	350	150	500

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 201MN	**आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य (प्राकृत व्याकरण एवं साहित्य)**	**A**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER-**II (Minor)**

उद्देश्य–

1. व्यंजनों के स्थान पर होने वाले परिवर्तनों को समझाना।
2. प्राकृत के स्वर, व्यंजन का परिचय एवं संधि की प्रक्रिया बताना।
3. व्याकरण के साथ–साथ प्राकृत साहित्य का ज्ञान करवाना।

इकाई–1 : तुलसी मंजरी (सूत्र 235 से 393)

(1) रूप सिद्धि

(2) संस्कृत शब्द से प्राकृत शब्द

(3) प्राकृत शब्द से संस्कृत शब्द

इकाई 2 : प्राकृत स्वयं शिक्षक (पाठ 01 से 20 तक)

(1) शब्दार्थ

(2) धातु रूप, शब्द रूप

(3) हिन्दी से प्राकृत, प्राकृत से हिन्दी में वाक्य रचना

इकाई–3 : प्राकृत गद्य सोपान (अध्ययन 1–20)

(1) सप्रसंग अनुवाद, व्याख्या

(2) आलोचनात्मक प्रश्न

(3) लघूत्तरात्मक प्रश्न

(4) वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(5) शब्दार्थ

इकाई–4 : प्राकृत गद्य सोपान (अध्ययन 21–32)

(1) सप्रसंग अनुवाद, व्याख्या

(2) आलोचनात्मक प्रश्न

(3) लघूत्तरात्मक प्रश्न

(4) वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(5) शब्दार्थ

उपलब्धियाँ–

1. संस्कृत के साथ–साथ प्राकृत के स्वर–व्यंजनों की जानकारी होगी।
2. मूल व्यंजनों के स्थान पर होने वाले अन्य व्यंजनों का ज्ञान होने से शब्द कोश बढ़ेगा।
3. प्राकृत गद्य सोपान के द्वारा पठित व्याकरण का उपयोग सीखेंगे।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रंथ :

1 प्राकृत प्रबोध–डॉ. नेमीचन्द्र शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी 1965
2 प्राकृत प्रवेशिका–(Translation of Introduction to Prakrit) बनारसदास जैन, ओरियण्टल बुक्स रिप्रिंट कॉरपोरेशन, दिल्ली 1968
3 प्राकृत मार्गोपदेशिका–पं. बेचरदास जीवराज दोषी, मो. ला. ब. दास, दिल्ली 1968
4 प्राकृत व्याकरण (सिद्धहेमशब्दानुशासनम्–आचार्य हेमचन्द्रकृत) संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित, व्याख्याकार–ज्ञानमुनि, प्रकाशन–आचार्यश्री आत्माराम जैन मॉडल स्कूल, दिल्ली 1974
5 प्राकृत व्याकरण (अंग्रेजी)–हेमचन्द्र, प्रकाशक भण्डारकर ओरियण्टल शोधसंस्थान, पूना 1980
6 प्राकृत गद्य सोपान–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 1982
7 प्राकृत काव्य मंजरी–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 1982
8 तुलसी मंजरी – युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं 1983
9 प्राकृत प्रवेशिका–डॉ. कोमलचंद जैन, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी 1989
10 प्राकृत वाक्य रचना बोध–युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं 1991
11 प्राकृत भाषा प्रबोधनी–डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं 2011
12 प्राकृत गद्य सोपान–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राजस्थान प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर
13 प्राकृत रचना सौरभ–डॉ. के.सी सोगानी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
14 प्राकृत रचना अभ्यास–डॉ. के.सी सोगानी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
15 प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास–डॉ. नेमीचन्द्र शास्त्री, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 202 MN	**अहिंसा एवं शांति (अहिंसा का व्यवहार)**	**A**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER –II

उद्देश्य–

1. विभिन्न धर्मों में वर्णित अहिंसा एवं शांति तत्त्व को समझाना।
2. पाश्चात्य धर्मों में अहिंसा व शांति के रूप को समझना।
3. यहुदी, ईसाई, इस्लाम व सूफी धर्म की शिक्षाओं को बताना।
4. विभिन्न धर्मों के सन्तों की जीवनियों को बताना।

इकाई–1 अहिंसा की शक्ति एवं अहिंसात्मक प्रतिरोध, अहिंसा में असीम शक्ति, अहिंसा का प्रभाव, अहिंसात्मक प्रतिरोध की विशेषता, अहिंसक प्रतिरोधी के गुण, अहिंसात्मक प्रतिरोध के उदाहरण

इकाई–2 आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं पर्यावरणीय क्षेत्र में अहिंसा का व्यवहार

इकाई–3 अहिंसा और जीवन शैली, अहिंसा और आहार, वस्त्र, चिकित्सा आदि, अहिंसा और उद्योग धन्धे, व्यापार एवं विज्ञान, अहिंसा और शिक्षा

इकाई–4 अहिंसा और शांति, शांति का स्वरूप, अहिंसा और विश्व शांति, अहिंसाः सापेक्षता एवं सह–अस्तित्व।

उपलब्धियाँ–

1. सभी धर्मों के प्रति सद्भावना बढेगी।
2. आपसी प्रेम, भाईचारा बढ़ेगा।
3. एक–दूसरे धर्मों के प्रति आस्था बढ़ेगी।

पाठ्य पुस्तकें

1. अहिंसा की शक्ति–रिचर्ड बी. ग्रेग
2. अहिंसा और शांति–आचार्य महाप्रज्ञ
3. अहिंसा तत्व दर्शन–आचार्य महाप्रज्ञ
4. जीवन धर्म अहिंसा–भगवानदास केला

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 203 MN	**हिन्दी साहित्य–कथा साहित्य**	**A**	**(CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER–**II**

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को नवीन गद्य विधा, उपन्यास एवं कहानी से परिचित कराना।
2. विद्यार्थियों में कहानी लेखन कौशल विकसित करना।

इकाई I

1. हिन्दी कहानी का इतिहास (उद्‌भव एवं विकास)।
2. हिन्दी उपन्यास का इतिहास (उद्‌भव एवं विकास)।

इकाई II

1. उपन्यास : महाभोज – लेखिका मन्नू भण्डारी
2. महाभोज लेखिका का सामान्य परिचय, उपन्यास की महत्वपूर्ण व्याख्याएँ एवं सम्बन्धित प्रश्नोत्तर

इकाई III : कहानियाँ–

1. गुल्ली डण्डा – मुंशी प्रेमचन्द
2. ममता – जयशंकर प्रसाद
3. सेव और देव – अज्ञेय
4. परदा – यशपाल
5. परमात्मा का कुत्ता – मोहन राकेश
6. इकाई में सम्मिलित सभी कहानियों की महत्वपूर्ण व्याख्याएँ तथा प्रश्नोत्तर

इकाई IV : कहानियाँ–

1. बिरादरी बाहर – राजेन्द्र यादव
2. अकेली – मन्नू भण्डारी
3. झुटपुटा – भीष्म साहनी
4. फेन्स के इधर और उधर – ज्ञान रंजन
5. बर्डे – स्वयं प्रकाश
6. इकाई में सम्मिलित सभी कहानियों की महत्वपूर्ण व्याख्याएँ तथा प्रश्नोत्तर

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी उपन्यास एवं कहानी साहित्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर हिन्दी कहानियों की विभिन्न लेखन शैलियों से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी स्वयं कहानी लेखन का अभ्यास कर सकेंगे।

पाठ्यपुस्तक :

1. कहानी एवं उपन्यास, कैलाश भट्ट, सम्पादक–प्रो. नन्दलाल कल्ला, प्रकाशक–जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय), लाडनूं

संदर्भग्रंथ

1. कथा संचय, सं. दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, यूनिवर्सिटी बुक हाउस, नई दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यासः लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
3. हिन्दी कहानीः स्वरूप और संवेदना–राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली
4. कहानीः नई कहानी–नामवरसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास, नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा
6. हिन्दी कहानीः अन्तरंग पहचान–रामदरश मिश्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली
7. हिन्दी उपन्यासः एक अंतर्यात्रा–रामदरश मिश्र राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
8. कथाकार वृंदावन लाल वर्मा–शशिभूषण सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी चंडीगढ़
9. हिन्दी गद्य का इतिहास – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
10. उपन्यास का विकास – मधुरेश
11. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
12. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय

Course Code	Course Title	Croup	Course Category	Credit	C.I.A (continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 204MN	**English Literature (Prose and Fiction)**	**A**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

Semester-II

Objectives:

1. To enable students to understand stories and its forms.
2. To familiarize with prose and Narrative art.
3. To acquaint them with some literary terms of these genres.

Unit I Stories from **A Choice of Short Stories.**
(Ed. Shakti Batra and PS Sidhu. OUP.)
Pearl S. Buck : The Refugee
C Rajagopalachari : The Nose-Jewel
Khushwant Singh : The Interview
Kartar Sinbgh Duggal : Miracle
P. Padmaraju : Cyclone
R. N. Tagore : The Baboos of Nayanjore
Mulk Raj Anand : The Lost Child
HH Munro (Saki) : Dusk

Unit II: English Essays
Of Studie : Francis Bacon
Charles Lamb : Dream Children: A Reverie
Oliver Goldsmith : On National Prejudices
G.K. Chesterton : On the Pleasures of No Longer Being Very Young

Unit III. George Orwell : **Animal Farm.** Orient Longman.

Unit IV: Literary Terms and Figures of Speech: Essay, Elements of Short Story, Myth, Legend, Folk Tale, Aphoristic Style,

Outcomes:

1. The students can understand Essay, Short Story and Novel.
2. They can learn the difference between the Figures of Speech and Literary Terms.

Suggested Reading :

1. Abrams, M.H. *Glossary of Literary Terms.* India, Macmillan Publishers, 2000.
2. Prasad, B. *A Background to the Study of English Literature*. Macmillan, 2004.
3. *A Choice of Short Stories*. (Ed.) Shakti Batra. OUP, New Delhi.
4. *Forms of English Prose.* Oxford University Press, New Delhi.
5. Orwell, George. *Animal Farm*. Orient Longman.
6. Abraham, M. H. *A Glossary of Literary Terms*. MacMillan, New Delhi.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 205MN	राजस्थानी (आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

सेमेस्टर–II : आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य

अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा : प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण
2. आधुनिक राजस्थानी विविध काव्य प्रवृत्तियां
3. नवीन भाव बोधमय काव्य
4. प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार

इकाई प्रथम : आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा : प्रवृत्तियां, नवीन भाव बोध : प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार।

इकाई द्वितीय : राजस्थानी काव्य संग्रह : सं. डॉ. नारायण सिंह भाटी (कवि : कन्हैयालाल सेठिया, जनकवि उस्ताद, चन्द्रसिंह, मेघराज मुकुल, डॉ. नारायणसिंह भाटी, सत्यप्रकाश जोशी)

इकाई तृतीय : 'मानखो' गिरधारीसिंह परिहार

इकाई चतुर्थ : दोनों पाठ्यपुस्तकों से सप्रसंग व्याख्या

इकाई पंचम : इस इकाई में दो विकल्प दिये गये हैं। जिसमें से एक विकल्प का चयन करना होगा–

(अ) राजस्थानी छंद एवं अलंकार : दोहा छंद एवं उसके प्रमुख भेद

(ब) आधुनिक राजस्थानी काव्य प्रवृत्तियों का विस्तृत अध्ययन : प्रगतिवादी काव्य, प्रकृति काव्य, नवीन भाव बोध एवं मानवतावादी काव्य।

पाठ्यपुस्तकें–

1. राजस्थानी काव्य संग्रह (सं.) नारायणसिंह भाटी, प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधुपर
2. 'मानखो' : गिरधारी सिंह पड़िहार : प्रकाशक : पड़िहार प्रकाशन, बीकानेर

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा स्रोत एवं प्रवृत्तियां : डॉ किरण नाहटा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
3. आधुनिक राजस्थानी कविता : डॉ श्याम शर्मा : वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. जनकवि अवधारणा : ओंकारश्री : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 206MJ	**संस्कृत(संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य) (कालूकौमुदी)**	**B**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

- विद्यार्थी BBOA 206 अथवा 207 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

SEMESTER–**II**

उद्देश्य–

1. कारक से शब्दरूप की विभक्तियों का ज्ञान कराना।
2. समास के द्वारा शब्दों के निर्माण की विधि को सीखाना।
3. शेमुषी में व्याकरण एवं साहित्य का समन्वयात्मक ज्ञान करवाना।

इकाई–1 : कालू कौमुदी (पूर्वार्द्ध) स्यादि प्रकरण (हसान्त स्यादि तक– सूत्र 204 से 269) युस्मद्–अस्मद्, अव्यय, स्त्री प्रत्यय, (सूत्र 270 से 392)

(1) रूप सिद्धि

(2) सूत्रार्थ

(3) शब्द रूपावली

इकाई–2 : वाक्य रचना बोध (16 से 29 पाठ)

(1) हिन्दी से संस्कृत अनुवाद

(2) संस्कृत से हिन्दी अनुवाद

(3) शब्दार्थ

इकाई–3 : शेमुषी, छन्द एवं अलंकार

1. अनुवाद
2. लघुत्तरात्मक प्रश्न
3. श्लोक रचना

चयनित छन्द– अनुष्टुप, इन्द्रव्रजा, उपेन्द्रव्रजा, शिखरिणी

चयनित अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा एवं दृष्टान्त

इकाई–4 : अभिधान चिन्तामणि छठा काण्ड (श्लोक 31 से 60)

1. दो श्लोक पूर्ति
2. दो शब्दों के संस्कृत में पर्यायवाची
3. पांच शब्दों के अर्थ

उपलब्धियाँ–

1. विभक्ति संबंधी ज्ञान में शुद्धाशुद्धि का अभ्यास होगा।
2. श्लोक रचना आदि में युग्मद्–अस्मद्, अव्यय का कार्यकारी ज्ञान होगा।
3. सरल संस्कृत संभाषण का प्रयास रहेगा।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रंथ :

1. कालु कौमुदी, आदर्श साहित्य संघ, चूरू
2. वाक्य रचना बोध, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं
3. शेमुषी, युवाचार्य महाश्रमण, जैन विश्व भारती, लाडनूं
4. अभिधान चिन्तामणि नाममाला, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी, बी.एस. आप्टे
6. संस्कृत वाक्य रचना बोध, लेखक–आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
7. सरल वाक्य रचना बोध, मुनि श्री श्रीचंद, जैन विश्व भारती, लाडनूं
8. अनुवाद चन्द्रिका, डॉ. ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
9. व्याकरण रचनानुवाद, डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 207MJ	**संस्कृत (संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य) (लघु सिद्धांत कौमुदी)**	**B**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

- विद्यार्थी BBOA 206 अथवा 207 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

SEMESTER–**II**

उद्देश्य–

1. शब्दों के स्त्रिलिंगी प्रत्ययों का ज्ञान करवाना।
2. अव्ययों का ज्ञान करवाना।
3. शेमुषी में व्याकरण एवं साहित्य का समन्वयात्मक ज्ञान करवाना।

इकाई–1 **लघु सिद्धांत कौमुदी**

(1) सुबन्त (अजन्त स्त्रीलिंग से सुबन्त तक)

(2) अव्यय प्रकरण (सू. 216–372)

(3) स्त्री प्रकरण (सू. 1244–1272)

इकाई–2 **रचनानुवाद कौमुदी**(पाठ 11 से 20)

इकाई–3 **शेमुषी, छन्द एवं अलंकार**

1. अनुवाद
2. लघुत्तरात्मक प्रश्न
3. श्लोक रचना

चयनित छन्द– अनुष्टुप, इन्द्रव्रजा, उपेन्द्रव्रजा, शिखरिणी

चयनित अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा एवं दृष्टान्त

इकाई–4 **अभिधान चिन्तामणि छठाकाण्ड** (श्लोक 31 से 60)

1. दो श्लोक पूर्ति
2. दो शब्दों के संस्कृत में पर्यायवाची
3. पांच शब्दों के अर्थ

उपलब्धियाँ–

1. स्त्रीलिंग शब्दों के निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
2. अव्ययों का सामान्य ज्ञान होगा।
3. सरल संस्कृत संभाषण का अभ्यास होगा।

नोट –कालू कौमुदी और लघु सिद्धांत कौमुदी में से किसी एक पत्र का चयन करें।

पाठ्य पुस्तक/संदर्भ ग्रंथ :

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी, श्रीवरदाजकृत, संपादक–महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्या भवन, दिल्ली
2. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, आचार्य विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. शेमुषी, युवाचार्य महाश्रमण, जैन विश्व भारती, लाडनूं
4. अभिधान चिन्तामणि नाममाला, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी, बी.एस. आप्टे
6. संस्कृत वाक्य रचना बोध, लेखक–आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
7. सरल वाक्य रचना बोध, मुनि श्री श्रीचंद, जैन विश्व भारती, लाडनूं
8. अनुवाद चन्द्रिका, डॉ. ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
9. व्याकरण रचनानुवाद, डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
10. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी, बी.एस. आप्टे

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 209MJ	**राजनीति विज्ञान (भारतीय राजनीतिक व्यवस्था)**	**B**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER –II

उद्देश्य–

1. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की जानकारी देना।
2. शासन की विभिन्न संस्थाओं से परिचित कराना।
3. भारत की वर्तमान बदलती राजनैतिक दशा एवं दिशा का बोध करवाना।
4. विद्यार्थियों की प्रतियोगी परीक्षाओं में तर्क शक्ति बढ़ाना।

इकाई–1

संवैधानिक विकास : 1919–1935 तक, भारत शासन अधिनियम 1919 तथा भारत शासन अधिनियम, 1935 के अन्तर्गत शासन व्यवस्था एवं क्रियान्वयन, 1935–1947 की अवधि में भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन।

इकाई–2

भारतीय संविधान निर्मात्री सभा एवं भारतीय संविधान निर्माण प्रक्रिया, प्रस्तावना (Preamble) का स्वरूप, भारतीय संविधान की विशेषताएँ, मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्य, राज्य के नीति निदेशक तत्व, भारतीय संघीय व्यवस्था

इकाई–3

राष्ट्रपति का पद एवं उसकी शक्तियाँ–सामान्य एवं आपातकालीन, प्रधानमन्त्री एवं मन्त्री परिषद, लोक सभा एवं राज्य सभा : गठन एवं शक्तियाँ, सर्वोच्च न्यायालय : गठन एवं शक्तियाँ, न्यायिक पुनरावलोकन।

इकाई–4

राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं मन्त्री परिषद, भारत में संविधान संशोधन। चुनाव आयोग। भारतीय राष्ट्रीय एकीकरण की प्रमुख समस्याएं–क्षेत्रीयतावाद, साम्प्रदायिकतावाद, जातिवाद, भाषावाद।

उपलब्धियाँ–

1. ब्रिटिश सरकार के विभिन्न अधिनियमों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. शासन की विभिन्न संस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
3. केन्द्रिय स्तर से लेकर राज्यों की राजनीति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्यपुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. बी.एल. फडिया : भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
2. डॉ. पुखराज जैन : भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारतीय संविधान, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
3. बी.एल. फडिया : भारत का संविधान, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
4. H.Finer : Theory and Practice of Modern Government, London.
5. A.H. Brich :British System of Government.
6. पुखराज जैन–प्रमुख राजव्यवस्थायें, साहित्य भवन, पब्लिकेशन्स, आगरा।
7. बी.एल. फडिया : भारतीय शासन एवं राजनीति, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
8. आर.सी.अग्रवाल–विश्व के प्रमुख संविधान, एस.चान्द एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।
9. वीरकेश्वर प्रसाद सिंह–विश्व के प्रमुख संविधान, ज्ञानदा प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 210MJ	**जीवन विज्ञान (जीवन विज्ञान की प्रविधि : प्रेक्षाध्यान और योग)**	**B**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**50+20**	**100**

SEMESTER –II

सैद्धान्तिक भाग

उद्देश्य–

1. प्रेक्षाध्यान के अंगों का परिचय करवाना।
2. प्रेक्षाध्यान के मुख्य अंगो के आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का ज्ञान करवाना।
3. प्रेक्षाध्यान के मुख्य अंगों के प्रयोजन और निष्पत्तियों का ज्ञान करवाना।

इकाई–1 : प्रेक्षाध्यान का परिचय और सहायक अंग

(क) भारतीय परम्परा में योग एवं प्रेक्षाध्यान, योग का अर्थ, परिभाषा एवं योग की विविध शाखाएं, पातंजल योग : अष्टांग योग, प्रेक्षाध्यान उद्‌भव

(ख) प्रेक्षाध्यान एवं उसके सहायक अंग

- **प्रेक्षाध्यान**–स्वरूप, अर्थ, ध्येय, मूल स्रोत, आध्यात्मिक आधार, उपसंपदा, अंग।
- **आसन**–वैज्ञानिक दृष्टिकोण–अस्थितंत्र, श्वसन तंत्र, पाचन तंत्र, रक्त परिसंचरण तंत्र, नाडी तंत्र, अंतःस्रावी ग्रंथि तंत्र आध्यात्मिक दृष्टिकोण–महत्त्व, प्रकार, श्रेणियां, सावधानियां, निष्पत्ति।

(ग) प्राणायाम, मुद्रा और ध्वनि

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

आध्यात्मिक दृष्टिकोण

मुद्रा–प्रयोजन, वैज्ञानिकता, विधि एवं निष्पत्ति

ध्वनि–अर्हम् ध्वनि, महाप्राण ध्वनि, प्रयोजन, स्वरूप और परिणाम

इकाई–2 : प्रेक्षाध्यान के मुख्य अंग–I

(क) कायोत्सर्ग– वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आध्यात्मिक दृष्टिकोण, निष्पत्ति

(ख) अन्तर्यात्रा–वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आध्यात्मिक दृष्टिकोण, निष्पत्तियां

इकाई–3 : प्रेक्षाध्यान के मुख्य अंग–II

(क) श्वासप्रेक्षा

वैज्ञानिक दृष्टिकोण–श्वसन प्रक्रिया, पूर्ण श्वसन के लाभ

आध्यात्मिक दृष्टिकोण–प्राण का आहरण, श्वास और प्राण, श्वास के आलंबन का महत्व,दीर्घ श्वास, समवृत्ति श्वासप्रेक्षा।

निष्पत्ति–चित्त की प्रसन्नता, मानसिक एकाग्रता, जागरूकता, समभाव, शक्ति जागरण एवं अतीन्द्रियचेतना का विकास।

(ख) शरीर प्रेक्षा

वैज्ञानिक दृष्टिकोण–नाड़ी तंत्र, रक्त–संचार तंत्र, पाचन तंत्र, अतःस्रावी ग्रंथि तंत्र, विसर्जन तंत्र

आध्यात्मिक दृष्टिकोण–प्राण, औदारिक शरीर, तैजस शरीर, कार्मण शरीर

निष्पत्ति –रोग प्रतिरोधात्मक शक्ति का विकास, अशुभ संस्कारों का क्षरण

इकाई–4: प्रेक्षाध्यान के मुख्य अंग–III

(क) चैतन्य केन्द्र प्रेक्षा

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

आध्यात्मिक दृष्टिकोण

निष्पत्ति– चैतन्य केन्द्र की निर्मलता, आनन्द का जागरण, शक्ति का जागरण

(ख) लेश्याध्यान

वैज्ञानिक दृष्टिकोण– रंग का स्वरूप, रंग और मनोविज्ञान, आभामण्डल

आध्यात्मिक दृष्टिकोण–लेश्या का स्वरूप, क्रियाकलाप, वृत्तियों का उद्‌भव स्थान, भावधारा, लेश्या और आभामण्डल

निष्पत्ति–आदतों में परिवर्तन, अपूर्व आनन्द, जितेन्द्रियता, आत्म–साक्षात्कार

उपलब्धियाँ–

1. प्रेक्षाध्यान की आध्यात्मिकता एवं वैज्ञानिकता को जान सकेंगे।
2. प्रेक्षाध्यान के मुख्य अंगों के प्रयोजन और निष्पतियों से परिचित हो सकेंगे।
3. तनाव मुक्ति की प्रक्रिया से परिचित हों सकेंगे।
4. शरीर एवं मन की आन्तरिक शक्तियों की जागरण की विधि को जान सकेंगे।

प्रायोगिक

1. मेरूदण्ड की क्रियाएं
2. आसन–भुजंगासन, जानुशिरासन, पश्चिमोत्तानासन त्रिकोणासन
3. प्राणायाम– अनुलोम–विलोम
4. प्रेक्षाध्यान–ध्यान की पूर्व तैयारी, कायोत्सर्ग, अन्तर्यात्रा
5. अनुप्रेक्षा–कर्त्तव्यनिष्ठा एवं अभय

पाठ्यपुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. जीवन विज्ञान सिद्धांत समणी श्रेयसप्रज्ञा, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं
2. जीवन विज्ञान की रूपरेखा, समाकलन–मुनि धर्मेश, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
3. अहिंसा और अणुव्रत : सिद्धांत और प्रयोग, समाकलन–मुनि सुखलाल,
4. आचार्य महाप्रज्ञ : प्रेक्षा पुष्प, जैन विश्व भारती प्रकाशन, लाडनूं
5. अपना दर्पण अपना बिम्ब– युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
6. जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग, संम्पादक समणी डॉ. मल्लि प्रज्ञा, जैन विश्व भारती, लाडनूं
7. पातंजल योग दर्शन : आचार्य ब्रह्मलीन, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली,
8. योग तत्त्वांक, गीताप्रेस, गोरखपुर
9. महावीर की साधना का रहस्य– आचार्य महाप्रज्ञ, तुलसी अध्यात्म नीडम् प्रकाश,
10. श्रीमद्‌भागवतगीता, गीता प्रेस, गोरखपुर

प्रायोगिक संदर्भ पुस्तकें–

1. यौगिक क्रिया–मुनि किशनलाल
2. प्रेक्षाध्यान प्रयोग पद्धति–आचार्य महाप्रज्ञ
3. आसन–प्राणायाम–मुनि किशनलाल

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 211MJ	Social Work (Human Behaviour and Personality)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester – II

Objectives:

1. To acquire a clear understanding of Human Behaviour
2. To develop knowledge and skills regarding the nature and conditions of personality.
3. To gain knowledge about normal and abnormal behaviours.
4. To know attitudes which are basics for the social behaviour

Unit-1: Personality: Conceptual Framework

Personality: Concept, Stages of Development with Special Reference to Indian Concept of Life Span, Types and Determinants.

Unit-2: Processes

Basic Socio-Psychological Processes: Sensation, Perception, Attribution, Learning, Socialization, Motivation, Attitudes, Belief, Prejudices & Stereo-Types.

Unit-3: Human Behaviour

Human Behaviour: Concept, Determinants & Reflectors, Behavioural Problems in Different Stages of Personality Development.

Adjustment: Concept, Characteristics & Factors and Leadership: Concept, Types & Functions

Unit-4: Normal and Abnormal Behaviour

Concept of Normalcy & Abnormalcy, Defence Mechanism, Etiology of Abnormal

Behaviour, Types of Abnormal Behaviour: Psychosis and Psychoneurosis, Management of Mental Disorders.

Outcome-

1. Student will acquire a clear understanding of Human Behaviour
2. Student will develop knowledge and skills regarding the nature and conditions of personality.
3. Student will gain knowledge about normal and abnormal behaviours.
4. Student will know attitudes which are basics for the social behaviour

Suggeted Books:

1 Hillgard, Atkinson and Atkinson, Introduction to Psychology, New Delhi: McGraw Hill Publications. 1975

2 Halls C.S. and Lindzey, G. Theories of Personality, New York: Wiley. 1978

3 Kuppuswamy, B.C. An Introduction to Social Psychology, Bombay: Media Promoters & Pub.Pvt. Ltd. 1980

4 Schimberg, L.B. Human Development, London: Macmillan Pub. Co., 2nd Ed. 1985

5 Anstasi A.C. Psychological Testing, New York: Macmillan (Rev. Edition) 1987

6 हर्लोक, बी. एलिजाबेथ, विकास मनोविज्ञान, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित, प्रथम संस्करण, 1967।

7 लाशे, एस.एच., औद्योगिक संबंधों का मनोविज्ञान, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, प्रथम संस्करण 1972।

8 क्लेन, डी.बी., मानसिक आरोग्य विज्ञान, हरियाणा हिन्दी ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़, प्रथम संस्करण, 1974, द्वितीय संस्करण, 1976।

9 शर्मा, रामनाथ, असामान्य मनोविज्ञान की रूपरेखा, केदारनाथ रामनाथ कोलिज रोड़, मेरठ, प्रथम संस्करण, 1978।

10 मिश्र, पी.डी., मिश्र, बीना, असामान्य व्यवहार, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, 1982।

11 सिंह, अरूण कुमार, सरल विकासात्मक एवं सामान्य मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली मुम्बई, चन्नई, कलकत्ता, बैंगलोर, वाराणसी, पुने, पटना, द्वितीय संशोधन संस्करण, 1997।

12 सिंह, अरूण कुमार, सिंह, आशिष कुमार, व्यक्तित्व का मनोविज्ञान, मोतीलाल, बनारसीदास, बंगलो रोड़, दिल्ली–110007, प्रथम संस्करण, 2000।

13 सिंह, अरूण कुमार, आधुनिक असामान्य मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली मुम्बई, चैन्नई, कलकत्ता, बैंगलोर, वाराणसी, पुणे, पटना, प्रथम संस्करण 2001।

14 सिंह अरूण कुमार, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, मोतीलाल, बनारसीदास, बंगलो रोड़, दिल्ली–110007, प्रथम संस्करण 2002।

15 डॉ. श्रीवास्तव, अजय कुमार, मनोविकृति विज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा–2, प्रथम संस्करण, 2003–2004।

16 डॉ. वर्मा, प्रीति, डॉ श्रीवास्तव, डी.एन., आधुनिक सामान्य मनोविज्ञान, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा–7, 15वां संस्करण, 2007–2008

Semester II

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory & Practical	Total
BBOA 212MJ	FUNDANMENTALS OF IT – II	C	Core Course (CC)	4	30	50+20	100

Objective:

This paper is intended to be the first basic course for the students of Information Technology. The main objectives of this course are

- Students will be introduced and Exposed to using Spread Sheet Software.
- Students will be exposed to internet and cyber security concepts .

Unit I

Using Spread Sheets: Introduction: Elements of Electronic Spread Sheet, Opening of Spread Sheet, Addressing of Cells, Printing of Spread Sheet, Saving Workbooks, Manipulation of Cells, Entering Text, Numbers and Dates, Creating Text, Number and Date Series, Editing Worksheet Data, Inserting and Deleting Rows, Column, Changing Cell Height and Width, Formulas and Function, Using Formula, Function

Unit II

Introduction to Internet, www and web browsers: Introduction, Basic of Computer Networks, Local Area Network (LAN), Wide Area Network (WAN), Internet, Concept of Internet, Applications of Internet, Connecting to the Internet, Troubleshooting, World Wide Web (WWW), Web Browsing Software, Popular Web Browsing Software, Search Engines, Popular Search Engines / Search for content, Accessing Web Browser, Using Favorites Folder, Downloading Web Pages, Printing Web Pages, Understanding URL, Surfing the web, Using e-governance website

Unit III

Communications and Collaboration: Introduction, Basics of E-mail, What is an Electronic Mail, Email Addressing, Using E-mails, Opening Email account, Mailbox: Inbox and Outbox, Creating and Sending a new E-mail, Replying to an E-mail message, Forwarding an E-mail message, Sorting and Searching emails, Document collaboration, Instant Messaging and Collaboration, Using Instant messaging, Instant messaging providers, Netiquettes

Unit IV

Cyber Security, Introduction to Cyber Security, Basic Cyber Security Concepts, Layers of security, Vulnerability &Threats, Harmful acts, -active attacks, passive attacks, Software attacks, hardware attacks, Cyber Threats-Cyber Warfare, Cyber Crime, Cyber terrorism, Cyber Espionage, etc., Comprehensive Cyber Security Policy

Outcome:

- Students will apply the knowledge of IT practically in their day to day life and use internet effectively.
- Students will be able to use and send email.
- Students will be able to create excel sheets.

Reference Books/Website

1. http://www.gcflearnfree.org/office
2. http://www.lynda.com/Windows-Live-Movie-Maker-training-tutorials/259-0.html
3. http://www.tutorialspoint.com/computer_fundamentals/index.htm
4. Rapidex computer course by Pustak Mahal Editorial BBOArd, Unicorn Books,2012
5. Fundamentals of computers (English) Ist Edition by Reema Thareja, Oxford University Press, 2014

Practical:

- Creation of Simple Worksheet like Mark sheet , Pay slip using MS-Excel
- General use of internet

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 213MJ	PSYCHOLOGY (SOCIAL PSYCHOLOGY)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester – II

Objective :

1. To enable students to appreciate how individual behavior is influenced by social and cultural contexts.
2. To enable students to develop an understanding of functioning of organizations.
3. To understand how social problems can be analyzed in terms of various social psychological theories.

Unit-I :

Introduction :

Meaning & nature of social psychology

Goals and scope of social psychology

Methods of social psychology: Experimental and participant observation.

Unit-II :

Attitudes :

Nature and function of attitudes

Formation of attitude

Change and measurement of attitudes.

Unit-III :

Groups Behavior:

Meaning & definition of group

Distinction between Primary and Secondary group

Methods of studying group structure.

Unit-IV :

Leadership :

Meaning and nature of leadership

Types or styles of leader

Theories of leadership: trait theory, situational theory and fiedler's contingency theory.

Objective :

1. Students develop an understanding of functioning of organizations.
2. Student understand about the problem of various social psychological theories.

Note :- The department may change the practical depending on the availability of the apparatus and recent developments.

BOOKS

1. Baron, R.A. & Byrne, D. (1998). Social Psychology : Theories, research and application. New York : Mc Graw Hill.
2. Semin, G.R. & Fiedler, K. (Eds.) (1996). Applied Social Psychology, London: Sage.
3. Suleiman, M., Adhunik Samaj Merovingian.
4. Tripathi, L.B., Samaj Manovigyan.
5. Rastogi, G.D., Samaj Manovigyan.

PRACTICALS (Any Three)

1. Measuring the level of cooperation and competition.
2. Measuring transfer of training.
3. Measuring illusion.
4. Measuring self confidence.
5. Measuring the level of emotional intelligence.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 214MJ	इतिहास (भारतीय संस्कृति के मूलाधार)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER–**II**

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की विशेषताओं से परिचित करवाना।
2. बौद्ध एवं जैन धर्म के सिद्धान्तों एवं शिक्षाओं को समझाना।
3. वर्ण, आश्रम, पुरुषार्थ, संस्कार आदि के महत्त्व को समझाना।
4. कालिदास, तुलसीदास, राजाराममोहनराय, महात्मा गांधी, आचार्य तुलसी, आदि की उपलब्धियों से परिचित करवाना।

इकाई–1

भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताएं, सिंधु धर्म की मुख्य विशेषताएं, भगवान महावीर का जीवन परिचय एवं प्रमुख शिक्षायें, महात्मा गौत्तम बुद्ध का जीवन एवं शिक्षाएं। वैदिक धर्म की मुख्य विशेषताएं।

इकाई–2

वर्ण व्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, पुरुषार्थ चतुष्टय, 16 संस्कार–उपनयन एवं विवाह संस्कार के विशेष संदर्भ में, प्राचीन काल में शिक्षा के केन्द्र– तक्षशिला और नालन्दा। रामायण एवं महाभारतकालीन भारतीय संस्कृति।

इकाई–3

कालीदास एवं तुलसीदास का जीवन एवं उनकी रचनाएँ। मौर्यकालीन कला की मुख्य विशेषताएं, गुप्तकालीन मन्दिर स्थापत्य कला एवं प्रमुख मंदिर, जैन कला की विशेषताएं। मुगल स्थापत्य एवं राजपुत चित्रकला की प्रमुख विशेषताएं।

इकाई–4

भक्ति आंदोलन और उसका भारतीय संस्कृति पर प्रभाव, महात्मा गांधी का अहिंसा एवं सत्याग्रह की विचारधारा। आचार्य तुलसी का जीवन परिचय एवं उनके सामाजिक, सांस्कृतिक विचारों का योगदान। आर्य समाज एवं ब्रह्म समाज का प्रमुख सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में योगदान।

उपलब्धियाँ

1. विद्यार्थी भारतीय संस्कृति की विशेषताओं को समझकर उनको आत्मसात् कर अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकेंगे।
2. बौद्ध और जैन धर्म की शिक्षाओं को समझकर उनको अपने जीवन में अपनाकर अपने व्यक्तित्व का विकास एवं आदर्श समाज की स्थापना में योगदान कर पायेंगे।
3. कालिदास, तुलसीदास, राजाराममोहनराय, आचार्य तुलसी, रविन्द्रनाथ टैगोर आदि के जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर पायेंगे।

पाठ्यपुस्तक/संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय संस्कृति के मूलाधार–शर्मा एवं व्यास, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
2. भारतीय संस्कृति का इतिहास–कालीशंकर
3. भारतीय कला–के.डी. वाजपेयी
4. भारतीय कला–वासुदेव शरण अग्रवाल, पृथ्वी प्रकाशन, वाराणसी
5. भारतीय संस्कृति–एस.एल. नागौरी, बोहरा प्रकाशन, जयपुर

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory+ Practical	Total
BBOA 215MJ	Geography (Geography of Rajasthan)	C	Core Course (CC)	4	30	50+20	100

*** Note – Stencils and simple calculator are permitted in theory and practical examination.**

Semester II

Objectives-

1. To providethorough knowledge of Rajasthan.

Unit-I

a) Location
b) Geology
c) Physiography
d) Climate
e) Soil

Unit-II

a) Natural Vegetation & Wildlife
b) Water Resources: Rivers, Lakes, Ponds, Wells, Tubewells, Canals and Dams
c) Mineral Resources: Types, Distribution and Production of Copper, Zinc, Lead, Tungsten, Gypsum, Rock Phosphate
d) Energy Resources: Types, Distribution and Production Wind Energy, Solar Energy, Nuclear Energy, Thermal Energy

Unit- III

a) Agriculture Resources: Types, Distribution and Production of Major Crops
b) Human Resources: Population Growth, Distribution General and Category(Rural- Urban,Male-Female, Literacy, Occupation, ST-SC-OBC population)
c) Industrial Development under five-year policies
d) Industries: Introduction,Factors, Distribution, Production and Trade of Textile, Salt, Cement, Marble, Fertilizer, Zinc and Copper Smelting and Tourism

Unit - IV

a) Transport: Roads, Rails, Airways
b) Programmes: Desert Development Programme, Tribal Area Development Programme, Aravali Hill Development Programme
c) Tribes: All tribes of Rajasthan

Practical

a) Weather symbols and Interpretation of Indian Weather Maps
b) Weather Instruments:Temperature, Humidity, Atmospheric Pressure, Wind's direction and speed & Precipitation Measuring Instruments (with labeled diagram)
c) Hythergraph, Climograph, Climatograph& Water Budget
d) Knowledge of Surveying: Meaning, Classification and Significance
e) Chain and Tape Surveying:Equipments, Open and Closed Traverse

Outcomes -

1. To get sensitized about climatic conditions and adapt accordingly.
2. Optimum and thoughtful utilization of available resources (Natural & Human).
3. Gain awareness about various Industries of Rajasthan.

Suggested Reading :

1 डॉ एच.एम. सक्सेना, राजस्थानकाभूगोल, राजस्थानहिन्दीग्रंथअकादमी, जयपुर 2015
2 टी.एस. चौहान,राजस्थानकाभूगोल, श्रीउदयरामचौहान, विज्ञानप्रकाशन, नागौरियोंकाबास, गलीनं. 01, जोधपुर
3 आर.एस. भल्ला,राजस्थानकाभूगोल, कुलदीपपब्लिकेशन, जयपुर।
4 आर.के. गुर्जर, इन्दिरागांधीनहर क्षेत्र काभूगोल, राजस्थानहिन्दीग्रंथअकादमी, जयपुर।

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 216MJ	Jainology (जैन तत्त्व मीमांसा)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER-II

उद्देश्य–

1. द्रव्य, गुण एवं पर्याय की जानकारी प्राप्त करना।
2. जैन तत्त्व मीमांसा का परिचय देना।
3. पुद्गल, परमाणु की अवधारणा समझाना।
4. जीव के स्वरूप एवं प्रकार को समझना।

इकाई–1 तत्त्व का स्वरूप, तत्त्व के प्रकार, तत्त्व चिन्तन का लक्ष्य, अस्तिकाय

इकाई–2 द्रव्य, गुण, पर्याय का स्वरूप, भेद एवं संबंध

इकाई–3 जीव स्वरूप, जीव सिद्धि, जीव के प्रकार विभिन्न दृष्टि से

इकाई–4 पुद्गल का स्वरूप, भेद, अवस्थाएं, जीव एवं पुद्गल का सम्बन्ध, पुद्गल, परमाणु

उपलब्धियाँ–

1. द्रव्य, गुण एवं पर्याय की जानकारी प्राप्त होगी।
2. जैन तत्त्वों की जानकारी होगी।
3. पुद्गल, परमाणु की अवधारणा का ज्ञान होगा।
4. जीवनोपयोगी तत्त्वों की जानकारी प्राप्त होगी।

पाठ्यपुस्तक / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. जैन तत्त्व विद्या, डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं
2. उत्तरज्झयणाणि, सं. आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
3. तत्त्वार्थसूत्र, आचार्य उमास्वाति
4. जैन दर्शन : मनन और मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, आदर्श साहित्य संघ, चूरू
5. जीव–अजीव, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
6. जैन सिद्धान्त दीपिका, आचार्य तुलसी, जैन विश्व भारती, लाडनूं
7. जैन तत्त्व विद्या, आचार्य तुलसी, जैन विश्व भारती, लाडनूं
8. जैनतत्त्वमीमांसा और आचार मीमांसा, प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा, जैन विश्व भारती, लाडनूं

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 217MJ	Jain and other Philosophoies (भारतीय दर्शन)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER-II

उद्देश्य–

9. भारतीय दर्शनों का संक्षिप्त परिचय देना।
10. उनके प्रमुख सिद्धान्तों की जानकारी देना।

इकाई–1 भारतीय दर्शन एवं विशेषताए, **चार्वाक दर्शन** – प्रमाण मीमांसा, नीति मीमांसा

इकाई–2 **जैन दर्शन**– द्रव्य विचार, अनेकान्तवाद, स्याद्वाद

बौद्ध दर्शन –प्रतीत्यसमुत्पाद, अनात्मवाद, क्षणिकवाद, हीनयान–महायान

इकाई–3 **सांख्य दर्शन** – सत्कार्यवाद, प्रकृति, पुरुष, सृष्टिवाद, **योग दर्शन** – अष्टांग योग, ईश्वर

न्याय दर्शन – सोलह पदार्थ, प्रमाण विचार, **वैशेषिक दर्शन** – सात पदार्थ, परमाणुवाद

इकाई–4 **मीमांसा दर्शन**– प्रमाण विचार, स्वतः प्रामाण्यवाद, **वेदान्त दर्शन** (शंकर एवं रामानुज) अद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद, मायावाद, ब्रह्मवाद

उपलब्धियां–

1. भारतीय दर्शन की विशेषताओं से परिचित होंगे।
2. भारतीय दर्शन की आस्तिक एवं नास्तिक परम्परा का ज्ञान होगा।
3. नास्तिक परम्परा में चार्वाक जैन, बौद्ध के समस्त सिद्धान्तों का ज्ञान होगा।
4. आस्तिक परम्परा के सांख्य योग न्याय वैशेषिक मीमांसा एवं वेदान्त के सिद्धान्तों का ज्ञान होगा।
5. जीव, जगत एवं ईश्वर संबंधी सिद्धान्तों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. भारतीय दर्शन– दत्ता एवं चटर्जी
2. भारतीय दर्शन– बलदेव उपाध्याय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. षड्दर्शन समुच्चय– आचार्य हरिभद्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. सर्वदर्शन संग्रह– माधवाचार्य (हिन्दी टीका– प्रो. उमाशंकर शर्मा 'ऋषि')
5. वेदान्तसार– सदानन्द
6. न्याय सूत्र
7. भारतीयदर्शन, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, यूनिवर्सिटी बुक हाउस, जयपुर

Foundation Course in Computers

Course Code	Course Title	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory+ Practical	Total
BJVB201SE	BASICS OF COMPUTER	skill	4	30	50+20	100

Semester-II

Objective:

This paper is intended to be the first basic course for the students of Information Technology. The main objectives of this course are;

1. It will expose the students to the fundamentals of the IT
2. Students will be having the introductory knowledge of the MS-Windows
3. Practically students will be able to use MS-PowerPoint and MS-Word.
4. It will expose the students to concept of Internet an Cybersecurity

Unit I

Word Processing: Introduction, Word Processing Basics, Menu Bar, Using The Icons Below Menu Bar, Opening and closing Documents, Opening Documents, Save and Save as, Page Setup, Print Preview, Document Creation, Editing Text, Text Selection, Cut, Copy and Paste, Spell check, Thesaurus, Formatting the Text, Font and Size selection, Alignment of Text, Paragraph Indenting, Bullets and Numbering, Changing case, Table Manipulation, Draw Table, Changing cell width and height, Alignment of Text in cell, Delete / Insertion of row and column, Border and Shading

Unit II

Presentations, Introduction, Basics, Using PowerPoint, Opening A PowerPoint Presentation, Saving A Presentation, Creation of Presentation, Creating a Presentation Using a Template, Creating a Blank Presentation, Editing Text, Preparation of Slides: Inserting Word Table or an Excel Worksheet, Adding Clip Art Pictures, Inserting Other Objects, Resizing and Scaling an object, Presentation of Slides: Viewing, Choosing a set up for Presentation, Slide Show, Running a Slide Show, Transition and Slide Timing, Automating Slide Show

Unit III

Using Spread Sheets, Introduction, Opening of Spread Sheet, Addressing of Cells, Printing of Spread Sheet, Saving Workbooks, Manipulation of Cells, Entering Text, Numbers and Dates, Creating Text, Number and Date Series, Editing Worksheet Data, Inserting and Deleting Rows, Column, Changing Cell Height and Width, Formulas and Function, Using Formula, Function

Unit IV

Introduction to Internet & Cyber Security : Basics of Computer Networks, LAN, WAN, Internet, Applications of Internet, Connecting to the Internet, World Wide Web (WWW), Web Browsing Software, Search Engines, Downloading Web Pages, Understanding URL, Surfing the web, Basics of E-mail, Email Addressing,

Cyber Security: Layers of security, Vulnerability &Threats, Harmful acts, active attacks, passive attacks, Software attacks, hardware attacks, Cyber Threats, Cyber Crime, Cyber terrorism, Cyber Espionage, etc., Introduction to Indian Cyber Law.

Outcome:

- Students will apply the knowledge of IT practically in their day to day life.
- Students will be able to work on computers comfortably.
- Students will be able to create well formatted documents and attractive presentations.
- Students will be able to create spreadsheets
- Students will be well versed with concept of Internet & Cyber Security

Reference Books/Website

1. http://www.tutorialspoint.com/computer_fundamentals/index.htm
2. http://www.gcflearnfree.org/office
3. Rapidex computer course by Pustak Mahal Editorial BBOArd, Unicorn Books,2015
4. Fundamentals of computers (English) Ist Edition by Reema Thareja, Oxford University Press, 2019

Practical

- General use of Windows Operating System
- Creating document in MS-Word like Advertisement, Letter, Tables, Mail Merge etc
- Creating presentations in power point.
- Creation of Simple Worksheet like Mark sheet , Pay slip using MS-Excel
- General use of internet

Semester - II

Course Code	Course Title	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BJVB202ID	जैन संस्कृति एवं जीवन मूल्य (अनिवार्य पत्र)	Interdisciplinary	4	30	70	100

उद्देश्य–

1. जैन संस्कृति एवं भगवान महावीर का परिचय देना
2. जैन सिद्धान्तों का परिचय देना।
3. जीवन मूल्यों का प्रायोगिक प्रशिक्षण देना।

इकाई–1 : जैन संस्कृति एवं इतिहास

1. जैन धर्म और उसकी प्राचीनता
2. भगवान महावीर : जीवन दर्शन
3. जैन धर्म के प्रमुख सम्प्रदाय
4. जैन संस्कृति की विशेषताएँ
5. शाकाहार

इकाई–2 : जैनदर्शन के सिद्धांत

1. आत्मवाद
2. कर्मवाद
3. लोकवाद
4. नौ तत्त्व

इकाई–3 : जीवन विज्ञान

1. जीवन विज्ञान : एक परिचय
2. जीवन विज्ञान के सात अंग
3. जीवन विज्ञान में निर्धारित सोलह मूल्य
4. मूल्य विकास की प्रक्रिया : अनुप्रेक्षा

इकाई –4 : जीवन मूल्य

1. अनेकांत और उसके व्यवहारिक प्रयोग
2. अहिंसा का स्वरूप और जीवनशैली में अहिंसा
3. अणुव्रत आंदोलन और आचार संहिता
4. प्रेक्षाध्यान और उसके अंग

उपलब्धियाँ–

1. जैन संस्कृति से परिचित होंगे।
2. जैन साहित्य और सिद्धान्तों से परिचित होंगे।
3. जैन जीवन शैली से मूल्यों का विकास होगा।

प्रायोगिक–

- आसन–ताड़ासन, त्रिकोणासन, शंशाकासन, पवनमुक्तासन, भुजंगासन
- प्राणायाम–अनुलोम–विलोम
- मुद्रा–ज्ञानमुद्रा, वायुमुद्रा
- ध्वनि– महाप्राण ध्वनि
- ध्यान–कायोत्सर्ग (संक्षिप्त), अर्न्तयात्रा, दीर्घश्वासप्रेक्षा, ज्योतिकेन्द्र प्रेक्षा,
- अनुप्रेक्षा–सहिष्णुता

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

- जैन संस्कृति एवं जीवनमूल्य, भाग 1, 2, 3, आचार्य समणी ऋजुप्रज्ञा, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ
- जैन दर्शन मनन एवं मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ,आदर्श साहित्य संघ, चुरू

Semester III

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assessment)	Theory + Practical	Total
BBOA 301MJ	Agam Vidya Evam Prakrit Sahitya	(Only One Course From Each Group) A	**Core Course (Any One)**	**4**	**30**	**70**	**100**
BBOA 302 MJ	Non-violence & Peace						
BBOA 303 MJ	Hindi Literature						
BBOA 304 MJ	English Literature						
BBOA 305 MJ	Rajasthani Literature						
BBOA 306MN	Any One 1. Sanskrit Literature (Kalu Komudi)	**B**	**Core Course (Any One)**	**4**	**30**	**70**	**100**
BBOA 307MN	2. Sanskrit Literature (Ladhu Sidhant Komudi)						
BBOA 309MN	Political Science						
BBOA 310MN	Yoga & Science of Living					**50+20**	
BBOA 311MN	Social Work					**70**	
BBOA 312MJ	Information Technology	**C**	**Core Course (Any One)**	**4**	**30**	**50+20**	**100**
BBOA 313MJ	Psychology					**50+20**	
BBOA 314MJ	History					**70**	
BBOA 315MJ	Geography					**50+20**	
BBOA 316MJ	Jainology					**70**	
BBOA 317MJ	Jain and other philosophies						
BJVB301AE	General English		**AEC**	**4**	**30**	**70**	**100**
BJVB302ID	Ahimsha & Anuvrati		**Interdisiplanry**	**4**	**30**	**50+20**	**100**
						280	**400**

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 301MJ	**आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य (प्राकृत व्याकरण एवं साहित्य)**	**A**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER **–III**

उद्देश्य–

1. शब्द रूप प्रक्रिया, कारक एवं स्त्री प्रत्यय प्रकरण समझाना।
2. वाक्य बनाने का अभ्यास करवाना।
3. पाइयगज्जसंगहो पढ़ाना।
4. उत्तराध्ययन (3,4,8) आगम का अध्ययन करवाना।

इकाई–1 : तुलसी मंजरी (सूत्र 394 से 577)

(1) रूप सिद्धि

(2) सूत्र तथा पंक्ति व्याख्या

(3) शब्द रूप (संदर्भित सूत्रों के आधार पर)

(4) धातु रूप (संदर्भित सूत्रों के आधार पर)

(5) धात्वादेश

इकाई–2 : प्राकृत स्वयं शिक्षक (पाठ 21–35)

(1) हिन्दी से प्राकृत और प्राकृत से हिन्दी अनुवाद करना

इकाई–3 : पाइयगज्जसंगहो (सम्पूर्ण)

(1) सप्रसंग अनुवाद

(2) आलोचनात्मक प्रश्न

(3) व्याकरणात्मक टिप्पणियां

(4) शब्दार्थ

(5) लघुत्तरात्मक प्रश्न (प्राकृत में उत्तर दिये जायें)

इकाई–4 : उत्तराध्ययन (अध्ययन–3, 4, 8)

(1) सप्रसंग व्याख्या

(2) आलोचनात्मक प्रश्न

(3) शब्दार्थ

उपलब्धियाँ–

5. शब्द रूप, कारक, स्त्री प्रत्यय को समझकर इनका सम्यक् प्रयोग करेंगे।
6. वाक्य प्रयोग से प्राकृत में रचना धर्मिता का विकास होगा।
7. कथा के माध्यम से शब्द प्रयोग, प्राकृत संभाषण का अभ्यास होगा एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचय होगा।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थ :

1 प्राकृत प्रबोध–डॉ. नेमीचन्द्र शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी 1965
2 प्राकृत प्रवेशिका–(Translation of Introduction to Prakrit) बनारसदास जैन, ओरियण्टल बुक्स रिप्रिंट कॉरपोरेशन, दिल्ली 1968
3 प्राकृत मार्गोपदेशिका–पं. बेचरदास जीवराज दोषी, मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली 1968
4 प्राकृत व्याकरण (सिद्धहेमशब्दानुशासनम्–आचार्य हेमचन्द्रकृत) संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित, व्याख्याकार–ज्ञानमुनि, प्रकाशन–आचार्यश्री आत्माराम जैन मॉडल स्कूल, दिल्ली 1974
5 प्राकृत व्याकरण (अंग्रेजी)–हेमचन्द्र, प्रकाशक भण्डारकर ओरियण्टल शोध संस्थान, पूना 1980
6 प्राकृत गद्य सोपान–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 1982
7 प्राकृत काव्य मंजरी–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 1982
8 प्राकृत स्वयं शिक्षक–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 1982
9 तुलसी मंजरी–युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं 1983
10 पाइयगज्जसंगहो–संपादक –डॉ. राजाराम जैन, प्राच्य भारती प्रकाशन, आरा 1987
11 भाग–1, उत्तरज्झयणाणि जैन विश्वभारती, लाडनूं
12 प्राकृत प्रवेशिका–डॉ. कोमलचंद जैन, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी 1989
13 प्राकृत वाक्य रचना बोध–युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं 1991
14 प्राकृत कथा साहित्य परिशीलन–डॉ. प्रेमसुमन जैन, संधी प्रकाशन, जयपुर 1992
15 प्राकृत साहित्य का इतिहास–डॉ. जगदीशचन्द्र जैन, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी 1995
16 प्राकृत रचना सौरभ–डॉ. के.सी सोगानी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
17 प्राकृत रचना अभ्यास–डॉ. के.सी सोगानी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
18 प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास–डॉ. नेमीचन्द शास्त्री, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी
19 प्राकृत कथा साहित्य–डॉ. जगदीशचन्द्र जैन
20 उत्तराध्ययनसूत्र एक समीक्षात्मक अध्ययन–युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं
21 उत्तराध्ययनसूत्र एक परिशीलन–डॉ. सुदर्शनलाल जैन, प्रकाशक पार्श्वनाथ विद्याश्रम, वाराणसी

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 302MJ	अहिंसा और शांति (अहिंसा और शांति–भारतीयेतर दृष्टि -I)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER–**III**

उद्देश्य–

1. विभिन्न विचारकों के अहिंसा और शांति के चिन्तन को समझाना।
2. पाश्चात्य धर्मों में अहिंसा को बताना।
3. भारतीय विचारकों को भी समझना।

इकाई–1 यहूदी धर्म ग्रन्थ में अहिंसा एवं शांति

इकाई–2 ईसाई धर्म ग्रन्थ में अहिंसा एवं शांति

इकाई–3 इस्लाम धर्म ग्रन्थ में अहिंसा एवं शांति

इकाई–4 प्रमुख विचारक मार्क्स, हेनरी डेविड थोरो, मार्टिन लूथर किंग

उपलब्धियाँ–

1. भारतीय एवं पाश्चात्य चिंतकों की विचारधारा को जानने से तुलनात्मक दृष्टि का विकास होगा।
2. पाश्चात्य दर्शन को जानने का अवसर मिलेगा।
3. जैन दर्शन की सूक्ष्म अहिंसा को भी समझेंगे।

पाठ्य पुस्तकें

1 सामान्य धर्म दर्शन–याकू मसीह,

2 जैनधर्म में अहिंसा–वशिष्ट नारायण सिन्हा

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 303MJ	हिन्दी साहित्य (रीति काव्य)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER – III

उद्देश्य –

1 रीतिकालीन काव्य एवं कवियों से परिचित करवाना।
2 रीतिकालीन काव्य के विभिन्न रुपों की जानकारी करवाना।
3 रीतिकालीन कवियों की काव्य शैली से परिचित करवाना।

इकाई I

1. **रीतिकालीन काव्य का इतिहास** –नामकरण, सीमा निर्धारण, प्रवर्त्तक, प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख कवि एवं उनकी रचना, काव्य धाराएँ, काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ/विशेषताएँ।
2. केशवदास– कवि परिचय, (सरस्वती वंदना, राम वंदना, लंका हनुमान गमन, सीता दर्शन, सीता हनुमान संवाद, हनुमान रावण संवाद, हनुमान राम चर्चा)

इकाई II

1. बिहारी (दोहा सं.–1,2,4,8,9,11,14,15,16,17)
2. धनानन्द
3. देव – जीवन सारसुधा
4. इकाई में निर्धारित कवियों का सामान्य परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ।

इकाई III

1. सेनापति (राम वंदना, ऋतु वर्णन, श्रृंगार वर्णन)
2. भूषण (शिवाजी शौर्य, छत्रशाल प्रताप वर्णन)
3. मतिराम (दानवीर महिमा, प्रकृति वर्णन)
4. इकाई में निर्धारित कवियों का सामान्य परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ।

इकाई IV

1. वृन्द (वृन्द सतसई के पाठ्यपुस्तक में चयनित अंश)
2. रस निष्पत्ति
3. काव्य रीतियाँ (गौड़ी, वैधर्भी, पांचाली)
4. नायक नायिका भेद
5. इकाई में निर्धारित कवि का सामान्य परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ।

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी रीतिकालीन भाषा की कलात्मकता की गहराई को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी श्रृंगारिक रचनाओं के पाठक बन कर स्वयं श्रृंगार रंस लेखन का प्रयास कर सकेंगे।

पाठ्यपुस्तक :

1. रीतिकालीन काव्य साहित्य, कैलाश भट्ट, सम्पादक–प्रो. नन्दलाल कल्ला, प्रकाशक–जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय), लाडनूं

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– संपादक, डॉ नगेन्द्र, डॉ हरदयाल, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई।
4. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, (प्रथम एवं द्वितीय खण्ड), डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
5. हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ मिश्र
6. रीति काव्य की भूमिका – डॉ नगेन्द्र

Course Code	Course Title	Croup	Course Category	Credit	C.I.Acontinuous Internal Assessment	Theory	Total
BBOA 304MJ	English Literature (Poetry and Drama)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester III

Objectives:

1- To enable the students to understand poems.

2- To familiarize them with Romantic and Victorian Poetry, Indian Poetry and Drama.

3- To acquaint them with some literary terms of these genres.

Unit-I : Alan Mc. Connell Duff : Tiger's Eye..OUP. **20**

Unit-II : Poems from Poet's Pen. Homi p. Dustoor. Oxford University Press, New Delhi **20**

Matthew Arnold: Dover Beach

William Wordsworth : To A Skylark

Robert Browning : Prospice

Alfred Tennyson : Ulysses

Thomas Hardy : Weathers

Unit-III : Poems from Indian Poetry in English **15**

Gieve Patel : Servants

Adil Jussawalla : A Bomb-site

Mamta Kalia : Tribute to Papa

Parthasarthy: Lines for a Photograph-R.

Arun Kolatkar : Irani Restaurant Bombay

Unit IV: Literary Terms: Elegy, Sonnet, Ode, Epic, Dramatic Monologue, Comedy, Soliloquy, Aside.

Outcomes:

1- The students can understand the changing nature of Literature through ages.
2- They will become familiar with various forms of verse and dramatic art.

Suggested Reading:

1. Abrams, M.H. *Glossary of Literary Terms*. India, Macmillan Publishers, 2000.
2. Prasad, B. A *Background to the Study of English Literature*. Macmillan, 2004.
3. Poet's Pen. Homi p. Dustoor. Oxford University Press, New Delhi.
4. *Paper I (Poetry*) Jain Vishva Bharti University, Ladnun.
5. Abraham, M. H. A *Glossary of Literary Terms*. MacMillan, New Delhi.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 305MJ	राजस्थानी (मध्यकालीन राजस्थानी काव्य)	A	Core Course(CC)	4	30	70	100

सेमेस्टर–III : मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

अध्ययन क्षेत्र

1. मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियां, प्रवृत्तियां
2. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य परंपरा : प्रमुख विधाएं बात, ख्यात, विगत, वंशावली, पट्टावली, गुर्वावली, हकीकत, टीका, टिप्पण, बालावबोध, वचनिका, दवावैत पट्टा, परवाना, टब्बा आदि।
3. विभिन्न गद्य विधाओं का तुलनात्मक अध्ययन यथा वात–ख्यात, वचनिका–दवावैत, टीका–टब्बा
4. राजस्थानी वात एवं ख्यात परंपरा का विशिष्ट अध्ययन।

इकाई प्रथम : मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य परंपरा एवं गद्य साहित्य परंपरा का विशेष अध्ययन।

इकाई द्वितीय : राजस्थानी वात संग्रह : सं. डॉ मनोहर शर्मा से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न : चयनित वातों के आधार पर

इकाई तृतीय : चौबोली : सं. कन्हैयालाल सहल

इकाई चतुर्थ : संबंधित पाठ्यपुस्तकों से संप्रसंग व्याख्या

इकाई पंचम : किसी एक विकल्प का चयन

(अ) मध्यकालीन राजस्थानी गद्य विधाओं का सामान्य परिचय एवं तुलनात्मक अध्ययन।

(ब) राजस्थानी वचनिका एवं दवावैत परंपरा का विस्तृत अध्ययन।

पाठ्यपुस्तकें

1. राजस्थानी वात संग्रह : सं. डॉ. मनोहर शर्मा, श्रीलाल नथमल जोशी, प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली (निर्धारित वात : सातल सोम री वात, जैसे सरवहिये रीं वात, हाडै सूरजमल नाराइण दासोतरी वात, सयणी चारणी री वात, राजाभोज माघ पिंडत अर डोकरी री वात, सांखले कंवरसी नै भरमल री वात, वीजड़–वीजोगण री बात, अकल री वात)।
2. चौबोली : सं. कन्हैयालाल सहल, प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1. राजस्थानी बात साहित्य : डॉ पूनम दईया–राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर
2. राजस्थानी भाषा साहित्य संस्कृति : डॉ कल्याणसिंह शेखावत, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ मोतीसिंह मेनारिया
4. प्राचीन काव्य रूप परंपरा : अगरचन्द नाहटा

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 306MJ	संस्कृत (संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य) (कालू कौमुदी)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

- विद्यार्थी BBOA 306 अथवा 307 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

SEMESTER–**III (Minor)**

उद्देश्य–

1. शब्दों के स्त्रिलिंगी प्रत्ययों का ज्ञान करवाना।
2. तद्धित शब्दों की विधि सीखाना।
3. नाटक एवं महाकाव्य की शैली का अवबोध करवाना।

इकाई 1 : कालू कौमुदी पूर्वार्द्ध–समास प्रकरण (सूत्र 393 से 513)

समास प्रकरण
(क) सूत्रार्थ
(ख) रूपसिद्धि
(ग) प्रकृति–प्रत्यय

इकाई 2 : वाक्य रचना बोध (30 से 37 पाठ)

(क) संस्कृत से हिन्दी अनुवाद
(ख) हिन्दी से संस्कृत अनुवाद
(ग) शब्दार्थ

इकाई 3. (क) रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग)

1. सप्रसंग व्याख्या
2. आलोचनात्मक प्रश्न

(ख) स्वप्नवासदत्तम् (सम्पूर्ण)

1. सप्रसंग व्याख्या
2. आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4. अभिधान चिन्तामणि (छठा काण्ड, श्लोक 61 से 90)

उपलब्धियाँ–

1. समास के विभिन्न रूपों की जानकारी होगी।
2. नाटक पठन से संभाषण कला का ज्ञान होगा।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थ :

1. स्वप्नवासदत्तम्, महाकवि भास, व्याख्याकार डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर, 2006
2. रघुवंशम् द्वितीय सर्ग–महाकवि कालिदास संपादक–डॉ. रविकान्तमणि, हंसा प्रकाशन, जयपुर, 2007
3. कालू कौमुदी, आदर्श साहित्य संघ, चूरू
4. वाक्य रचना बोध, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं
5. अभिधान चिन्तामणि नाममाला, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. संस्कृत वाक्य रचना बोध, लेखक–आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
7. सरल वाक्य रचना बोध, मुनि श्री श्रीचंद, जैन विश्व भारती, लाडनूं
8. अनुवाद चन्द्रिका, डॉ. ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
9. व्याकरण रचनानुवाद, डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
10. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी – बी.एस. आप्टे

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 307MN	संस्कृत (संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य) (लघुसिद्धान्त कौमुदी)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

- विद्यार्थी BBOA 306 अथवा 307 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

SEMESTER–**III**

उद्देश्य–

1. नाटक एवं महाकाव्य की शैली का अवबोध करवाना।
2. कारक से शब्दरूप की विभक्तियों का ज्ञान करवाना।
3. समास के द्वारा शब्दों के निर्माण की विधि सीखाना।

इकाई 1. लघुसिद्धांतकौमुदी

क. कारक प्रकरण (सूत्र 888 से 903 तक)
ख. समास प्रकरण (सूत्र 904 से 993 तक)
ग. तद्धित प्रकरण (चातुरर्थिका तक) (सूत्र 994 –1064 तक)

इकाई 2. रचनानुवाद कौमुदी (पाठ 21 से 30)

इकाई 3. रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) एवं स्वप्नवासदत्तम्

रघुवंशम्

1. चरित्र चित्रण
2. श्लोकार्थ

स्वप्नवासदत्तम् (सम्पूर्ण)

1. चरित्र चित्रण
2. अनुवाद
3. कथा सारांश

इकाई–4. अभिधान चिन्तामणि (छठा काण्ड, श्लोक 61 से 90)

उपलब्धियाँ–

1. नाटक पठन से संभाषण कला का ज्ञान होगा।
2. विभक्ति संबंधी ज्ञान में अशुद्धि नहीं रहेगी।
3. श्लोक रचना आदि में समास का कार्यकारी ज्ञान होगा।

पाठ्य पुस्तक/संदर्भ ग्रन्थः

1. स्वप्नवासदत्तम्, महाकवि भास, व्याख्याकार डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर, 2006
2. रघुवंशम् द्वितीय सर्ग–महाकवि कालिदास संपादक–डॉ. रविकान्तमणि, हंसा प्रकाशन, जयपुर, 2007
3. लघु सिद्धान्त कौमुदी, श्रीवरदाजकृत, संपादक–महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्या भवन, दिल्ली
4. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, आचार्य विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अभिधान चिन्तामणि नाममाला, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. लघु सिद्धान्त कौमुदी, महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्या भवन, दिल्ली
7. लघु सिद्धान्त कौमुदी, टीकाकार–राजेन्द्र चौधरी, रामनारायण वेणीप्रसाद, इलाहाबाद
8. लघु सिद्धान्त कौमुदी, भैमी व्याख्या, आचार्य भीमसेन शास्त्री
9. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी आचार्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी, बी.एस. आप्टे
11. कालू कौमुदी, मुनि चौथमल, जैन विश्व भारती, लाडनूं

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 309MN	राजनीति विज्ञान (भारतीय राजनीतिक विचारक)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER–**III**

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचारकों की विचारधाराओं से अवगत करवाना।
2. विभिन्न विचारकों के दर्शन की प्रासंगिकता को समझाना।
3. विभिन्न विचारकों का तुलनात्मक अध्ययन कर विद्यार्थियों को नये आयाम देना।

इकाई–1 मनु, कौटिल्य, महावीर

इकाई–2 राजा राम मोहनराय, दयानन्द सरस्वती, गोपाल कृष्ण गोखले

इकाई–3 बाल गंगाधर तिलक, अरविन्द घोष, डॉ.बी.आर. अम्बेडकर

इकाई–4 महात्मा गॉधी, जवाहरलाल नेहरू, आचार्य तुलसी

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी प्राचीन विचारकों के दर्शन को जान पायेंगे।
2. विद्यार्थी प्राचीनकाल से लेकर आधुनिक काल तक विभिन्न विचारधाराओं का अध्ययन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी प्राचीन राज व्यवस्था एवं आधुनिक राज–व्यवस्था का तुलनात्म्क अध्ययन कर सकेंगे।

पाठ्यपुस्तक/संदर्भ ग्रन्थः

1. J. Bandhopadhyaya : Social and Political Thought of Gandhi, Bomby Alieid, 1969.
2. Jayaswal : Hindu Policy
3. Sharma R.S. : Political Ideas and Institutions in Ancient India.
4. Ghosal : History of Indian Political Ideas.
5. Verma V.P. : Modern Indian Poliltical Ideas.
6. K. Damodrarn : Indian Thought - A critical Survey, London, Asia Publishing House.
7. विश्वनाथ प्रसाद वर्मा–आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन
8. पुरुषोत्तम नागर–आधुनिक भारतीय सामाजिक और राजनीतिक चिन्तन
9. परमात्मा शरण–प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन
10. पुखराज जैन–भारतीय राजनीतिक चिन्तन

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 310MN	योग एवं जीवन–विज्ञान (मूल्यपरक प्रशिक्षण)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER –III

सैद्धान्तिक भाग

उद्देश्य–

1. वर्तमान शिक्षा पद्धति में मूल्यपरक शिक्षा की आवश्यकता को समझना।
2. स्वस्थ समाज संरचना एवं मूल्यों के उत्थान में जीवन विज्ञान की महत्ता को समझना।
3. जीवन विज्ञान शिक्षा द्वारा मूल्यों के विकास की प्रक्रिया को समझना और अभ्यास करना।

इकाई–1: मूल्य परिचय

(क) मूल्य संकल्पना–अर्थ, प्रकृति, मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया, मूल्यों के लक्षण। मूल्य खोज के प्रयास और वर्गीकरण

(ख) मूल्य–शिक्षा की आवश्यकता, मूल्यों की शिक्षा एवं विद्यालयीकरण, मूल्यों के विकास में परिवार व समाज की भूमिका।

इकाई–2 : जीवन विज्ञान एवं मूल्य

(क) जीवन विज्ञान और मूल्य

शिक्षा की समस्याएं, जीवन विज्ञान शिक्षा की अनिवार्यता

जीवन विज्ञान शिक्षा का स्वरूप, आधार और प्रक्रिया

(ख) शिक्षा और जीवन मूल्य

मूल्यपरक शिक्षा : सिद्धान्त और प्रयोग

इकाई–3 मूल्य प्रशिक्षण–I

(क) मूल्य विकास का आधार–अनुप्रेक्षा

प्रयोजन, वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण, निष्पत्तियां

सामाजिक मूल्य–कर्त्तव्यनिष्ठा और स्वालम्बन

(ख) सामूहिक मूल्य–समन्वय, सम्प्रदाय निरपेक्षता, मानवीय एकता

इकाई–4: मूल्य प्रशिक्षण–II

(क) मानसिक मूल्य –मानसिक संतुलन और धैर्य

नैतिक मूल्य– प्रामाणिकता, करुणा, आत्मानुशासन, सह–अस्तित्व

(ख) वैयक्तिक मूल्य–अनासक्ति, सहिष्णुता, मृदुता, अभय

उपलब्धियाँ–

1. वर्तमान में मूल्यों की आवश्यकता को समझ सकेंगे।
2. विभिन्न शिक्षा शास्त्रीयों के जीवन एवं शिक्षा दर्शन से परिचित हो सकेंगे।

3. शिक्षा के क्षेत्र में जीवन विज्ञान की उपयोगिता को जान सकेंगे।

4. व्यक्तित्व विकास एवं संवेगों पर नियन्त्रण की पद्धति को जान सकेंगे।

प्रायोगिक :

1 यौगिक क्रियाएं– पेट एवं श्वास की क्रियाएं

2 आसन– सर्वांगासन, हलासन, उत्तानपादासन, पवनमुक्तासन, पूर्व के सभी आसन

3 प्राणायाम–नाडी शोधन

4 प्रेक्षाध्यान–श्वासप्रेक्षा (दीर्घ, समवर्ती)

5 अनुप्रेक्षा–मानवीय एकता, मानसिक संतुलन

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. तुम स्वस्थ रह सकते हो–आचार्य महाप्रज्ञ, 2005, जैन विश्वभारती, लाडनूं
2. जीवन विज्ञान : मूल्यपरक शिक्षा, डॉ. समणी मल्लि प्रज्ञा, डॉ हेमलता जोशी, जैन विश्वभारती संस्थान लाडनूं– 341306 (राजस्थान) संस्करण 2010
3. प्रेक्षाध्यान स्वास्थ्य विज्ञान–मुनि महेन्द्र कुमार जैन विश्वभारती, लाडनूं
4. जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य–डॉ. जेपीएन मिश्रा, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, लाडनूं
5. शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान–प्रमिला वर्मा एवं कांति पाण्डेय, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
6. जीवन विज्ञान एवं स्वास्थ्य–डॉ. संजीव कुमार गुप्ता, जैन विश्वभारती, लाडनूं
7. यौगिक क्रिया–मुनि किशनलाल, जैन विश्व भारती, लाडनूं
8. प्रेक्षाध्यान प्रयोग पद्धति–आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
9. आसन–प्राणायाम–मुनि किशनलाल, जैन विश्व भारती, लाडनूं
10. जीवन–विज्ञान प्रायोगिक– डॉ. अशोक भास्कर, जैन विश्वभारती, लाडनूं
11. जीवन विज्ञान की रूपरेखा– मुनि धर्मेश, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं
12. शिक्षा दर्शन : डॉ. रामशक्ल पाण्डेय, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 311MN	Social Work (Society, Culture and Contemporary Concerns)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester – III

Objectives:

1. To give awareness about reciprocal relationship between women & men in society
2. To understand key concepts, issues in gender and development
3. To create awareness about the magnitude of gender disparities in the present context

Unit-1: Society, Values and Institutions

Society: Concept, Meaning & Characteristics, Man & Society, Social Values, Norms & Philosophy, Culture: Concept & Relevance, Culture & Civilization, Social System: Concept & Theories. Basic Social Institutions: Marriage & Family Groups: Primary & Secondary

Unit-2: Basic Sociological Concepts

Basic Sociological Concepts: Community & Association, Social Process: Socialization, Concept & Process, Social Stratification: Concept & Theories, Social Disorganization, Social Change: Theories & Factors.

Unit-3: Contemporary Indian Social Problems

Contemporary Indian Social Problems: Alcoholism, Drug Addiction, Prostitution, HIV/AIDS, Casteism, Communalism, Corruption, Poverty and Unemployment, Violence and Terrorism.

Unit-4: Gender: Concept and Women Empowerment

Gender – Definition and related concepts: Sex and Gender, Gender Stereotypes, Gender Bias, Women empowerment, Single women, Girl child, Working women, Female infanticide.

Outcome:

1. Student will be aware about reciprocal relationship between women & men in society
2. Student will understand key concepts, issues in gender and development
3. Student will create awareness about the magnitude of gender disparities in the present context

Suggeted Reading:

1. Dube, S.C. Indian Village, London: Routledge & Kengan Paul. (1955).
2. 02.Kapadia, K.M. (Ed.). Marriage and Family in India, Mumbai: OUP. 1959.
3. 03.Bottomore, T.B. Sociology – A guide to problems and Literature, London: Allen and Unwin. 1962
4. 04.Srinivas, M.N. Social Change in Modern India, Mumbai: AlliedPub. 1966
5. 05.Govt. of India. Towards Equality – a report of the committee on status of women in India, Delhi: Author. 1974
6. 06.Harlambos, M. and Heard, R.M. Sociology – Themes and Perspectives, Oxford Publications.1980.
7. 07.Furer Halmendarf, C.V. Tribes in India: The Struggle for Survival, Delhi: OUP. 1982.
8. 08.Macgver, R.M. and Page, C.H. Society – An Introductory Analysis, Chennai: Macmillan India Ltd. 1985.
9. 09. Day, P.R. Sociology in Social Work Practice, London, Macmillan Education. 1987.
10. Jeffrey, W. Dyer and Raymond, T. Coward Gender, Families and Elder Care, Delhi: Sage Publications.1992
11. Uma Shankar Jha and Premalatha Pujari. Indian Women Today, Vol.I & II, Kanishka Publications. 1996.
12. 12. डॉ. गोयल, प्रीति प्रभा, भारतीय संस्कृति, राजस्थानी ग्रंथाकार, सोजतीगेट, जोधपुर, 2000।
13. 13.सिंह, योगेन्द्र, समाजशास्त्र, श्रीमति प्रेमरावत, रावत पब्लिकेशन, जवाहर नगर, जयपुर, 2005।
14. समाजशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएं, न्यू रॉयल बुक, कम्पनी, लालबाग लखनाऊ, 2009।
15. शर्मा, अनुराग, भारतीय समाज, इशिका पब्लिशिंग हाऊस, जयपुर, 2010।
16. डॉ. तिवारी, एन., समाजशास्त्र, मिश्रा पब्लिसर एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर, 2010।

Semester III

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory+ Practical	Total
BBOA 312MJ	**Web Technologies - HTML**	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**50+20**	**100**

Objective: Main objectives of this course are

1. To introduce students to HTML and CSS for creating web pages and web sites.
2. To give the hands on exercise on HTML

Unit I

Introduction to HTML, Introduction to Web Deigning & HTML, HTML Elements/Tag, HTML Attributes, HTML Heading, HTML Paragraph, HTML Formatting

Unit II

Working with links, bookmarks, Images, Marquee, HTML Lists, HTML Table – insert row, columns, rowspan, colspan

Unit III

Using CSS, Introduction to CSS, HTML CSS Styles, Inline, Internal, External

Unit IV

HTML Forms, Introduction to Forms, Form Attributes, Form Elements, Input Type - Text Input, Buttons, Check Box, Radio Button, Select Box or Drop Down Box, Fieldset and Legend

Outcome:

After completing the course, the students will be able to create website using HTML .

Reference Books

1. http://www.w3schools.com/html/
2. http://www.tutorialspoint.com/html/
3. http://www.adobe.com/devnet/dreamweaver.html
4. HTML 5 : The Missing Manual, II Edition, Mathew Donald, O' Reilly Media, December, 2013
5. Learn HTML & CSS with W3 Schools, Wiley Publishing Inc, 2010

Practical:

- Create webpages using HTML

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 313MJ	PSYCHOLOGY (BASIC PRINCIPLES OF PSYCHOLOGICAL ASSESSMENT)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester– III

Objective :

1. To train students in various psychological assessment techniques.
2. To impart skills necessary for selecting and applying different tests for different purposes.

Unit-I: **Introduction**

Meaning and definition of psychological test
Scope of psychological tests
Characteristics of psychological tests

Unit-II: **Reliability, Validity and Norms**

Meaning and methods of reliability
Meaning and methods of validity
Developments of norms

Unit-III: **Types of Psychological Tests**

Individual and group
Performance, verbal and non-verbal
Speed and power

Unit-IV: **Assessment of Personality**

Case Study of person
Projective tests : TAT, Sentence Completion Tests(SCT)
Non-projective tests : 16 Personality Factor (16PF),
Minnesota Multi-phasic Personality Inventory (MMPI)

Note :- The department may change the practical depending on the availability of the apparatus and recent developments.

Out Comes :

1. Students know about psychological assessment techniques.
2. To know different skills for different tests for different purposes.

BOOKS:-

1. Anastasi, A. (1997) Psychological Testing, New York : MacMilan Co.
2. Ciminero, A.R. (Eds) (1986). Handbook of behavioral assessment, New York: John Wiley.
3. Kaplan and Saccuzzo : Psychological Testing.
4. Freeman : Psychological Testing.
5. Bhargava : Psychological Testing and Measurement.
6. Asthana : Psychological Testing.

PRACTICALS (Any Three)

1. Measuring social maturity
2. Measuring attitude
3. Assessment of human values
4. Methods of sociometry
5. Assessment of vocational interest

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 314MJ	इतिहास (मध्यकालीन भारत का इतिहास)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER–**III**

उद्देश्य–

1. विद्यार्थीयों को मध्यकालीन भारत के इतिहास से परिचित करवाना।
2. अकबर की महानता से परिचित करवाना।
3. मुगलकालीन कला से परिचित करवाना।

इकाई–I

भारत में तुर्की साम्राज्य की स्थापना–कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, रजिया सुल्तान। दिल्ली सल्तनत में बलबन की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ एवं योगदान, अलाउद्दीन खिलजी–साम्राज्य विस्तार, प्रशासनिक नीति, बाजार नियन्त्रण प्रणाली एवं जनता पर प्रभाव।

इकाई II

मोहम्मद बिन तुगलक की नवीन योजनाएं एवं प्रभाव, फिरोज तुगलक की धार्मिक एवं सार्वजनिक नीति, दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य का उत्थान, उपलब्धियां एवं पतन। सल्तनतकालीन प्रशासन।

इकाई III

मुगल साम्राज्य की स्थापना–बाबर, हुमाँयु। शेरशाह सूरी का उत्कर्ष एवं प्रशासन प्रबंध। अकबर–साम्राज्य विस्तार, सुदृढ़ीकरण, राजपूत नीति, धार्मिक नीति का मूल्यांकन।

इकाई IV

मुगल दरबार में नूरजहां जुन्टा गुट की भूमिका। औरंगजेब की राजपूत नीति, दक्षिण नीति एवं असफलता के कारण। शिवाजी का उत्कर्ष एवं शासन प्रबंध।
मुगलकालीन–स्थापत्य कला, (शंहाजहाँ के विशेष सन्दर्भ में) शासन प्रबंध (मनसबदारी प्रथा) एवं मुगल सम्राज्य के पतन के कारण।

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी मध्यकालीन भारतीय इतिहास के प्राप्त ज्ञान का उपयोग प्रतियोगी परीक्षाओं में कर पायेंगे।
2. विद्यार्थी मुगलकालीन संस्कृति, शासन प्रबंध आदि से परिचित हो पायेंगे।
3. मुगल कला के विश्लेषणात्मक अध्ययन से विद्यार्थियों में कला के तुलनात्मक अध्ययन की क्षमता बढेगी।

पाठ्यपुस्तक/सन्दर्भ ग्रंथः

1. सेंगर, शैलेन्द्र– मध्यकालीन भारत का इतिहास, अटलांटिक पब्लिशर्स, जयपुर, 2005
2 भार्गव, डॉ. वी.एस.–मध्यकालीन भारतीय इतिहास, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर।
3. वर्मा, हरिश्चन्द्र–मध्यकालीन भारतीय इतिहास, भाग–1 एवं 2, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, नई दिल्ली।
4. गुप्ता व पेमाराम–मध्यकालीन भारत का इतिहास, क्लासिक पब्लिकेशन हाउस, जयपुर

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory +Practical	Total
BBOA 315MJ	Geography (Human Geography)	C	Core Course (CC)	4	30	50+20	100

*** Note – Stencils and simple calculator are permitted in theory and practical examination.**

Semester - III

Objectives-

1. To provide detailed conceptual knowledge of Human Geography.

Unit-I

a) Definition and Scope of Human Geography

b) Relationships of Human Geography with other Discipline

c) Schools of Human Geography: Determinism, Possibilism and Neo-determinism

d) Fundamental Principles of Human Geography: Principle of Activity, Principle of Terrestrial Unity

Unit-II

a) Human Races of Man-kind : Criteria of classification and distribution according to G. Taylor

b) Migration Zone theory by Griffith Taylor

c) Factors of Evolution of Human Races

d) Tribes of the world, Habitat, Occupation & Social Organization: Pigmies, Bushmen, Eskimos and Khirgiz

Unit-III

a) Tribes of India: Habitat, Occupation & Social Organization of Gond, Naga, Toda and Santhal

b) Population: Theories, Growth, Distribution and Density (In World Context)

c) Migration: Theories, Causes , Types and Impact

d) Settlements:

1 Rural; Factors, Types, Patterns, Building Materials and House Types

2 Urban; Factors, Types, Patterns, Urbanization & Problems with Context to India

Unit-IV

a) Functional classification of cities, zoning of cities, Christaller's theory.

b) Concept of human development: HDI, Happiness Index

c) Impact of Human Activities on Environment

d) Sustainable Development Goals, Millennium Development Goals

Practical :

a) Cartography: Definition, Symbols and their Uses, Drawing Instruments and Materials

b) Basic Statistical Methods:

1. Collection of Data

2.Measures of Central Tendency and Dispersion: Mean, Median, Mode, Quartiles, Standard Deviation

3. Coefficient of variation

c) Presentation of statistical data through Diagrams : One Dismensional, Two Dimensional, Three Dimensional

Outcomes-

1. Through understanding knowledge of Human Geography & its principles. Students can adjust & adapt themselves with different prevailing cultures.
2. Students are sensitized about problemsregarding overpopulation, migration& steps of mitigation.
3. Deep knowledge about people residing in urban & rural areas, theirproblems & solutions.

Suggested Readings :

1. ब्लाचेविदाल दे ला :मानवभूगोल के सिद्धांत
2. मानवभूगोल, डॉ एम.एल. सोनी, 2015, हिन्दीग्रंथअकादमी, जयपुर
3. कौशिक, एस.डी. : मानवभूगोल के सरलसिद्धान्त, रस्तोगीपब्लिकेशन्स, मेरठ
4. हूसैन, माजिद : मानवभूगोल, रावतपब्लिकेशन्स,

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 316MJ	Jainology (जैन आचार)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester-III (Major)

उद्देश्य–

1. जैन–आचार मीमांसा की जानकारी देना।
2. जैन ध्यान पद्धति को समझाना।
3. अहिंसा और अणुव्रत की जानकारी देना।

इकाई–1: जैन आचार–मीमांसा

1. जैन आचार का आधार और स्वरूप 2. पंचाचार 3. नव तत्त्व
4. संवर–निर्जरा 5. मोक्ष

इकाई–2: श्रमणाचार

1. श्रमणाचार–महाव्रत, समिति,गुप्ति 2. दस धर्म 3. षडावश्यक 4. गुणस्थान
5. लेश्या

इकाई–3: श्रावकाचार

1. श्रावकाचार–अणुव्रत एवं अणुव्रत आन्दोलन, गुणव्रत, शिक्षाव्रत 2. श्रावक की प्रतिमा
3. जैन–जीवन शैली 4. संलेखना : संथारा, अहिंसा प्रशिक्षण

इकाई–4: ध्यानयोग

1. ध्यान का स्वरूप 2. सालम्बन–निरालम्बन ध्यान 3. अनुप्रेक्षा 4. प्रेक्षाध्यान की उपसंपदा 5. प्रेक्षाध्यान के अंग

उपलब्धियाँ–

1. जैन–आचार विधि से परिचय होगा।
2. जैन–ध्यान प्रणाली की जानकारी मिलेगी।
3. अहिंसा और अणुव्रत की चेतना का विकास होगा।
4. जैन श्रावकों एवं मुनियों के आचार की जानकारी प्राप्त होगी।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

5. जैन–आचार–मीमांसा, लेखक–डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं
6. उत्तरज्झयणाणि, सं. आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
7. तत्त्वार्थसूत्र, आचार्य उमास्वाति
8. जैन दर्शन : मनन और मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, आदर्श साहित्य संघ, चूरू
9. जीव–अजीव, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
10. जैन सिद्धान्त दीपिका, आचार्य तुलसी, जैन विश्व भारती, लाडनूं
11. जैन तत्त्व विद्या, आचार्य तुलसी, जैन विश्व भारती, लाडनूं
12. जैन आचार–मीमांसा, आचार्य देवेन्द्र मुनि, श्री तारक गुरु जैन ग्रंथालय, उदयपुर
13. जैन दर्शन : स्वरूप और विश्लेषण, आचार्य देवेन्द्र मुनि, श्री तारक गुरु जैनग्रंथालय, उदयपुर
14. अणु से पूर्ण की यात्रा, आचार्य देवेन्द्र मुनि, श्री तारक गुरु जैन ग्रंथालय, उदयपुर
15. नव पदार्थ, आचार्य भिक्षु सं. श्रीचन्द रामपुरिया, जैन विश्व भारती, लाडनूं

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 317MJ	Jain and other Philosophoies (जैन न्याय)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER –III (Major)

उद्देश्य–

1. न्याय और प्रत्यक्ष प्रमाण का संक्षिप्त परिचय देना।
2. परोक्ष प्रमाण की जानकारी देना।
3. नय, आत्मा की सिद्धि की युक्तियाँ समझाना।

इकाई–1 आप्त मीमांसा (प्रथम परिच्छेद 1 से 23 कारिका)

- **सर्वज्ञसिद्धि, भाव का एकान्तवाद, अभाव का एकान्तवाद, भावाभावात्मक प्रमेय, सप्तभंगी व्यवस्था**

इकाई–2 भिक्षुन्यायकर्णिका के प्रथम दो विभाग, न्याय की परिभाषा, लक्षण, लक्षणाभास, प्रमाण–प्रमाणाभास, प्रामाण्य, प्रत्यक्ष, प्रत्यक्ष प्रमाण के भेद–प्रभेद

इकाई–3 भिक्षुन्यायकर्णिका से तीसरा एवं चतुर्थ विभाग, परोक्ष प्रमाण, अभाव, कारणता, स्मृति, प्रत्यभिज्ञा, तर्क, अनुमान, आगम, स्याद्वाद, सप्तभंगी

इकाई–4 भिक्षुन्यायकर्णिका के अंतिम तीन विभाग, नय विवेचन, प्रमाण का विषय, फल एवं प्रमाता का स्वरूप

उपलब्धियाँ–

1. जैन ग्रंथ आप्त मीमांसा का अध्ययन होगा।
2. न्याय ग्रंथ भिक्षु न्यायकर्णिका का सांगोपान अध्ययन होगा।
3. प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रमाण का ज्ञान होगा।
4. नय और प्रमाण की जानकारी होगी।
5. सर्वज्ञ के बारे में ज्ञान होगा।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थ :

1. आप्तमीमांसा, आचार्य समन्तभद्र, प्राच्यश्रमण भारती, मुजफ्फरनगर।
2. भिक्षु न्याय कर्णिका–आचार्य तुलसी
3. भिक्षुन्यायकर्णिका वृहत्वृत्ति–आचार्य तुलसी, पण्डित विश्वनाथ मिश्रा, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय
4. जैन दर्शन मनन और मीमांसा–आचार्य महाप्रज्ञ (567 से 642, पृष्ठ 649 से 655)
5. स्याद्वादमंजरी : एक समीक्षात्मक अध्ययन–किरण कला जैन, परिमल पब्लिकेशन, शास्त्री नगर, दिल्ली
6. जैन न्याय–महेन्द्र कुमार जैन
7. जैन धर्म दर्शन–डॉ. मोहनलालजी मेहता
8. जैन न्याय का विकास–आचार्य श्री महाप्रज्ञ
9. जैन न्याय–मुनि न्यायविजयजी
10. जैन ज्ञान एवं प्रमाण मीमांसा–समणी ऋजुप्रज्ञा, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	Viva	CIA	Total
BJVB301AE	**Effective Communication and Soft Skills in English**		**Skills**	**2**	**35**	**15**	**50**

SEMESTER-III

Course Description:

This course is designed to enhance the communication and soft skills of undergraduate students in English. The course focuses on developing effective verbal and non-verbal communication skills, teamwork, leadership, and problem-solving abilities. Students will learn to express themselves confidently and clearly in various social, academic, and professional contexts.

Course Objectives:

1. Develop effective communication skills in English, including verbal and non-verbal communication.
2. Enhance teamwork, leadership, and problem-solving abilities.
3. Build confidence in expressing oneself in various social, academic, and professional contexts.
4. Improve active listening, critical thinking, and conflict resolution skills.
5. Develop a positive attitude and emotional intelligence.

- **Introduction to Effective Communication**

  - Overview of communication skills
  - Verbal and non-verbal communication
  - Importance of effective communication in personal and professional life

- **Building Confidence in Communication**
  - Understanding personality traits and communication styles
  - Developing assertiveness and confidence in communication
  - Practicing effective communication in everyday situations

- **Teamwork and Leadership**
  - Understanding team dynamics and roles
  - Developing leadership skills and qualities
  - Practicing teamwork and leadership in group activities

- **Problem-Solving and Conflict Resolution**
  - Understanding problem-solving strategies and techniques
  - Developing critical thinking and analytical skills
  - Practicing conflict resolution and negotiation skills

- **Emotional Intelligence and Positive Attitude**
  - Understanding emotional intelligence and its importance
  - Developing self-awareness and self-regulation skills
  - Practicing positive attitude and emotional intelligence in daily life

- **Final Project Presentations**

  - Students will work on a final project that demonstrates their understanding of effective communication and soft skills.

- Students will present their projects in class and receive feedback from peers and instructor.

Assessment:

- Class participation and attendance: 20%
- Group discussions and activities: 20%
- Quizzes and tests: 20%
- Final project: 30%
- Reflective journal: 10%

Required Textbook:

- "The Art of Public Speaking" by Dale Carnegie
- "Effective Communication" by Murugan

Recommended Resources:

- Online articles and videos on effective communication and soft skills
- TED Talks on communication, leadership, and emotional intelligence

Prerequisites: None

Target Audience: Undergraduate students of all disciplines.

Course Duration: 10 weeks

Contact Hours: 2 hours per week

Course Code	Course Title	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory + Practical	Total
BJVB302ID	अहिंसा एवं अणुव्रत	Core Elective (CE)	4	30	70	100

SEMESTER – **III**

उद्देश्य–

1. अणुव्रत के विशेष संदर्भ में अहिंसा तत्त्व को समझाना।

इकाई–1 : अणुव्रत का दार्शनिक आधार

- अणुव्रत दर्शन
- व्रत अणु क्यों ?
- अणुव्रत का स्वरूप
- गुण व्रत, शिक्षा व्रत
- व्रतों की भाषा और भावना
- अणुव्रत का दार्शनिक आधार 'संयम'
- अणुव्रत रचनात्मक या निषेधात्मक

इकाई–2 : अणुव्रत का प्रायोगिक स्वरूप : अणुव्रत आन्दोलन

- अणुव्रत आन्दोलन का उद्‌भव एवं विकास
- अणुव्रत आन्दोलन क्यों ?
- अणुव्रत आन्दोलन का मूल आधार
- अणुव्रत आन्दोलन का असाम्प्रदायिक स्वरूप
- अणुव्रत आन्दोलन : व्यवस्था सुधार या वृत्ति सुधार
- अणुव्रत प्रवर्तक आचार्य श्री तुलसी का व्यक्तित्व एवं कर्त्तृत्व

इकाई–3 : अणुव्रत आन्दोलन के अहिंसक कार्यक्रम

- अहिंसा का अर्थ और स्वरूप
- अहिंसा सार्वभौम
- अहिंसा समवाय
- अहिंसा यात्रा
- अहिंसक समाज संरचना की संभावना
- आचार्य तुलसी के अहिंसक प्रयोग

इकाई–4 : अणुव्रत आन्दोलन का सामाजिक/राजनीतिक स्वरूप

- सामाजिक कुरूढ़ियों पर प्रहार
- बाल विवाह की निवृत्ति के प्रयास
- विधवा को गरिमामयी स्थान
- मृत्यु भोज पर प्रतिबन्ध के प्रयास
- छूआछूत का अंत
- विद्यार्थी और नशामुक्ति
- अहिंसक समाज व्यवस्था
- राष्ट्रीय एकता की समस्या और समाधान की दिशा
- अणुव्रत चुनाव शुद्धि अभियान
- अणुव्रत संसदीय मंच
- मतदाता और प्रत्याशी की आचार संहिता

उपलब्धियाँ–

1. अणुव्रत आंदोलन को जानकर संयम की दिशा में आगे बढेंगे।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थ

1. अणुव्रत दर्शन– आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
2. अहिंसा और अणुव्रत– सिद्धान्त और प्रयोग– मुनि सुखलाल एवं आनन्दप्रकाश त्रिपाठी
3. गांधी पश्चात् शांति आंदोलन– प्रो. अनिल धर, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
4. आचार्य तुलसी एवं अणुव्रत आन्दोलन – डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, यूनवर्सिटी बुक हाउस, जयपुर

Semester IV

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assessment)	Theory + Practical	Total
BBOA 401MJ	Agam Vidya Evam Prakrit Sahitya	(Only One Course From Each Group) **A**	**Core Course (Any One)**	**4**	**30**	**70**	**100**
BBOA 402 MJ	Non-violence & Peace						
BBOA 403 MJ	Hindi Lit.						
BBOA 404 MJ	English Lit.						
BBOA 405 MJ	Rajasthani Literature						
BBOA 406 MJ	Any One 1. Sanskrit Literature (Kalu Komudi)	**B**	**Core Course (Any One)**	**4**	**30**	**70**	**100**
BBOA 407 MJ	2. Sanskrit Literature (Ladhu Sidhant Komudi)						
BBOA 409MJ	Political Science						
BBOA 410MJ	Yoga & Science of Living					**50+20**	
BBOA 411MJ	Social Work					**70**	
BBOA 412MN	Information Technology	**C**	**Core Course (Any One)**	**4**	**30**	**50+20**	**100**
BBOA 413MN	Psychology					**50+20**	
BBOA 414MN	History					**70**	
BBOA 415MN	Geography						
BBOA 416MN	Jainology					**50+20**	
BBOA 417MN	Jain and other philosophies					**70**	
BJVB401SE	Soft/Communication Skills		**skills**	**2**	**15**	**35**	**50**
BJVB402VA	Enviornmental Studies		**Value Added**	**4**	**30**	**70**	**100**
BJVB403VA	Preksha Introduction and Practice		**Value Added**	**2**	**15**	**35**	**50**
			Total	**16**	**120**	**280**	**400**

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA401 MJ	आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य (प्राकृत व्याकरण एवं साहित्य)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER-**IV**

उद्देश्य–

1. तद्धित, लिंगानुशासन एवं गण प्रकरण पर प्रकाश डालना।
2. स्वयं वाक्यों का प्राकृत से हिन्दी एवं हिन्दी से प्राकृत अनुवाद करना।
3. अगडदत्तचरियं का अध्ययन करवाना।
4. उत्तराध्ययन के नवम एवं दशम अध्याय के श्लोकार्थ एवं विषय–वस्तु समझाना।

इकाई 1. तुलसी मंजरी (सूत्र 578 से 802)

(1) रूप सिद्धि

(2) सूत्र तथा पंक्ति व्याख्या

(3) शब्द–रूप (संदर्भित सूत्रों के आधार पर)

(4) धातु रूप (संदर्भित सूत्रों के आधार पर)

(5) धात्वादेश

इकाई 2. प्राकृत स्वयं शिक्षक (पाठ 36–50)

(1) हिन्दी से प्राकृत और प्राकृत से हिन्दी अनुवाद करना

इकाई 3. अगड़दत्तचरियं (सम्पूर्ण)

(1) सप्रसंग अनुवाद

(2) आलोचनात्मक प्रश्न

(3) व्याकरणात्मक टिप्पणियां

(5) लघूत्तरात्मक प्रश्न (प्राकृत में उत्तर दिये जायें)

इकाई 4. उत्तराध्ययन (अध्ययन 10वां एवं 14वां)

(1) सप्रसंग व्याख्या

(2) आलोचनात्मक प्रश्न

उपलब्धियाँ–

1. तद्धित प्रत्यय, धातु रूप एवं लिंगानुशासनम् प्रक्रिया समझकर उसका यथोचित प्रयोग करेंगे।
2. प्राकृत लेखन शैली का और अधिक विकास होगा।
3. प्राकृत चरित्र काव्य की विशेषताएं एवं उसके स्वरूप का ज्ञान होगा।
4. उत्तराध्ययन के दो अध्ययन की विषय वस्तु को समग्रता से जान सकेंगे।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थ

1 प्राकृत प्रबोध–डॉ. नेमीचन्द्र शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी 1965
2 प्राकृत मार्गोपदेशिका–पं. बेचरदास जीवराज दोषी, मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली 1968.
3 प्राकृत प्रवेशिका–(Translation of Introduction to Prakrit) बनारसदास जैन, ओरियण्टल बुक्स रिप्रिंट कॉरपोरेशन, दिल्ली 1968
4 प्रकाशन–आचार्यश्री आत्माराम जैन मॉडल स्कूल, दिल्ली 1974
5 प्राकृत व्याकरण (अंग्रेजी)–हेमचन्द्र, प्रकाशक भण्डारकर ओरियण्टल शोध संस्थान, पूना 1980
6 प्राकृत स्वयं शिक्षक–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 1982
7 प्राकृत गद्य सोपान–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 1982
8 प्राकृत काव्य मंजरी–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर 1982
9 तुलसी मंजरी–युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं 1983
10 प्राकृत प्रवेशिका–डॉ. कोमलचंद जैन, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी 1989
11 अगड़दत्तचरियं–संपादक –डॉ. राजाराम जैन, पंकज प्रकाशन, आरा 1991
12 प्राकृत वाक्य रचना बोध–युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं 1991
13 प्राकृत कथा साहित्य परिशीलन–डॉ. प्रेमसुमन जैन, संधी प्रकाशन, जयपुर 1992
14 प्राकृत साहित्य का इतिहास–डॉ. जगदीशचन्द्र जैन, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी 1995
15 प्राकृत व्याकरण (सिद्धहेमशब्दानुशासनम्–आचार्य हेमचन्द्रकृत) संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित, व्याख्याकार–ज्ञानमुनि,
16 उत्तरज्झयणाणि–(भाग–1) जैन विश्वभारती, लाडनूं
17 प्राकृत रचना सौरभ–डॉ. के.सी सोगानी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
18 प्राकृत रचना अभ्यास–डॉ. के.सी सोगानी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
19 प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास–डॉ. नेमीचन्द शास्त्री, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी
20 उत्तराध्ययनसूत्र एक समीक्षात्मक अध्ययन–युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती,लाडनूं
21 उत्तराध्ययनसूत्र एक परिशीलन–डॉ. सुदर्शनलाल जैन, प्रकाशक पार्श्वनाथ विद्याश्रम, वाराणसी

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA402 MJ	अहिंसा एवं शांति (अहिंसा एवं अणुव्रत)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER–**IV**

(अहिंसा एवं अणुव्रत)

उद्देश्य–

1. जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अहिंसा के अनुप्रयोगों की जानकारी देना।
2. अहिंसा के व्यवहार को जानने की प्रयास करना।
3. अहिंसक जीवन शैली से परिचय करवाना।
4. अहिंसा शिक्षा व पशु क्रूरता को बताना।

इकाई–1 अणुव्रत दर्शन, व्रत अणु क्यों, व्रतों की भाषा और भावना, व्रत और अप्रमाद, व्रत का आधार, अणुव्रत रचनात्मक या निषेधात्मक अणुव्रत और प्रतिरोधात्मक शक्ति, अणुव्रत की प्रेरणा, व्रत, साधनाः सामाजिक मूल्य

इकाई–2 अणुव्रत आंदोलन क्यों? व्यवस्था सुधार या वृत्ति सुधार, अणुव्रत आंदोलन के प्रवर्तक, अणुव्रती की पात्रता

इकाई–3 अणुव्रत आंदोलन का प्रसार एवं कार्यक्रम

इकाई–4 राष्ट्रीय एकता की समस्या और समाधान की दिशा, आध्यात्मिक समतावाद, आत्मतुला का विस्तार, अहिंसक समाज रचना की संभावना, अहिंसक समाज व्यवस्था

उपलब्धियाँ–

1. अहिंसा के व्यावहारिक कार्य क्षेत्रों से परिचित होंगे।
2. अहिंसक जीवनशैली को जानेंगे।
3. जीवों के प्रति क्रूरता को कम किया जा सकता है।

पाठ्य पुस्तकें

1. अणुव्रत दर्शन–आचार्य महाप्रज्ञ

2. अहिंसा और अणुव्रत–सिद्धान्त और प्रयोग–मुनि सुखलाल एवं आनन्दप्रकाश त्रिपाठी

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns InternalAssesment)	Theory	Total
BBOA403 MJ	हिन्दी साहित्य गद्य साहित्य (नाट्य एवं निबन्ध साहित्य)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER –**IV**

उद्देश्य –

1 विद्यार्थियों को नाटक विद्या का विस्तृत ज्ञान करवाना।

2 विद्यार्थियों को निबन्ध विद्या, उसके उद्‌भव एवं विकास से परिचित करवाना।

3 स्वयं विद्यार्थियों को इन विद्याओं में लेखन के प्रति प्रोत्साहित करना।

इकाई I

1. हिन्दी नाटक का विकास एवं प्रमुख प्रवृतियाँ
2. हिन्दी एंकाकी का विकास एवं प्रमुख प्रवृतियाँ

इकाई II

1 नाटक 'कबिरा खड़ा बाजार में' (भीष्म साहनी)

इकाई III

1. दीपदान – डॉ. रामकुमार वर्मा
2. धरोहर – सेठ गोविन्द दास
3. हमारा स्वाधीनता संग्राम – विष्णु प्रभाकर
4. समाज दर्पण – डॉ. उदयशंकर भट्ट

इकाई IV

1. हिन्दी निबन्ध का उद्‌भव एवं विकास एवं सामान्य प्रवृत्तियाँ/विशेषताएँ
2. लोकजागरण एवं भक्ति–काव्य (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)
3. तुलसी के सामाजिक मूल्य (रामविलास शर्मा)
4. साहित्य के नये मूल्य (हजारी प्रसाद द्विवेदी)

उपलब्धियां :

1. विद्यार्थी निबन्धों की भाषा के माध्यम से स्वयं की भाषा में भाषिक प्रौढ़ता ला सकेंगे।
2. नाटक विद्या के माध्यम से विद्यार्थी नाटकों के इतिहास एवं कला का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्य पुस्तक :

1. नाट्य एवं निबन्ध साहित्य, कैलाश भट्ट, सम्पादक–प्रो. नन्दलाल कल्ला, प्रकाशक–जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय), लाडनूं

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–संपादक डॉ नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, नोयडा
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ– डॉ नामवरसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. साहित्य शास्त्र– डॉ. ओमप्रकाश गुप्त, डॉ. गौवर्धन बंजारा, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
5. चिन्तामणि – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
6. हिन्दी नाटक का उद्‌भव एवं विकास – दशरथ ओझा

7- परम्परा का विकास – रामविलास शर्मा

Course Code	Course Title	Croup	Course Category	Credit	C.I.Acontinuous Internal Assessment	Unit End Test	Total
BBOA 404 MJ	English Literature (Prose and Fiction)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester IV

Objectives:

1- To enable the students to understand Stories.

2- To make familiarize them with English Essay, Short Stories and Partition Fiction.

3- To acquaint them with some literary terms of these genres.

Unit-I : Stories from *A choice of Short Stories*

(Ed. Shakti Battra and PS Sindhu. OUP)

Katherine Mansfield : A Cup of Tea

R.K. Narayan : An Astroloer's Day

W.S. Maugham : A Friend in Need

Chaman Nahal : The Silver Lining

Colin Howard : Post Haste

Premchand : The Child

Bhisham Sahani : The Boss Came to Dinner

Manohar Malgonkar : Two Red Roosters

Unit-II: Jane Austen : Pride and Prejudice

Unit-III : Kushwant Singh : Train to Pakistan

Unit-IV : Collection of Essays

Chief Seattle : The End of Living and the Beginning of Survival

Swami Vivekanand : The End and the Means

CEM Joad : The Civilization of Today

J.L. Nehru : India's Strength and Weakness

Outcomes:

1- The students can understand the changing nature of Literature through ages.

2- They will become familiar with various forms of prose and narrative art.

Suggested Reading:

1- Abrams, M.H. *Glossary of Literary Terms.* India, Macmillan Publishers, 2000.

2- Prasad, B. *A Background to the Study of English Literature*. Macmillan, 2004.

3- *Popular Short Stories*. Oxford University Press, New Delhi.

4- *Forms of English Prose.* Oxford University Press, New Delhi.

5- *Train to Pakistan*. Khushwant Singh. Orient Longman.

6- *Oxford Dictionary of Literary Terms.*

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 405 MJ	राजस्थानी (आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

सेमेस्टर–IV

अध्ययन क्षेत्र

1. मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य परंपरा का अध्ययन
2. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा : परिस्थितियां, प्रवृत्तियां भक्ति : नीति रीति एवं विविध विषयक रचनाएं और रचनाकार।
3. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा में संत एवं संतकाव्य
4. मध्यकालीन काव्य परंपरा में विविध काव्य रूप एवं प्रमुख छंद।

इकाई प्रथम : मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा : प्रमुख प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकार।

इकाई द्वितीय : पाठ्यपुस्तक 'नागदमण' का आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई तृतीय : राजिया रा दूहा आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई चतुर्थ : दोनों पाठ्यपुस्तकों से सप्रसंग व्याख्या।

इकाई पंचम : किसी एक विकल्प का चयन

(अ) राजस्थानी भक्ति एवं नीति काव्य परंपरा।

(ब) मध्यकालीन राजस्थानी जैन साहित्य परंपरा।

पाठ्यपुस्तकें

1. नागदमण : सांया जी झूला : सं. मूलचन्द प्राणेश : भारतीय विद्या शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
2. राजिया रा दूहा : सं. नरोत्तम स्वामी, प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधुपर
2. राजस्थानी भाषा साहित्य और व्याकरण : सीताराम लालस, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
3. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ हीरालाल माहेश्वरी, आधुनिक पुस्तक भवन, कलकता
4. राजस्थानी भाषा साहित्य : संस्कृति : डॉ. कल्याणसिंह शेखावत, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
5. मध्यकालीन राजस्थान में धार्मिक आंदोलन : डॉ पेमाराम : अर्चना प्रकाशन, अजमेर
6. राजस्थानी संत साहित्य : वसुमती शर्मा, प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

1 राजस्थानी जैन साहित्य : डॉ मनमोहन स्वरूप माथुर : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 406 MJ	**संस्कृत संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य (कालूकौमुदी)**	**B**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

- विद्यार्थी BBOA4106 अथवा 407 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

SEMESTER–**IV (Major)**

उद्देश्य–

1. धातुरूप से संस्कृत भाषा की क्रिया संबंधी जानकारी देना।
2. वाक्य निर्माण का अभ्यास कराना।
3. अर्थ करने की शैली सिखाना।

इकाई–1 कालकौमुदी पूर्वार्द्ध–तद्धित एवं द्विरूक्त प्रक्रिया तक (सूत्र 514 से 751)

1. सूत्रार्थ
2. रूपसिद्धि
3. प्रकृति–प्रत्यय

इकाई–2 वाक्य रचना बोध (पाठ 38 से 52)

1. संस्कृत से हिन्दी अनुवाद
2. हिन्दी से संस्कृत अनुवाद
3. शब्दार्थ

इकाई–3 अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सम्पूर्ण)

1. दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या
2. चरित्र चित्रण
3. एक समीक्षात्मक प्रश्न
4. दो सूक्तियों की व्याख्या

इकाई–4 (क) सिन्दूर प्रकरण (श्लोक–1 से 50)

1. दो श्लोको की सप्रसंग व्याख्या
2. प्रकरण का सारांश

(ख) अभिधान चिन्तामणि छठा काण्ड (श्लोक–91 से 120)

1. दो श्लोक पूर्ति

2. पांच शब्दों के अर्थ

उपलब्धियाँ–

1. विभिन्न शब्द स्वरूप जानकारी प्राप्त होगी।
2. शब्द कोश का ज्ञान बढ़ेगा।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. अभिज्ञान शाकुन्तलम्, महाकवि कालिदास, व्याख्याकार यनदुन्दन मिश्र, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी, 1999
2. कालु कौमुदी, आदर्श साहित्य संघ, चूरू
3. वाक्य रचना बोध, लेखक–आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
4. सिन्दूरप्रकर, आचार्य सोमप्रभ, संपादक–मुनि राजेन्द्र कुमार, जैन विश्वभारती, लाडनूं
5. अभिधान चिन्तामणि–चौखम्बा विद्या भवन

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 407 MJ	संस्कृत संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य (लघु सिद्धांत कौमुदी)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

- विद्यार्थी BBOA4106 अथवा 407 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

SEMESTER–**IV (Major)**

उद्देश्य–

1. वाक्य निर्माण का अभ्यास कराना।
2. अनुवाद की विधा का प्रशिक्षण देना
3. तद्धित शब्दों की विधि समझाना।

इकाई–1 तद्धित प्रकरण (शैषिका अधिकार से स्वार्थिका तक) (सूत्र 1065 से 1243 तक)

इकाई–2 रचनानुवाद कौमुदी (पाठ 31 से 40)

इकाई–3 अभिज्ञान शाकुन्तलम्

1. दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या
2. चरित्र चित्रण
3. एक समीक्षात्मक प्रश्न
4. दो सूक्तियों की व्याख्या

इकाई–4 (क) सिन्दूर प्रकर (श्लोक 1 से 50) एवं अभिधान चिन्तामणि (छठा काण्ड, श्लोक 91 से 120)

1. दो श्लोको की सप्रसंग व्याख्या
2. प्रकरण का सारांश

(ख) अभिधान चिन्तामणि

1. दो श्लोक पूर्ति
3. पांच शब्दों के अर्थ

उपलब्धियाँ–

1. वाक्य निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञात होगा।
2. शब्द कोश का ज्ञान बढ़ेगा।

पाठ्यपुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. अभिज्ञान शाकुन्तलम्, महाकवि कालिदास, व्याख्याकार यनदुन्दन मिश्र, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी, 1999
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी, श्रीवरदाजकृत, संपादक–महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्या भवन, दिल्ली
3. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, आचार्य विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. सिन्दूरप्रकर, आचार्य सोमप्रभ, संपादक–मुनि राजेन्द्र कुमार, जैन विश्वभारती, लाडनूं
5. अभिधान चिन्तामणि–चौखम्बा विद्या भवन
6. लघु सिद्धान्त कौमुदी, महेशसिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्या भवन, दिल्ली
7. लघु सिद्धान्त कौमुदी, टीकाकार–राजेन्द्र चौधरी, रामनारायण वेणीप्रसाद,इलाहाबाद
8. लघु सिद्धान्त कौमुदी, भैमी व्याख्या, आचार्य भीमसेन शास्त्री
9. अभिधान चिन्तामणि–चौखम्बा विद्या भवन
10. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी, बी.एस. आप्टे

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 409 MJ	राजनीति विज्ञान (आधुनिक संविधान)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER– **IV**

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को विश्व के प्रमुख संविधानों की जानकारी देना।
2. विद्यार्थियों को संघात्मक एवं एकात्मक संविधानों से अवगत कराना।
3. लिखित एवं अलिखित संविधानों के बारे में बताना।
4. विद्यार्थियों की प्रतियोगी परीक्षाओं में तर्क शक्ति बढ़ाना।

इकाई–1 **ब्रिटेन का संविधानः** विशेषताएँ, अभिसमय, सम्राट और राजमुकुट, प्रधानमन्त्री एवं मन्त्रि परिषद, संसद–कॉमन सभा तथा लार्ड सभाः संगठन, शक्तियाँ, स्पीकर की भुमिका।

इकाई–2 **अमेरिका का संविधानः** विशेषताएँ, राष्ट्रपति का पद. निर्वाचन एवं शक्तियाँ, संघीय व्यवस्था का स्वरूप, शक्ति पृथक्करण तथा नियन्त्रण एवं सन्तुलन। कॉग्रेस–प्रतिनिधि सभा तथा सीनेट, शक्तियाँ । संघीय सर्वोच्च न्यायलय–गठन एवं शक्तियाँ, न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति,।

इकाई–3 **स्विटजरलैण्ड का संविधानः** संविधान की विशेषताएँ, संघीय व्यवस्था की विशेषताएँ, संघीय संसद, संघीय परिषद, मौलिक अधिकार, स्विटजरलैंण्ड में प्रत्यक्ष प्रजातन्त्र

इकाई–4 **साम्यवादी चीनी गणतन्त्रः** संविधान की प्रमुख विशेषताएं। राष्ट्रीय जन कांग्रेस, राष्ट्रपति का पद। साम्यवादी दल–संगठन एवं भूमिका।

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी विभिन्न देशों के संविधानों को विस्तृत रूप से जान सकेंगे।
2. विभिन्न देशों के संविधानों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
3. परम्परागत एवं आधुनिक संविधानों के दृष्टिकोण को समझ सकेंगे।
4. विभिन्न संविधानों में संशोधनों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित पुस्तकें

1. इकबाल नारायण–विश्व के प्रमुख संविधान
2. बी.एल. फडिया–विश्व के प्रमुख संविधान
3. आर.सी. अग्रवाल–विश्व के प्रमुख संविधान
4. हरिमोहन जैन–संयुक्त राज्य अमेरिका की शासन प्रणाली
5. वीरकेश्वर प्रसाद सिंह–विश्व के प्रमुख संविधान (ज्ञानदा प्रकाशन, पटना)

6. साम्यवादी चीनी गणतन्त्र का संविधान (चीन सरकार द्वारा प्रकाशित)

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 410MJ	योग एवं जीवन–विज्ञान (जीवन–विज्ञान एवं स्वास्थ्य)	B	Core Course (CC)	4	30	50+20	100

SEMESTER **–IV**

सैद्धान्तिक भाग

उद्देश्य–

1. स्वास्थ्य की जानकारी देना।
2. शारीरिक रचना को समझना।
3. शरीर में होने वाले विचारों का अध्ययन।
4. भोजन, उपवास व शाकाहार को जानना।

इकाई–1 : स्वास्थ्य शिक्षा और जीवन विज्ञान

(क) स्वास्थ्य की अवधारणा एवं परिभाषाएं, निर्धारक तत्त्व, पर्यावरण और स्वास्थ्य के अन्तर्सम्बन्ध।

(ख) स्वास्थ्य शिक्षा–सिद्धान्त एवं प्रविधि, जीवन विज्ञान द्वारा स्वास्थ्य संवर्धन (प्रेक्षा चिकित्सा)

इकाई–2 : शारीरिक तंत्रो का रचनात्मक–कार्यात्मक परिचय सम्बन्धित रोग एवं रोगों का प्रबन्धन–I

(क) शरीर संगठन का प्रारूप कोशिका, ऊतक एवं तंत्रों का संगठनात्मक परिचय

(ख) अस्थि तंत्र–परिचय

अस्थि तंत्र के विकार–गठिया और गर्दन का दर्द

जीवन विज्ञान प्रविधि द्वारा प्रबन्धन

(ग) पेशी तंत्र – परिचय

पेशी तंत्र के विकार–पेशीय डिस्ट्राफी, स्लीपडिस्क (कंकालपेशीय रोग)

जीवन विज्ञान प्रविधि द्वारा प्रबन्धन

इकाई–3 : शारीरिक तंत्रों का रचनात्मक परिचय सम्बन्धित रोग एवं रोगों का प्रबन्धन–II

(क) श्वसन तंत्र एवं पाचन तंत्र–परिचय

श्वसन तंत्र एवं पाचन तंत्र के विकार–दमा एवं ब्रोंकाइटिस, मधुमेह, हियाटस हर्निया, जीवन विज्ञान प्रविधि द्वारा प्रबन्धन

(ख) रोग प्रतिरोधी तंत्र–परिचय

रोग प्रतिरोध एवं जीवन विज्ञान प्रविधि द्वारा प्रबन्धन

इकाई–4: आहार एवं स्वास्थ्य

(क) आहार की अवधारणा एवं आवश्यकताएं

आहार के घटक पोषक तत्त्व

(ख) संतुलित आहार की अवधारणा एवं प्रारूप

आहर, चयापचय एवं स्वास्थ्य

उपलब्धियाँ–

1. जीवन में स्वास्थ्य का महत्त्व एवं स्वास्थ्य संवर्धन के उपायों को जान सकेंगे।
2. शरीर के विभिन्न तंत्रों एवं अंगों से परिचित हो सकेंगे।
3. विभिन्न शारीरिक बीमारियों का योग द्वारा प्रबन्धन को समझ सकेंगे।
4. संतुलित आहार, उपवास एवं शाकाहार के महत्त्व को जान सकेंगे।

प्रायोगिक भाग–

1. आसन– मत्स्यासन, हृदयस्तम्भासन, धनुरासन, शलभासन और अर्द्धमत्स्येन्द्रासन
2. प्राणायाम– शीतली और शीतकारी
3. प्रेक्षाध्यान–शरीर प्रेक्षा
4. अनुप्रेक्षा– धैर्य, सह–अस्तित्व

पाठ्यपुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. तुम स्वस्थ रह सकते हो– आचार्य महाप्रज्ञ, 2004, जैन विश्वभारती, लाडनूं
2. शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान– प्रमिला वर्मा एवं कांति पाण्डेय, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
3. प्रेक्षाध्यान स्वास्थ्य विज्ञान– मुनि महेन्द्र कुमार, जैन विश्वभारती, लाडनूं
4. जीवन–विज्ञान और स्वास्थ्य– डॉ. जेपीएन मिश्रा, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं
5. जीवन–विज्ञान एवं स्वास्थ्य– डॉ. संजीव कुमार गुप्ता, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं
6. प्रेक्षाध्यान प्रयोग पद्धति– आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA411 MJ	Social Work (Social Change and Development)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester – IV

Objectives:

1. To develop a meaningful understanding about past & present social change
2. To equip students to examine social realities from different perspectives
3. To familiarize with the contemporary discourse on social movements & social development

Unit-1: Social Change

Social Change: Concept and Theories, Indian Constitution and Social Change Role of Civil Society, Elite and Professional Social Work in Social Change.

Unit-2: Social Change and Social Problems

Social Change and Social Problems, Social Movement and Social Change, Social Work and Social Change, Factors of Social Change: Economic, Educational, Technological, Demographic and Cultural.

Unit-3: Development Concept and Types

Concept of Development, Social and Economic Development, Social Work and Socio-

Economic Development, Sustainable Development, Concept of Social Policy, Social and Economic Policy, Social Policy and Social Legislation, Social Policy and Planning in India

Unit-4: Social Work and Social Justice

Social Work and Social Justice in India, Poverty Alleviation Programmes in India, Social Work and Gandhian and Sarvodaya Perspectives on Social Development

Outcome -

1. Student will develop a meaningful understanding about past & present social change

2. To equip students to examine social realities from different perspectives
3. To familiarize with the contemporary discourse on social movements & social development

Suggeted Reading:

1 Moorthy, M.V. Social Action. 1951
2 Kulkarni, P.D. Social Policy in India, Madras: ASSWI. 1965.
3 Srinivas, M.N. Social Change in Modern India, Mumbai: Allied Pub. 1966. .
4 Paulo Friere, S. Pedagogy of the Oppressed. 1971
5 Gore, M.S. Some Aspects of Social Development, Mumbai: TISS. 1975.
6 Siddique, H.Y. Social Wok and Social Action. 1985
7 Macgver, R.M. and Page, C.H. Society – An Introductory Analysis, Chennai: Macmillan India Ltd. 1985.
8 Govt. of India. Encyclopaedia of Social Work in India, 4 volumes, New Delhi: Planning Commission. 1987
9 Midgley, J. Social Development: The Developmental Perspectives in Social Welfare, New Delhi: Sage. 1998.
10 Netting, F.E.Kettner, P.M. and McMurtry, S.L. Social Work Macro Practice, NY:Longman. 1993
11 Maurianne et.al. Readings for Diversity and Social Justice. New York: Routledge publication, 2000
12 सिंह, रावराम मेहर, विकास का समाजशास्त्र, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2009।
13 डॉ. मुकर्जी, रविन्द्रनाथ, भारत में सामाजिक परिवर्तन, विवेक प्रकाशन, 7–यू.ए. जवाहर नगर, दिल्ली–110007, 2003।
14 प्रो0 पाण्डेय बालेश्वर डॉ सिंह , डी.के., समाजकार्य एवं मानव विकास,
15 प्रो. सिंह, सुरेन्द्र, प्रो. वर्मा, आर. बी. एस., भारत में समाज कार्य का क्षेत्र

Semester IV

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory+ practical	Total
BBOA4 112MN	**Advanced Web Technologies – Java Script**	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**50+20**	**100**

Objective:
This paper will familiarize the students with client side scripting language and will expose the students to create dynamic WebPages.

Unit I
Introduction to Javascript**,** Java Script Variables**,** Operators**,** Statements, Comments

Unit II
Java Script Statements - Decision Making Statements, If, If…Else, Else ..If, Switch, Loops, For Loop, While, Do.. While, HTML Marquee, HTML Lists, HTML Table

Unit III
Arrays, Functions & HTML DOM , Java Script Arrays, Java Script Functions, HTML DOM, Event Handling, CSS - Inline, Internal, External

Unit IV
Java Script Objects & Cookies, Introduction to Objects, Number, Boolean, Strings, Arrays, Date, Math, Cookies

Outcome:
Students will be able to create dynamic WebPages using JavaScript.

Reference Books

1. Learn Java Script and Ajax with W3 Schools, Wiley Publishing Inc, December, 2010
2. The Complete Refernce Java Script III Edition, 2013, Thomas A. Powell Fraitz Sehneider, Mc Graw Hill
3. http://www.w3schools.com/js/default.asp

Practical:
Writing programs using Java script

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA413MN	PSYCHOLOGY(PSYCHOPATHOLOGY)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER – IV

Objective :

1. The impart knowledge about the normality and abnormality.
2. To make students understand the nature and course of various abnormal conditions.
3. To impart knowledge and skills needed for psychological assessment of different abnormal conditions.

Unit-I: **Introduction of Psychopathology**

The concept of normality & abnormality

sign and symptoms of abnormal behavior

Difference between Neurosis & Psychosis.

Unit-II: **Causes of Abnormal Behavior**

Biological Cause

Psycho-Social Cause

Socio-Cultural Cause

Unit-III: **Anxiety Disorder's**

Nature and types of anxiety

Depression and phobia

Obsessive compulsive disorder

Unit-IV: **Stress Disorder**

Meaning & Characteristics of Stress

Reactions to stress

Causes of stress

Out comes :

1. Student know about the normality and abnormality.
2. Students understand the nature and course of various abnormal conditions.

BOOKS

1. Coleman, J.C. : Abnormal Psychology and Modern Life.
2. Mohanty, G. : Abnormal Psychology.
3. Labh Singh : Asamanya Manovigyan.
4. Kapil, H.K. : Asamanya Manovigyan.

PRACTICALS (Any Three)

1. Measuring the level of anxiety
2. Measuring the level of depression
3. Measuring the level of mental health
4. Measuring the level of neurosis
5. Assessment of personality

Note :- The department may change the practical depending on the availability of the apparatus and recent developments.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 414MN	**इतिहास (राजस्थान के इतिहास का सर्वेक्षण)**	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER– **IV**

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को राजस्थान के इतिहास से परिचित करवाना।
2. दुर्ग वास्तुकला से परिचित करवाना।
3. महाराणा कुंभा, महाराणा प्रताप व मानसिंह की उपलब्धियों से परिचित करवाना।
4. किसान आन्दोलन, प्रजामण्डल आन्दोलन व राजस्थान के एकीकरण से परिचित करवाना।

इकाई–I

राजस्थान के पूर्व पाषाण युग की रूपरेखा, मुख्यतः कालीबंगा, आहड़ एवं बैराठ के पुरातात्विक स्थलों के संदर्भ में, पृथ्वीराज तृतीय की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियॉ एवं साम्राज्य विस्तार।

इकाई– II

राजपूत राज्यों में सामन्तवाद की विषेषताएं। मालदेव के अधीन मारवाड राज्य का उत्कर्ष, दुर्ग वास्तुकला– विशेषतः चित्तौड, रणथंभोर और आमेर के संदर्भ में। महाराणा कुंभा की राजनीतिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।

इकाई–III

राजपुत मुगल संबंध– आमेर के मानसिंह, सवाई जयसिंह द्वितीय, बीकानेर के रायसिंह, मारवाड़ के जसंवत सिंह और दुर्गादास राठौड़। मेवाड़ के राणा सांगा, महाराणा प्रताप का मुगलों से संघर्ष।

इकाई–IV

राजस्थान में धार्मिक आन्दोलन मीरा एवं दादू दयाल के विशेष संदर्भ में। राजस्थान में राजनैतिक जागरण के कारण। राजपूताना में मराठों के हस्तक्षेप के कारण एवं परिणाम। राजस्थान में 1857 के विद्रोह के कारण एवं परिणाम। बिजोलिया किसान आंदोलन। राजस्थान राज्य का निर्माण 1948 ई.– 1956 ई.।

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी राजस्थान के गौरवशाली इतिहास से परिचित हो पायेंगे।
2. महाराणा कुंभा, महाराणा प्रताप, मीरां, दादू दयाल आदि के जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकेंगे।
3. राजस्थान के एकीकरण के विभिन्न चरणों से परिचित हो पायेंगे।
4. राजस्थान के इतिहास के अध्ययन से विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर पायेंगे।

पाठ्यपुस्तक / सन्दर्भ ग्रंथः

1. व्यास, आर.पी–राजस्थान का बृहद् इतिहास भाग प्रथम एवं द्वितीय, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. सक्सेना, के.एम.–राजस्थान में राजनैतिक जागरण, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
3. भार्गव, डॉ. वी.एस.– राजस्थान का इतिहास, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर।

4.शर्मा, डॉ. गोपीनाथ– राजस्थान का इतिहास, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।

5.शर्मा हरिशंकर एवं पावा, सरोज–राजस्थान का इतिहास, जयपुर पब्लिकेशन, जयपुर।

6. Ratnavat, Syam singh – History and Culturel of Rajasthan.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory +Practical	Total
BOA 414	Geography (Economic Geography)	C	Core Course (CC)	4	30	50+20	100

*** Note – Stencils and simple calculator are permitted in theory and practical examination.**

Semester - IV

Objectives-

1. To provide detail conceptual knowledge of Economic Geography, Economic Activities & their impact on the Enviroment.

Unit - I

a) Definition, Scope and Significance of Resource Geography and Economic geography.

b) Evolution of Economic Geography.

c) Detail Study of Economic Activities: Primary, Secondary, Tertiary, Quarternary and Quinnary

Unit - II

a) Definition and Classification of Resources

b) Natural Resources: Meaning, Classification, Distribution, Uses and Conservation of Forest, Water, Soil and Fisheries

c) Energy Resources: Meaning, Exploitation, Classification, Distribution, Uses and Conservation
   1. Conventional Resources- Coal, Petroleum Natural Gas
   2. Non- Conventional Resources- Wind, Solar, Nuclear, Tidal

Unit- III

a) Agriculture Resources;Introduction,Types, Distribution, Production and Trade
   1. cereals- Wheat & Rice
   2. Beverages- Tea & Coffee
   3. Commercial Crops- Cotton & Rubber

b) General Agriculture Classification and D. Whittlesey's Classification

c) Locational Factors of Industry, Types of Industries, Industrial Area, Industrial Region

Unit-IV

a) A. Weber's and Smith's Industrial Locational Theory

b) Industries: Introduction, Responsible Factors, Process, Distribution, Production and Trade of Iron& Steel, Cotton& Textile Industry

c) Transport: Road, Rail, Water and Airways

d) Trade: Patterns and Trade Organization; GATT, WTO, OPEAK and EUROPEAN UNION

Practical

a) Prismatic Compass Survey: Equipments, Methods of Measurement of Bearing, Correction of Bearings (Mathematical and Graphical/Bowditch's Method)
b) Distribution map: Qualitative methods, Quantitative methods

Outcomes -

1. Awareness about the ecological footprint of trades & services to the first step towardsGreen Environment.
2. After knowing the availability of various resources, their proper utilization is possible.
3. Students can contribute their efforts towards promoting trade in which our country is having self-sufficiency.

Suggested Reading:

1. प्रमीलाकुमार एवंश्रीकमल शर्मा : कृषिभूगोल, म. प्र. हिन्दीग्रंथअकादमी, भोपाल, 2000
2. श्रीवास्तव वी.के. आर्थिकभूगोल के मूलतत्त्व, वसुन्धराप्रकाशन, गोरखपुर, 2001
3. सिंहजगदीश, आर्थिकभूगोल के मूलतत्त्वज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर 2002
4. डॉ. एच.एम. सक्सेना, डॉ. एल.सी. अग्रवाल, आर्थिकभूगोल, 2015

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA416 MN	Jainology (जैन दर्शन के मौलिक तत्व)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER– चतुर्थ

उद्देश्य–

1. जैन सृष्टिवाद को समझाना।
2. कर्म–सिद्धान्त की जानकारी देना।
3. अनेकान्त को समझाना।
4. आत्मवाद और कारणवाद को समझाना।

इकाई–1 लोकवाद, सृष्टिवाद, जगत् और ईश्वर एवं त्रिरत्न–सम्यग्दर्शन, सम्यक्ज्ञान, सम्यक् चरित्र,

इकाई–2 कर्म का स्वरूप, भेद, कर्म हेतु एवं प्रकार, कर्म की अवस्थाएं कर्म और कर्मफल से मुक्ति कैसे?

इकाई–3 अनेकान्त, स्याद्वाद, सप्तभंगी

इकाई–4 आत्मवाद–पुनर्जन्म, नयवाद, कारण–कार्य सिद्धान्त, पंच–समवाय

उपलब्धियाँ–

3. जैन सृष्टिवाद से परिचय होगा।
4. कर्म के बारे में जानने से जागरूकता बढ़ेगी।
5. अनेकान्त पूर्ण चिंतन शैली का विकास होगा।
6. कारणवाद से परिचय होगा।
7. आत्मवाद एवं पुर्नजन्मवाद के बारे में जानकारी होगी।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. जैन दर्शन के मौलिक तत्त्व, लेखक–डॉ. समणी चैतन्य प्रज्ञा, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं
2. जैनदर्शन के प्रमुख सिद्धान्त, प्रो. समी ऋजुप्रज्ञा, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं
3. जैन दर्शन : मनन और मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, आदर्श साहित्य संघ, चूरू

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA417 MN	Jain and other Philosophoies (पाश्चात्य दर्शन एवं एशियाई दर्शन)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER –IV (Major)

उद्देश्य–

1. पाश्चात्य दार्शनिक सिद्धान्तों से परिचित करवाना।
2. पाश्चात्य दार्शनिक परम्परा से परिचित करवाना।

इकाई–1

- ग्रीक युग सुकरात–सुकरातीय पद्धति, नीतिमीमांसा
- प्लेटो– ज्ञानमीमांसा, प्रत्ययवाद
- अरस्तु – द्रव्य एवं आंकार, ईश्वर

इकाई–2

- डेकार्ट–डेकार्ट की पद्धति, द्वैतवाद
- स्पिनोजा– द्रव्य विचार, अद्वैतवाद
- लाइबनित्ज़–चिदणुवाद, पूर्वस्थापित सामंजस्य

इकाई–3

- लॉक– जन्मजात प्रत्यय का खण्डन, ज्ञानमीमांसा
- वर्कले–जड़वाद का खण्डन, प्रत्ययवाद
- ह्यूम–ज्ञानमीमांसा, कारण–कार्य के अनिवार्य सम्बन्ध का खण्डन

इकाई – 4

- कांट– समन्वयवाद, बुद्धि विकल्प की अवधारणा, ईश्वर का खण्डन, नैतिक सिद्धान्त

उपलब्धियाँ–

1. पाश्चात्य दार्शनिक विचारों से परिचित होगा।
2. ग्रीक दार्शनिक, सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तु के दार्शनिक सिद्धान्तों का ज्ञान होगा।
3. समन्वयवादी दार्शनिक कान्ट के दार्शनिक सिद्धान्तों की जानकारी होगी।
4. बुद्धिवादी, अनुभववादी एवं प्रत्ययवादी दार्शनिक सिद्धान्तों की जानकारी होगी।

पाठ्यपुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. पाश्चात्य दर्शन – डॉ. बी.एन. सिंह
2. फ्रेंक थिली–ए हिस्ट्री ऑफ फिलासॉफी
3. छोटेलाल त्रिपाठी–ग्रीक दर्शन
4. दयाकृष्ण–पाश्चात्य दर्शन की समीक्षात्मक व्याख्या (हिन्दी, अंग्रेजी)
5. याकूब मसीह– पाश्चात्य दर्शन की समीक्षात्मक व्याख्या (हिन्दी, अंग्रजी)
6. चन्द्रधर शर्मा–पाश्चात्य दर्शन
7. डॉ. रामनाथ शर्मा–पाश्चात्य दर्शन

Course Code	Course Title	Croup	Course Category	Credit	Viva	School Teaching Report	Total
BJVB401SE	English Commiuncation Skill	A	AEC	2	35	15	50

SEMESTER-IV

Course Objectives

1. To improve fluency in spoken English and to practice correct pronunciation.
2. To introduce the techniques of presentation skills
3. Help improve speaking skills through participation in activities such as role plays, discussions, and structured talks/ oral presentations

Unit –I : Listening Skills

- Listening to unknown passages – for global understanding, identifying key terms, understanding concepts and answering a series of relevant questions that test comprehension.

Unit –II

1. Purpose, Different roles for participants, Etiquette in a structured GD - Practice GDs

Achievement:

1. Fluency in spoken English will be improved.
2. The learners will learn the techniques of presentation skills.
3. Speaking skills will be improved.

Reference Books:

J.K. Gangal. A Practical Course in Effective English Speaking Skills. 2012. Prentice Hall India Learning Private Limited.

Course Code	Course Title	Course Category	Credit	CIA	Total
BJVB403VA	Preksha Meditation Introduction and Practice	35 (Pract.)	2	15	50

SEMESTER–IV

Objective:

1. To develop a multidimensional personality

2. To develop inner personality.

3. To develop attitudes and qualities to work effectively in different situations.

4. Effective communication skills to express viewpoints and ideas well.

Unit-1: Preksha Meditation

- Preksha Meditation: An Introduction
- Basic sources of Preksha Meditation
- Parts of Preksha Meditation
- Spiritual basis of Preksha Meditation
- Upasampada of Preksha Meditation

Unit-2 Four Stages of Preksha Meditation

- Kayotsarga
- Long Breathing Preksha
- Samavritti breathing Preksha
- Jyoti Kendra Preksha

Achievements:

1. Development of Multidimensional personality.
2. Development of Inner personality.
3. Development of Attitudes and qualities to work effectively in different situations.
4. Learning of effective communication skills to express viewpoints and ideas well.

Reference Book

1. Prekshadhyan, Acharya Mahapragya, Publisher: Jain Vishwabharati, Ladnun-341306
2. Prakshadhyan: Principles and Experiments, Muni Kishanlal, Publisher: Jain Vishwabharati, Ladnun-341306 (Raj.)

Semester V

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assessment)	Theory + Practical	Total
BBOA 501MN	Agam Vidya Evam Prakrit Sahitya	(Only One Course From Each Group) **A**	**Core Course (Any One)**	**4**	**30**	**70**	**100**
BBOA 502MN	Non-violence & Peace						
BBOA 503MN	Hindi Literature						
BBOA 504MN	English Literature						
BBOA 505MN	Rajasthani Literature						
BBOA 506MJ	Any One 1. Sanskrit Literature (Kalu Komudi)	**B**	**Core Course (Any One)**	**4**	**30**	**70**	**100**
BBOA 507MJ	2. Sanskrit Literature (Ladhu Sidhant Komudi)						
BBOA 509MJ	Political Science						
BBOA 510MJ	Science of Living					**50+20**	
BBOA 511MJ	Social Work					**70**	
BBOA 512MJ	Information Technology	**C**	**Core Course (Any One)**	**4**	**30**	**50+20**	**100**
BBOA 513MJ	Psychology					**50+20**	
BBOA 514MJ	History					**70**	
BBOA 515MJ	Geography					**50+20**	
BBOA 516MJ	Jainology					**70**	
BBOA 517MJ	Jain and other philosophies						
BJVB502MJ	Projects Formation and Presentation		**Core Elective**	**4**	**30**	50 Project Formation+ 20 Presentation	**100**
BJVB503SI	Internship			**4**	**30**	**70**	**100**
			Total	**16**	**120**	**280**	**400**

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA501MN	आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य (प्राकृत भाषा व्याकरण एवं साहित्य)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER–V

उद्देश्य–

1. धात्वादेश, ञिन्नत प्रक्रिया, भाव कर्म प्रक्रिया एवं कृदन्त प्रकरण समझाना।
2. कुमारपालचरियं का अध्ययन करवाना।
3. कुर्मापुत्र के जीवन के बारे में बताना।
4. प्राकृत में कथा रचना का अभ्यास कराना।

इकाई 1. तुलसी मंजरी (सूत्र 803 से 927)

(1) रूप सिद्धि

(2) सूत्र तथा पंक्ति व्याख्या

(3) शब्द रूप (संदर्भित सूत्रों के आधार पर)

(4) धातु रूप (संदर्भित सूत्रों के आधार पर)

(5) धात्वादेश

इकाई 2. पाइयसंगहो (पाठ–1 से 14)

(1) सप्रसंग अनुवाद

(2) सप्रसंग व्याख्या

(3) आलोचनात्मक प्रश्न

(4) टिप्पणियां

(5) लघुत्तरात्मक प्रश्न (प्राकृत में उत्तर दिया जाए)

इकाई 3. सिरिकुम्मापुत्तचरियं (सम्पूर्ण)

(1) सप्रसंग व्याख्या

(2) आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4. रचना एवं अनुवाद

(1) प्राकृत (भाषा में) कथा रचना

(2) प्राकृत स्वयं शिक्षक 51–75

उपलब्धियाँ–

1. धातु को होने वाले आदेश जानकर एवं भाव कर्म प्रक्रिया और कृदन्त प्रक्रिया समझकर यथास्थान प्रयोग करेंगे।
2. पाइय संगहो की कथाओं से अवगत होंगे।
3. कुर्मापुत्रचरित्र की जानकारी मिलेगी।
4. प्राकृत में रचनाधर्मिता का अभ्यास बढ़ता रहेगा।

पाठ्यपुस्तक / संदर्भ ग्रन्थ :

1 प्राकृत मार्गोपदेशिका–पं. बेचरदास जीवराज दोषी, मो. ला. ब. दास, दिल्ली 1968
2 प्राकृत व्याकरण (अंग्रेजी)–हेमचन्द्र, प्रकाशक भण्डारकर ओरियण्टल शोध संस्थान, पूना 1980
3 तुलसी मंजरी, युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं 1983.
4 प्राकृत वाक्य रचना बोध–युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं 1991
5 प्राकृत व्याकरण (सिद्धहेमशब्दानुशासनम्–आचार्य हेमचन्द्रकृत) संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित, व्याख्याकार–ज्ञानमुनि
6 सिरिकुम्मापुत्तचरियं, अनंतहंसकृत, अनुवाद डॉ. जिनेन्द्र जैन, जैन अध्ययन एवं सिद्धांत शोध संस्थान, (जबलपुर, म.प्र.)
7 प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास–डॉ. नेमीचन्द्र शास्त्री, ताराबुक एजेन्सी, वाराणसी
8 पाइयसंगहो, संपादक–मुनि विमलकुमार, जैन विश्वभारती, लाडनूं 1983

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA502MN	अहिंसा एवं शांति (अहिंसा और शांति आंदोलन)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester-V

उद्देश्य–

1. शांति आंदोलनों एवं संगठनों की जानकारी देना।
2. विभिन्न संस्थाओं के कार्यों की जानकारी देना।
3. भारतीय व पाश्चात् आन्दोलन को परिचित करवाना।

अ. संस्थान एवं संगठन

इकाई–1 संयुक्त राष्ट्र एवं उसके अभिकरण

ब. आंदोलन

इकाई–2 पगवास आंदोलन, बस आंदोलन, ग्रीनपीस आंदोलन

इकाई–3 भूदान–ग्रामदान, सम्पूर्ण क्रान्ति, सप्तक्रान्ति

इकाई–4 बिश्नोई आंदोलन एवं चिपको, अपिको

उपलब्धियाँ–

1. अहिंसक आंदोलनों की जानकारी प्राप्त कर उनमें सक्रिय सहभागिता का मनोभाव विकसित होगा।
2. भारतीय व पाश्चात्य आन्दोलनों को जानेंगे।
3. संयुक्त राष्ट्रसंघ का विश्व अहिंसा एवं शांति में योगदान को समझेंगे।

पाठ्य पुस्तकें

1. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध–पी. एन. चड्ढा,
2. Stride towards Freedom- Martin Luthar King
3. Encyeclopedia of Peace,
4. Polities Survival- Vandana Sinha

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA503MN	हिन्दी साहित्य (आधुनिक काव्य)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER.V

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को आधुनिक काव्य से परिचित करवाना।
2. विद्यार्थियों को विभिन्न कवियों की काव्यशैली की जानकारी देना।
3. विद्यार्थियों को विभिन्न कवियों की भाषाशैली से परिचित करवाना।
4. विद्यार्थियों को काव्यशास्त्र की सामान्य जानकारी देना।

इकाई–I

1. आधुनिक हिन्दी कविता का उद्‌भव एवं विकास
2. अध्योध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔघ' (कर्मवीर, बृजसंध्या)
3. कवि 'हरिऔघ' का सामान्य परिचय एवं उनकी काव्यगत विशेषताएँ।

इकाई–II

1. मैथिलीशरण गुप्त (सखी वे मुझसे कहकर जाते, भरत कैकयी पश्चाताप, नर हो न निराश करो मन को),
2. रामधारी सिंह 'दिनकर' (रश्मिरथी– प्रथम व पंचम सर्ग)
3. जयशंकर प्रसाद (अशोक की चिन्ता एवं कामायनी के चिन्ता सर्ग से चयनित अंश),
4. महादेवी वर्मा (मधुर–मधुर मेरे दीपक जल, मधुरिमा के मधु के अवतार),
5. इकाई में वर्णित कवियों का सामान्य परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ

इकाई–III

1. सुमित्रानन्दन पन्त (एकतारा, नौका विहार से चयनित अंश)
2. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' (असाध्य वीणा के चयनित अंश),
3. गजानन माधव 'मुक्तिबोध' (जन–जन का चेहरा एक),
4. नरेश मेहता (समय देवता से चयनित अंश)
5. इकाई में वर्णित कवियों का सामान्य परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ

इकाई–IV

1. धूमिल (अकाल दर्शन, मोचीराम)
2. रघुवीर सहाय (शोकसभा, विदाई),
3. त्रिलोचन (एक पहर दिन आया होगा),
4. इकाई में वर्णित कवियों का सामान्य परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी विभिन्न कवियों की लेखनशैली से परिचित होकर अपना मत प्रस्तुत कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी आधुनिक काव्य का परिचय प्राप्त कर स्वयं काव्य रचना का प्रयास कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी स्वयं को भावी प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिये तैयार कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त करेगें।

पाठ्य पुस्तक :

1. आधुनिक काव्य, कैलाश भट्ट, सम्पादक–प्रो. नन्दलाल कल्ला, प्रकाशक–जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय), लाडनूं

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. जयशंकर प्रसाद, आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद
3. निराला की साहित्य साधना (भाग 1,2,3) डॉ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. छायावाद : पुनर्मूल्यांकन सुमित्रानदंन पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. कविता के नये प्रतिमान–डॉ नामवरसिंह राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. अज्ञेय और आधुनिक रचना समस्या, डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास–संपादक डॉ नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, नोयडा
8. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ– डॉ नामवरसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. काव्यशास्त्र– भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. हिन्दी काव्य सिद्धान्त– रामबाबू ज्योति, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर
11. काव्य प्रदीप– रामबहोरी शुक्ल, हिन्दी भवन प्रकाशन, दिल्ली
12. भारतीय काव्यशास्त्र– निशा अग्रवाल, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली
13- साहित्य शास्त्र– डॉ. ओमप्रकाश गुप्त, डॉ. गौवर्धन बंजारा, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

Course Code	Course Title	Croup	Course Category	Credit	C.I.Acontinuous Internal Assessment	Theory	Total
BBOA 504MN	**English Literature (Poetry and Drama)**	**A**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

Semester V

Objectives:

1- To enable the students to understand poems.

2- To familiarize them with Modern Poetry and Problem Play.

3- To acquaint them with the literary terms related to the genres.

Unit I. Two Plays by Tagore

The Sacrifice;

The Post Office

Unit II. Poems from Poet's Pen: (Ed.) Homi P.Dustoor.

Rupert Brooke : The Dead

Wilfred Owen : Anthem for Doomed Youth

John Masefield : The West Wind

WB Yeats : The Second Coming

TS Eliot : Journey of the Magi

Unit III. Poems from **Indian Poetry in English**

Nissim Ezekiel : "Night of the Scorpion"

Nissim Ezekiel : "Very Indian Poem in Indian English"

Gauri Deshpande : The Female of the Species

AK Ramanujan : A River

Keki N Daruwalla : Railroad Riveries

Unit IV: Major Literary Movements

Metaphysical Movement , Oxford Movement , Irish Movement, Renaissance Movement, Reformation, Naturalism , Realism, Modernism, Black Movement, Stream of Consciousness, War Poets

Outcome:

1- The students will be able understand the changing nature of Literature through ages.
2- They will become familiar with various forms of verse and dramatic art.
3- They will be highly motivated to read other compositions and related genres.

Suggested Reading:

1. Prasad, B.*A Background to the Study of English Literature*. Macmillan, 2004.
2. *Poet's Pen*: (Ed.) Homi P.Dustoor. Oxford University Press.
3. *Contemporary Indian Poetry in English:* (Ed.) Saleem Peerandina. MacMillan, New Delhi.
4. *Forms of English Prose*. Oxford University Press, New Delhi.
5. Abraham, M. H. *A Glossary of Literary Terms.* MacMillan, New Delhi.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 505MN	राजस्थानी (राजस्थानी गद्य विधाएँ)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER –V

बी.ए. राजस्थानी साहित्य

सेमेस्टर – पंचम

(अ) राजस्थानी भाशा एवं साहित्य का इतिहास

(ब) राजस्थानी संत साहित्य

(स) राजस्थानी ऐतिहासिक एवं लोककाव्य परंपरा

नोट : उपर्युक्त तीनों विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन करना होगा।

पाठ्यक्रम उद्देश्य उपादेयता एवं अध्ययन क्षेत्र

उद्देश्य एवं उपादेयता

उद्देश्य

राजस्थानी भाषा एवं साहित्य के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम के पंचम सेमेस्टर में विशिष्ट अध्ययन की दृष्टि से पाठ्यक्रम को इस उद्देश्य से संयोजित किया गया है कि विद्यार्थी अपनी अध्ययन की रूचि के अनुसार विकल्प का चयन कर सके। जिन विद्यार्थियों की रूचि राजस्थानी भाषा एवं साहित्य के इतिहास के अध्ययन के सम्बन्ध में होगी वे उस विकल्प का चयन कर सकेंगे। अध्ययन के इस विशिष्ट क्रम में वे उच्च स्तरीय अध्ययन की ओर प्रशस्त होंगे तथा राजस्थानी भाषा और साहित्य के विशिष्ट अध्येता बन सकेंगे।

राजस्थानी की धरती वीरों और सन्तों की रही है। राजस्थान के संतों ने सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में पुनर्जागरण का जो कार्य किया उसका विशिष्ट अध्ययन अभी पूर्णरूपेण नहीं हो पाया है। इस दृष्टि से राजस्थान के संतों का सामाजिक, धार्मिक, दर्शन नया दार्शनिक दृष्टि से इस युग में उनकी प्रासंगिकता को भी रेखांकित किया जा सकेगा।

साहित्य और इतिहास का बहुत सम्बन्ध रहा है। इतिहास ने साहित्य को सामग्री प्रदान की है तो साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से जन–जन तक इतिहास को पहुंचाने का कार्य किया है। राजस्थानी साहित्य की प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्यिक परम्परा में प्रचुर संख्या में ऐसे ग्रंथ हैं जो

सीधे रूप में इतिहास से संबद्ध रहे हैं अथवा उनका या उनके पात्रों का इतिहास से किसी न किसी रूप में जुड़ाव रहा है।

इस प्रकार यह सामग्री, ऐतिहासिक एवं साहित्यिक दृष्टिकोणों से बहुत महत्त्वपूर्ण है।

पंचम सेमेस्टर के तीनों विकल्प अपने आप में राजस्थानी भाषा और परिचय के विशिष्ट क्षेत्रों से जुड़े अध्ययन के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सेमेस्टर – पंचम

विकल्प : (अ) राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास

उद्देश्य

भारतीय भाषा एवं साहित्य परंपरा में राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है। राजस्थानी भाषा और साहित्य की परंपरा गत 1200–1300 वर्षों से गतिमान रही है। लौकिक एवं अभिजात्य साहित्य परंपरा में प्रचुर सामग्री प्राप्त होती है। राजस्थानी भाषा की विकास परंपरा में विभिन्न कालों में जो साहित्य सर्जन हुआ है उसका विशिष्ट अध्ययन करना उद्देश्य रहा है।

राजस्थानी भाषा राजस्थान के निवासियों की मातृभाषा है अतः उस भाषा के विकास परंपरा को समझना आवश्यक है। राजस्थानी साहित्य की विकास परंपरा विविध विषयों से युक्त होकर काव्य एवं गद्य की विभिन्न विद्याओं के साथ गतिशील रही है। इस भाषा और साहित्य का अध्ययन इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत किया जाएगा।

उपादेयता

राजस्थानी भाषा यहां के विद्यार्थियों की मातृभाषा है। मातृभाषा को समझने एवं अपने विचारों को उस भाषा के माध्यम से अभिव्यक्त करने में सहजता रहती है। इस भाषा और साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों दक्षता का संचार होगा तथा राजस्थान की भाषा और साहित्य के अध्ययन का अवसर उन्हें प्राप्त होगा।

विकल्प अ
राजस्थानी भाशा एवं साहित्य का इतिहास

अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थानी भाषा की विकास परंपरा
2. राजस्थानी बोलियां और उनका क्षेत्र
3. मानक भाषा के रूप में राजस्थानी
4. राजस्थान साहित्य की विकास परंपरा, आरंभिक काल, वीरगाथाकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल, परिस्थितियां प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार।

इकाई प्रथम : राजस्थानी भाषा की विकास परंपरा।

इकाई द्वितीय : राजस्थानी भाषा की विभिन्न बोलियां–क्षेत्र एवं विशिष्टताएं

इकाई तृतीय : उपबोली, बोली, विभाषा, भाषा–मानक भाषा के रूप में राजस्थानी

इकाई चतुर्थ : राजस्थानी साहित्य की विकास परंपरा, आरंभिक काल, प्राचीन काल, मध्यकाल (पूर्व मध्यकाल–उत्तरमध्यकाल) परिस्थितियां–प्रवृत्तियां–प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार

इकाई पंचम : आधुनिक राजस्थानी साहित्य गद्य एवं पद्य परंपरा–विभिन्न गद्य विद्याएं एवं काव्य प्रवृत्तियां–विकास के विभिन्न चरण।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी भाषा साहित्य संस्कृति : डॉ हीरालाल माहेश्वरी, आधुनिक पुस्तक भवन, कलकता
3. History of Rajasthani Literature : Dr Hiralal Maheshwari, Sahitya academi, New Delhi
4. राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास : सीताराम लालस, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति : डॉ कल्याणसिंह शेखावत, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
6. राजस्थानी –भाषा और उसकी बोलियां : डॉ देव कोठारी, साहित्य संस्थान, (इंस्टिट्युट ऑफ राज स्टटीज), राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर

सेमेस्टर – पंचम

(ब) राजस्थानी संत साहित्य

उद्देश्य

राजस्थानी लोक में एक दोहा प्रचलित रहा है–

जननी जणै तो भगत जण, कै दाता कै सूर।
नीतंर रैजे बांझडी, मती गमाजै नूर।।

इस दोहे में भक्तों की महिमा का गान किया गया है। कवि माताओं को सम्बोधित करके कहता है माता तुम भक्तों, सन्तों, दाताओं और सूरवीरों को ही जन्म देना अन्यथा अपनी शक्ति को व्यर्थ मत गंवाना। राजस्थान की धरती संतों की धरती है मध्यकालीन धार्मिक पुनर्जागरण में इन संतों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। संतों द्वारा प्रणीत संप्रदायों ने जन–सामान्य में भक्ति का संचार तो किया ही है साथ ही सामाजिक समरसता का संदेश देते–देते अंधविश्वासों और सामाजिक कुरीतियों का भी कड़ा विरोध किया है।

राजस्थान में जितने भी संत हुए हैं उन सन्तों तथा उनके शिष्यों ने साहित्य सृजन कर साहित्य को समृद्ध किया है। लोक भाषा राजस्थानी में रचित यह साहित्यिक संपदा अपने आप में विशिष्ट है। लोक भाषा में रचित इस साहित्य ने जन जागरण में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

उपयोगिता

राजस्थान के संतों ने अपने साहित्यिक सृजन द्वारा धर्म समाज संस्कृति तथा साहित्य की जो सेवा की है उस साहित्य के अध्ययन से उसकी प्रासंगिकता को सिद्ध किया जा सकता है। उस युग में ही नहीं बल्कि आधुनिक युग में भी उनके विचार किस प्रकार उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं उसका ज्ञान होगा।

ब. राजस्थानी संत साहित्य

अध्ययन क्षेत्र

1. मध्यकालीन राजस्थान में धार्मिक परिस्थितियां
2. मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य धार्मिक परिस्थितियों का प्रभाव
3. राजस्थान साहित्य में सगुण एवं निर्गुण भक्ति काव्य परंपरा
4. राजस्थान के प्रमुख संत संप्रदाय एवं उनका क्षेत्र
5. राजस्थानी संत साहित्य की प्रवृत्तियां
6. राजस्थानी संतों का राजस्थानी समाज एवं साहित्य को योगदान

इकाई प्रथम : राजस्थान में धार्मिक आंदोलन–पृष्ठभूमि, परिस्थितियां और प्रभाव

इकाई द्वितीय : मध्यकालीन भक्ति साहित्य धारा, प्रवृत्तियां–सगुण एवं निर्गुण भक्ति एवं भक्ति काव्य परंपरा भक्तिपरक रचनाएं एवं रचनाकार

इकाई तृतीय : राजस्थान के प्रमुख संत सम्प्रदाय

इकाई चतुर्थ : राजस्थानी संत काव्य की विशेषताएं

इकाई पंचम : राजस्थानी संत साहित्य की राजस्थानी साहित्य और समाज को देन।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1 राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया

2 राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ हीरालाल माहेश्वरी

3 जांभोजी और उनका साहित्य : डॉ हीरालाल माहेश्वरी

4 संत कवि दादू : रामबक्स : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

5 संत कवि रज्जब : सं. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

6 मध्यकालीन राजस्थान में धार्मिक आंदोलन, डॉ. पेमाराम : अर्चना प्रकाशन, अजमेर

7 राजस्थान का संत साहित्य : वसुमति शर्मा, प्राच्य विद्या, प्रतिष्ठान, जोधपुर

(स) राजस्थानी ऐतिहासिक एवं लोककाव्य

उद्देश्य

साहित्य और इतिहास का बहुत गहरा सम्बन्ध रहा है। इतिहास ने साहित्य को सृजन की सामग्री प्रदान की है तो साहित्यकारों में अपनी रचनाओं से इतिहास को नवीन रूप में प्रस्तुत कर रोचक और प्रभावशील बनाया है। राजस्थानी साहित्यकारों ने इतिहास से संबंधित रचनाएं प्रस्तुत की हैं, इसके साथ–साथ उनकी कुछ रचनाएं ऐसी भी हैं जिनकी पृष्ठभूमि ऐतिहासिक रही है। इसका प्रमुख कारण यह रहा कि मध्यकाल में अनेक रचनाकार राज्याश्रित रहे हैं। उन्होंने राज्य व्यवस्था को बहुत निकटता से देखा था अतः उनके उस अनुभव से जिस साहित्य का सृजन हुआ वह प्रामाणिक रहा है।

ऐतिहासिक काव्यों के साथ–साथ लोक काव्यों की भी विस्तृत परंपरा राजस्थानी रहे हैं। इन लोक काव्यों के विभिन्न रूप साहित्य में दृष्टिगत होते हैं। इन लोक काव्यों का काल कलेवर और प्रस्तुति बहुत प्रभावी है।

उपयोगिता

इन ऐतिहासिक एवं लोक काव्यों के अध्ययन से न केवल इतिहास के तथ्यों का नवीन स्वरूप में प्रकटन होगा बल्कि उन्हें समझने का अवसर भी प्राप्त होगा।

लोक काव्यों में लोक में नीहित सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक तथ्यों का लौकिक रूप में रोचक ढंग से जो प्रस्तुति होती है उसके अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा।

अध्ययन क्षेत्र

स. राजस्थानी ऐतिहासिक एवं लोककाव्य परंपरा

1. राजस्थानी काव्य परंपरा में ऐतिहासिक काव्य–ऐतिहासिक चरित्र प्रधान काव्य
2. राजस्थानी लोक काव्य परंपरा
3. राजस्थानी प्रमुख ऐतिहासिक एवं लोक काव्यों का परिचय
4. राजस्थानी ऐतिहासिक एवं लोक काव्य में इतिहास, समाज एवं संस्कृति

इकाई प्रथम : राजस्थानी ऐतिहासिक लोक काव्यों की परंपरा, प्रमुख रचनाओं एवं रचनाकारों का परिचय
इकाई द्वितीय : पाठ्यपुस्तक–'गोरा बादिल चरित चउपई' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई तृतीय : 'ढोला मारु रा दूहा' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।
इकाई चतुर्थ : गोरा बादिल चरित चउपई से सप्रंसग व्याख्या
इकाई पंचम : 'ढोला मारु रा दूहा' से सप्रसंग व्याख्या

पाठ्यपुस्तकें

1. ढोला मारु रा दूहा : सं. ठाकुर रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तम दास स्वामी : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर (प्रारंभिक छन्द संख्या 1 से 100 तक व्याख्या हेतु)

1 गोरा बादिल चरित चउपई : सं. मुनि जिन विजय, प्रकाशक : प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (छंद सं. 1 से 101 तक व्याख्या हेतु)

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 506MJ	संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य (कालूकौमुदी)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

- विद्यार्थी BBOA 506 अथवा 507 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

SEMESTER–V (Minor)

उद्देश्य–

1. धातुओं के विभिन्न रूपों की जानकारी देना।
2. खण्डकाव्य की विधि से अवगत करवाना।
3. संस्कृत के प्राचीन व अर्वाचीन इतिहास का ज्ञान करवाना।

इकाई–1 कालू कौमुदी (उत्तरार्द्ध) भ्वादि गण (सूत्र 01 से 199)

1. सूत्रार्थ
2. रूपसिद्धि
3. धातु रूपावली

इकाई–2 निबन्ध रचना बोध

1. अहिंसा
2. महात्मा गांधी
3. ऐतिहासिक महापुरूष – महावीर, बुद्ध, राम
4. मेरा भारत
5. भारत के प्रमुख पर्व

इकाई–3 संस्कृत साहित्य का इतिहास

(क) वैदिक साहित्य– वेदांग, उपनिषद् साहित्य।

(ख) महाकाव्य– रामायण (वाल्मिकी) महाभारत वेदव्यास, रघुवंश, शिशुपालवध, किरातार्जुनीय, प्रमुख जैन महाकाव्य– वरांगचरित, वर्द्धमानचरित, पार्श्वनाथ।

(ग) गद्य काव्य– कादम्बरी, तिलक मंजरी, गद्य चिन्तामणि, शिवराजविजय।

(घ) नाटक साहित्य– भास, कालिदास।

(च) स्तोत्र साहित्य– वैदिक, जैन एवं बौद्ध परम्परा के प्रमुख स्तोत्र।

इकाई–4 (क) अश्रुवीणा (श्लोक 1–50)

1. दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या
2. एक सामान्य प्रश्न

(ख) अभिधान चिन्तामणि छठा काण्ड (श्लोक–121 से 150)

1. दो श्लोक पूर्ति
2. दो शब्दों के संस्कृत में पर्यायवाची
3. पांच शब्दों के अर्थ

उपलब्धियाँ–

1. संस्कृत साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।
2. संस्कृत में रचना करने का नूतन अभ्यास होगा।
3. धातु–रूपों की प्रक्रिया का ज्ञान करेगा।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थ :

1. कालु कौमुदी, आदर्श साहित्य संघ, चूरू
2. वाक्य रचना बोध, लेखक–आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
3. अश्रुवीणा, सम्पादक डॉ. हरिशंकर पाण्डेय, जैन विश्वभारती, लाडनूं
4. अभिधान चिन्तामणि, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
6. संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, वाचस्पति गरोला, वाराणसी
7. संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास, कृष्ण चैतन्य, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
8. संस्कृत वाङ्मय कोश–श्रीधर भास्कर वर्णेकर
9. संस्कृत के विकास मे जैन कवियों का योगदान–डॉ. नेमीचन्द्र शास्त्री

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 507MJ	संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य (लघुसिद्धांत कौमुदी)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

- विद्यार्थी BBOA 506 अथवा 507 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

SEMESTER–V **(Minor)**

उद्देश्य–

1. धातुरूप से संस्कृत भाषा की क्रिया संबंधी जानकारी देना।
2. धातुओं के विभिन्न रूपों की जानकारी देना।
3. खण्डकाव्य की विधि से अवगत करवाना।

इकाई–1 लघुसिद्धान्त कौमुदी को भ्वादि गण से जुहोत्यादि गणतक (सूत्र 373 से 628 तक)

1. सूत्रार्थ 2. रूपसिद्धि 3. धातु रूपावली

इकाई–2 रचनानुवाद कौमुदी(पाठ 41 से 50)

1. संस्कृत से हिन्दी अनुवाद
2. हिन्दी से संस्कृत अनुवाद
3. शब्दार्थ

इकाई–3 संस्कृत साहित्य का इतिहास

(क) वैदिक साहित्य– वेदांग, उपनिषद् साहित्य।

(ख) महाकाव्य– रामायण (वाल्मिकी) महाभारत वेदव्यास, रघुवंश, शिशुपालवध, किरातार्जुनीय, प्रमुख जैन महाकाव्य– वरांगचरित, वर्द्धमानचरित, पार्श्वनाथ।

(ग) गद्य काव्य– कादम्बरी, तिलक मंजरी, गद्य चिन्तामणि, शिवराजविजय।

(घ) नाटक साहित्य– भास, कालिदास।

(च) स्तोत्र साहित्य– वैदिक, जैन एवं बौद्ध परम्परा के प्रमुख स्तोत्र।

1. दो प्रश्न/दो टिप्पणी

इकाई–4 अश्रुवीणा (50 श्लोक) एवं अभिधान चिन्तामणि नाममाला (121 से 150)

अश्रुवीणा

1. दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या
2. एक सामान्य प्रश्न

अभिधान चिन्तामणि

1. दो श्लोक पूर्ति
2. दो शब्दों के संस्कृत में पर्यायवाची
3. पांच शब्दों के अर्थ

उपलब्धियाँ–

1. विभिन्न धातुओं के अर्थ आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
2. संस्कृत की ऐतिहासिकता की जानकारी प्राप्त होगी।
3. काव्य रचना की नवीन विद्या का ज्ञान होगा।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थ :

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी, श्रीवरदाजकृत, संपादक–महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्या भवन, दिल्ली
2. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, आचार्य विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. अश्रुवीणा, आचार्य महाप्रज्ञ, सम्पादक डॉ. हरिशंकर पाण्डेय, जैन विश्वभारती, लाडनूं
4. अभिधान चिन्तामणि, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
6. संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, वाचस्पति गरोला, वाराणसी
7. संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास, कृष्ण चैतन्य, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
8. संस्कृत वाङ्मय कोश–श्रीधर भास्कर वर्णेकर
9. संस्कृत के विकास मे जैन कवियों का योगदान–डॉ. नेमीचन्द्र शास्त्री

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 509MJ	राजनीति विज्ञान (प्रमुख पाश्चात्य राजनीतिक विचारक)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER– V

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को पाश्चात्य राजनीतिक विचारकों की विचारधाराओं से अवगत कराना।
2. विभिन्न विचारकों के दर्शन की वर्तमान में प्रासंगिकता बताना।
3. विभिन्न विचारकों का तुलनात्मक अध्ययन कर विद्यार्थियों को नये आयाम देना।

इकाई–1

प्लेटो : न्याय सिद्धांत, साम्यवाद का सिद्धान्त, शिक्षा–सिद्धान्त एवं आदर्श राज्य का सिद्धांत, अरस्तु प्रथम वैज्ञानिक विचारक, दासता, क्रान्ति और नागरिकता सम्बधी विचार।

इकाई–2

थॉमस एक्वीनास के प्रमुख राजनीतिक विचार एवं कानून का सिद्धांत, मैकियावली के प्रमुख राजनीतिक विचार एवं प्रथम आधुनिक राजनीतिक विचारक के रूप में।

इकाई–3

थॉमस हाब्स, जॉन लॉक एवं जीन जैक्स रूसो का सामाजिक समझौता सिद्धांत और उनके विचारों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–4

जैरेमी बैंथम तथा उसका उपयोगितावाद का सिद्धांत, जे. एस. मिल के स्वतंत्रता सम्बन्धी विचार और बैन्थम के उपयोगितावाद में उसके द्वारा प्रस्तावित संशोधन, कार्ल मार्क्स : इतिहास की आर्थिक व्याख्या, वर्ग संघर्ष का सिद्धान्त। हैरल्ड जे. लास्की के प्रमुख राजनीतिक विचार।

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी पाश्चात्य विचारकों के दर्शन को जान सकेंगे।
2. विद्यार्थी प्राचीनकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल में बदलते विचारकों के दर्शन को जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्तों को समझ सकेंगे।

पाठ्यपुस्तक / संदर्भ ग्रंथः

1. Hacker : Political Theory.
2. G.H. Sabine : History of Political Theory.
3. C.Wayper : Political Thought.
4. Foster : Masters of Political Thought Vol. I.
5. Jones : Masters of Political Thohght Vol.II.
6. Lancaster : Masters of Political Thought Vol. III.
7. Sukhbir Singh : A History of Western Political Thought- Vol. I and II.
8. के. एन. वर्मा–पाश्चात्य राजनीतिक विचारधाराएं, भाग 1–3।
9. बी.एल. फडिया–प्रमुख प्रतिनिधिक पाश्चात्य राजनीतिक विचारक, कॉलेज बुक हाउस, जयपुर।
10. पुखराज जैन–प्रमुख पाश्चात्य राजनीतिक विचारक, साहित्य भवन, पब्लिकेशन्स, आगरा।

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 510MJ	(जीवन–विज्ञान) जीवन विज्ञान का आध्यात्मिक एवं मनोवैज्ञानिक आधार	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

सेमेस्टर –V

सैद्धान्तिक भाग

उद्देश्य–

1. मनोविज्ञान का अध्ययन करना।
2. बुद्धि एवं इसकी अभिवृद्धि को समझना।
3. भाव, संवेग एवं अभिप्रेरणा को जानना।
4. व्यक्तित्व विकास एवं जीवन–विज्ञान के सम्बन्ध को जानना।

BH$mB©-I : eara Ed§ BpÝÐ` : _Zm{d¡kmoZH$ Ed§ AmÜ`mpË_H$ AmYma

* OrdZ odkmZ : ñdê$[

* _Zm{odkmZ : ñdê$[

* eara : _Zm{d¡kmoZH$ AmYma

* eara : AmÜ`mpË_H$ AmYma

* BpÝÐ` : _Zm{d¡kmoZH$ AmYma

* BpÝÐ` : AmÜ`mpË_H$ AmYma

BH$mB©-2 : ídmg, oMÎm Am¡a _Z: _Zm{d¡kmoZH$ Ed§ AmÜ`mpË_H$ AmYma

* ídmg : _Zm{d¡kmoZH$ AmYma

* ídmg : AmÜ`mpË_H$ AmYma

* oMÎm Am¡a _Z : _Zm{d¡kmoZH$ AmYma

* oMÎm : AmÜ`mpË_H$ AmYma

* _Z : AmÜ`mpË_H$ AmYma

* _mZogH$ ñdmñÏ` H{$ gyÌ

BH$mB©-3 :]woÕ Am¡a AdYmZ : _Zm{d¡kmoZH$ Ed§ AmÜ`mpË_H$ AmYma

*]woÕ : _Zm{d¡kmoZH$ AmYma

*]woÕ : àH$ma, ogÕmÝV,]woÕ-bpãY,]woÕ Ao^d¥oÕ

*]woÕ : AmÜ`mpË_H$ AmYma

* AdYmZ : ñdê$[, àH$ma

* AdYmZ H$s XemE±, _hÎd, od¿Z Ed§ à{jmÜ`mZ

BH$mB©-4 भाव एवं संवेग _Zm{d¡kmoZH$ Ed§ AmÜ`mpË_H$ AmYma

* ^md Ed§ g§d{J : _Zm{d¡kmoZH$ Ñoï>H$m{U

* g§d{J : emarnaH$ [nadV©Z

* ^md : AmÜ`mpË_H$ AmYma

* Ao^à{aU : _Zm{d¡kmoZH$ AdYmaUm

* g§Kf© : _Zm{d¡kmoZH$ AdYmaUm

* g§Kf© g_mYmZ _| OrdZ-odkmZ H$s ^yo_H$m

उपलब्धियाँ–

1. जीवन के विभिन्न पहलुओं की मनोवैज्ञानिक व्याख्या के परिचित हो सकेंगे।
2. बुद्धि अभिवृद्धि में ध्यान की भूमिका के परिचित हो सकेंगे।
3. जीवन में सफलता के लिये अभिप्रेरणा की महत्ता को जान सकेंगे।
4. प्राण शक्ति को बढ़ाने की प्रक्रिया को जान सकेंगे।

प्रायोगिक –

1 आसन– नौकासन, मार्जारि आसन, सेतुबन्ध आसन, गरूड़ासन
2 प्राणायाम– भस्त्रिका, कपालभाति
3 बन्ध–मूल बन्ध, जालंधर बन्ध, उड्डीयान बन्ध
4 अनुप्रेक्षा– स्वावलम्बन, आत्मानुशासन
5 चैतन्य केन्द्र

पाठ्यपुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. तुम स्वस्थ रह सकते हो– आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं, 2004
2. व्यक्तित्व विकास और योग– डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

3. जीवन विज्ञान की रूपरेखा– संपादक मुनि धर्मेश कुमार, जैन विश्वभारती, लाडनूं
4. जीवन–विज्ञान प्रायोगिक– डॉ. अशोक भास्कर, जैन विश्वभारती, लाडनूं
5. सामान्य मनोविज्ञान–अरूण कुमार सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 510MJ	Yoga and Science of Living *Spiritual and Psychological Foundation of Science of Living*	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER-V

Objective

1. To study psychology.
2. To understand development of intelligence.
3. To know motivation, emotion and impulse.
4. To know the relationship between science of living and personality development.

Unit- 1 : **Body and Senses Organs : Psychological and Spiritual Basis**

- Science of Living : Nature
- Psychology : Nature
- Body : Psychological basis
- Body : Spiritual basis
- Sense Organs : Psychological basis
- Sense Organs : Spiritual basis

Unit-2 : **Breath Psyche and Mind : Psychological and Spiritual Basis**

- Breath: Psychological basis
- Breath : Spiritual basis
- Psyche and Mind : Psychological basis
- Psyche : Spiritual basis
- Mind : Spiritual basis
- Formulas of Mental Health

Unit-3 : **Intelligence and Attention : Psychological and Spiritual Basis**

- Intelligence : Psychological basis
- Intelligence : Types, Principles, Intelligenc Quotient (I.Q.) Development of Intelligence
- Intelligence : Spiritual basis
- Attention : Nature and Type
- Attention of Stage , Importance, obstacles and Preksha Medittion

Unit-4 : **Emotions Impulses and Motivation : Psychological and Spiritual Basis**

- Emotions and Impulses : Psychological Perspective
- Impulses : Physical Changes

- Emotion : Spiritual basis
- Motivation : Psychological Concept
- Conflict : Psychological Concept
- Role of of Sciece of Living in Conflict Solution

Real Learning outcomes:-

1. Students will be able to know the psychological interpretation of life.
2. Students will be able to understand role of meditation in developing intelligence.
3. They will be able to know significance of motivation to succession life.
4. They will be able to know the power of pran shakti.

Practical part

1. Asan- Noukasan, marjari Asan, Setubandh Asan, Garudasan
2. Pranayam - Bhastrika, Kapalbhati
3. Bandh-Moolbandh, Jalandharbandh, Uddiyanbandh
4. Anupreksha - Swavlamban, Aatmanushasan
5. Chatenya Kendra

पाठ्यपुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. Tum Swasth rah Sakte ho - Acharchya Mahapragya, Jain Vishva Bharati, Ladnun, 2004
2. Vaktitav Vikas aur Yoga - Dr. Samani Rijupragya, Jain Vishva Bharati Institute, Landun
3. Jeevan Vigyan ki Ruuprekha - Muni Dharmesh Kumar, Jain Vishva Bharati Institute, Landun
4. Jeevan Vigyan Prayogik - Dr. Ashok Bhaskar, DDE, Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun
5. Samanaya Manovigyan - Arun Kumar Singh, Motilal Banirshidas, Delhi

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 511MJ	Social Work (Social Work Research and Statistics)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester – V

Objectives:

1. To develop a scientific approach for systematic procedure in social work research
2. Acquire understanding about the nature and steps in the research process.
3. Develop theoretical knowledge about the different methods and tools in social work research.
4. Acquire skills and knowledge in the use of appropriate statistical methods in research.

Unit-1: Social Work Research: Concept and Methods

Social Work Research: Concept, Definition, Nature, Scope & Purpose, Steps in Social

Work Research, Methods of Social Work Research: Induction, Deduction, Qualitative, and Quantitative, Historical, Comparative and Evaluative Methods and Techniques, Formulation and Selection of the Research Problem, Participatory Research.

Unit-2: Hypothesis

Hypothesis: Concept, Types & Significance, Research Design: Concept, Types & Significance, Sampling: Concept, Types & Significance

Unit-3: Data Collection

Source of Data Collection: Field & Documentary, Tools of Data Collection: Interview Guide, Interview Schedule, Observation Guide & Questionnaire, Methods of Data Collection: Interview, Questionnaire, Observation & Case Study

Unit-4: Measurement and Statistics

Measurement & Scaling, Processing of Data: Editing, Coding, Tabulation, Graphical & diagrammatic Representation, Analysis & Interpretation of Data and Report writing. Importance of Statistics in social work research, Measures of central tendency, Measures of dispersion, Measures of correlation.

Outcome-

1. Student will develop a scientific approach for systematic procedure in social work research
2. Student will understand about the nature and steps in the research process.
3. Student will Develop theoretical knowledge about the different methods and tools in social work research.
4. Student will acquire skills and knowledge in the use of appropriate statistical methods in research.

Suggeted Reading :

1 Goode, W. J. and Hatt, P.K. Methods in Social Research. New York: MacGraw Hill 1952

2 Polansky, Norman A. Social Work Research: Methods for the Helping Professions. Chicago: University of Chicago Press 1975.

3 Mukherjee, Ramkrishna Classification in Social Research. Albany: State University of New York Press. 1983.

4 Ramachandran, P.; Naik, R. D. Research in Social Work, In Encyclopedia of Social Work in India (Vol. 2, pp. 386-394), New Delhi: Ministry of Social Welfare, Government of India 1987.

5 Kerlinger, F. N. Foundation of Behavioural Research. Bombay: Himalayan Publication 1988.

6 Siegel, Sidney; Castellan, N. John. Nonparametric Statistics for the Behavioural Sciences. New York: McGraw Hill 1988.

7 Foster, J.J. Data Analysis Using SPSS for Windows: A Beginners Guide. New Delhi: Sage Publications. 1998.

8 Kirk, Stuart A Social Work Research Methods: Building Knowledge for Practice. Washington, D.C.: NASW Press. 1999.

9 Coolidge, Frederick L. Statistics: A Gentle Introduction. New Delhi: Sage Publications. 2000.

10 Hinton, Perry R. Statistics Explained: A Guide for Social Science Students, London: Routledge. 2004.

11 Grinnel, Richard M.; Unrau, Yvonne A. Social Work Research and Evaluation: Quantitative and Qualitative Approaches. New Delhi: Oxford University Press 2005.

12 Gupta, S. P. Statistical Methods. New Delhi: Sultan Chand & Sons 2006.

13 Hugh, Mc Laughlin Understanding Social Work Research. New Delhi: Sage Publications 2007.

14 Rubin, Allen; Babbie, Earl R. Belmont: Brooks/Cole Cengage 2011.

15 डॉ. सिंह, सुरेन्द्र, सामाजिक अनुसंधान, उत्तरप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ 1975

16 प्रो. सिन्हा, सच्चिदानन्द, भारत में समाज मनोविज्ञान के क्षेत्र में शोध कार्य की स्थिति, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर 1983

17 डॉ. सिंह, श्यामधर, वैज्ञानिक सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण के मूल तत्व, कमल प्रकाशन, इंदौर 1995

18 नाटाणी, प्रकाश नारायण,, सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण, पोइन्टर पब्लिशर्स, जयपुर 2000

19 डॉ. मुकर्जी, रविन्द्रनाथ, आठवां संस्करण, सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली–7 (2003)

20 सामाजिक सर्वेक्षण एवं अनुसंधान, हरीकिशन, एटलांटिक पब्लिशर्स, नई दिल्ली 2009

21 डॉ. कपिल एच.ए. अनुसंधान विविधा, एच.पी. भार्गव बुक हाऊस, 1/230, कचहरी घाट, आगरा–282004 (2009)

22 डॉ. त्रिवेदी, आर.एन., एवं डॉ. शुक्ला, डी.पी., रिसर्च मैथोडोलोजी, कॉलेज बुक डिपो।

23 डॉ. लवानिया, एम.एम., एवं जैन शशी के., समाजशास्त्रीय अनुसंधान की तर्क और विधियां, रिसर्च पब्लिकेशन, नई दिल्ली, जयपुर।

24 डॉ. सिन्हा, सावित्री एवं डॉ. स्नातक विजेन्द्र, अनुसंधान की प्रक्रिया, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।

Semester V

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory+ Practical	Total
BBOA512MJ	Java Programming	C	Core Course (CC)	4	30	50+20	100

Objective:
This paper will familiarize the students with programming language Java and students will be able to write programs in Java.

Unit I
Algorithms and Flowcharts to Solve Problems, Flow Chart Symbols, Basic algorithms/flowcharts for sequential processing, decision based processing and iterative processing. Some examples like: Exchanging values of two variables, summation of a set of numbers, ,GCD (Greatest Common Division) of two numbers, Test whether a number is prime, factorial computation, Fibonacci sequence, sum of a series, , Find largest number in an array,, etc.

Unit II
Introduction to Java: Bytecode, features of Java, data types, variables and arrays, operators, control statements. Objects & Classes: Object Oriented Programming, defining classes, static fields and methods, object construction

Unit III
Inheritance: Basics, using super, method overriding, using abstract classes, using final with inheritance.

Unit IV
Packages and Interfaces: Defining a package, importing package, defining an interface, implementing and applying interfaces. Exception Handling: Fundamentals, exception types, using try and cache.

Outcome:
Students will be able to write programs using JavaScript.

Reference Books/Web Sites

1. Programming with JAVA, E Balagurusamy, McGraw Hill Educaion,2019
2. Java 8 Programming Black Book, DT Editorial Services ,Dreamtech Press,2015
3. https://www.javatpoint.com/java-tutorial
4. https://www.tutorialspoint.com/java/index.htm

Practical:
Writing programs using Java language.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA513 MJ	Psychology (PERSONALITY PSYCHOLOGY)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER – V

Objective :

1. To understand the concept of personality
2. To understand the determinants of Personality

Unit-I: Introduction

Concept of personality

Role of heredity and learning in personality development.

Elements of personality Pattern : The concept of self and the concept of trait

The concept of personality syndrome

Unit-II: Biological Determinants of Personality :

Genetic influence on personality

Mendel's genetic laws

The law of dominant and recessive traits

The chromosomes and heredity

Prenatal development

Unit-III: Familial Determinants of Personality :

Early Familial Life and Personality

Influence of Parental Behavior

Parental Deprivation

Effect of broken Home

Dynamics of Parent Child Relationship

Unit-IV: Social Determinants of Personality :

Personality and Social Behavior

Dependency and Aggression

Moral development and its stages

Out comes :

1. Student know the concept of personality
2. Student know different determinants of Personality

Books :

1. Corsini & Marsella : Personality Theories, Researcha an Assessment.
2. Ewen : An Introduction to Theories of Personality (2nd ed.).
3. Aradhna Shukla : Vyaktitwa :Sampratyay, Nirdharak aur Siddhant
4 Hurlock : Development of Personality.
5 Stagner : Determinants of Personality.

PRACTICALS (Any Three)

(1) Measuring the level of frustration

(2) Measuring self concept

(3) Measuring the level of well being

(4) Assessment of mood states

(5) Measuring the level of locus of control

Note :- The department may change the practical depending on the Availability of the apparatus and recent developments.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 514MJ	**इतिहास (आधुनिक भारत का इतिहास)**	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER– **V**

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को आधुनिक भारतीय इतिहास का ज्ञान प्रदान करना।
2. ब्रिटिश भू–राजस्व व्यवस्था से परिचित करवाना।
3. भारतीय पुनर्जागरण का ज्ञान प्रदान करना।
4. राष्ट्रीय आन्दोलन के महत्त्व को बताना।
5. भारतीय संविधान की जानकारी प्रदान करना।

ईकाई–1

पानीपत का तृतीय युद्ध–कारण एवं परिणाम। बंगाल में ब्रिटिश सत्ता की स्थापना। प्रशासनिक परिवर्तन (1772–1793 ई)। आंग्ल मराठा संघर्ष–(महादजी सिधिंया व नाना फड़नवीस) मराठों की असफलता के कारण। ब्रिटिश सत्ता के अधीन नवीन भू–राजस्व व्यवस्था–स्थायी बंदोबस्त, महलवाडी व्यवस्था एवं रैयत्तवाडी व्यवस्था एवं किसानों पर प्रभाव।

ईकाई–2

1857 का विद्रोह– कारण, प्रकृति एवं परिणाम। भारतीय पुनर्जागरण– राजा राममोहन राय, दयानन्द सरस्वती एवं स्वामी विवेकानन्द का सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में योगदान। भारतीय राष्ट्रीयता के उदय के कारण। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना।

ईकाई–3

भारत सरकार के अधिनियम एवं उनकी मुख्य विशेषताएँ–1909, 1919 एवं 1935 के अधिनियमों के विशेष सन्दर्भ में। 1920 से 1947 के मध्य भारतीय स्वतन्त्रता आंदोलन–असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं भारत छोड़ो आंदोलन।

ईकाई–4

साम्प्रदायिक राजनीति का विकास। भारत का विभाजन और भारत की स्वतन्त्रता में सहायक तत्त्व। भारतीय संविधान एवं मुख्य विशेषताएं। 1947 से 1950 तक भारत का एकीकरण व समस्या एवं समाधान।

उपलब्धियाँ–

1. ब्रिटिश शासन के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन कर पायेंगे।
2. राजाराममोहनराय, दयानंद सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद आदि के जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर अपने व्यक्तित्व का विकास कर पायेंगे।
3. भारतीय संविधान एवं राष्ट्रीय आंदोलन के आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त कर पायेंगे।

पाठ्यपुस्तक/संदर्भ ग्रंथ :

1. भार्गव, डॉ. वी.एस.–आधुनिक भारत का इतिहास रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर।
2. नागौरी, डॉ.एस.एल.–आधुनिक भारत का राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास।
3. शुक्ल, रामलखन–आधुनिक भारत का इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयननिदेशालय, नई दिल्ली।
4. ग्रोवर, बी.एल. एवं यशपाल–आधुनिक भारत का इतिहास।
5. चन्द्रा, विपिन–आधुनिक भारत।
6. सरकार, सुमित–आधुनिक भारत।

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory+ Practical	Total
BOA514	Geography (Geography of India)	C	Core Course (CC)	4	30	50+20	100

*** Note – Stencils and simple calculator are permitted in theory and practical examination.**

Semester-V

Objectives -

1. To provide thorough knowledge about Geography of India.

Unit - I

a) Location
b) Geology
c) Detailed Study of Physiographic divisions
d) Climate: Seasons and Mechanism of Indian Monsoon

Unit – II

a) Major Climatic Regions: General Classification & Classification as per Koppen&Thornthwaite
b) Natural Vegetation : Type and their distribution
c) Water Resources: Rivers, Lakes, Ponds, Wells, Tubewells, Canals and Dams
d) Mineral Resources: Types, Distribution and Production (Iron Ore, Mica, Uranium, Natural Gas)

Unit – III

a) Energy Resources: Types, Distribution and Production (Wind Power, Coal, Nuclear Power, Hydropower, Biogas, Tidal Energy)
b) Agriculture Resources : Types, Distribution and Production of Major Crops
c) Human Resources: Population Growth, Distribution general and category(rural- urban, male-female, Literacy, Occupation, ST-SC-OBC).

Unit-IV

a) Industries : Introduction,Factors, Distribution, Production and Trade of Textile, Salt, Cement, Marble, Fertilizer, Zinc and Copper Smelting and Tourism
b) Transport & Trade: Roads, Rails, Airways
c) Industrial Regions of India & Resource Regions of India
d) India in context of South and South East Asia

Practical

1. Map Projection: (Graphical Construction)Definition, Classification,Characteristics and Uses
2. Conical Projections:With One Standard Parallel, With Two Standard Parallels, Bonne's and Polyclinic Projection
3. Cylindrical Projections:Equidistant, Equal Area, Mercator's and Gall's Projection
4. Zenithal Projections: Perspective and Non-Perspective

a) Introducing Remote Sensing, Development of R.S. with reference to Indian Satellites and Interpretation of One Aerial Photograph
b) Theoretical& Practical Knowledge of GPS
c) Syllabi Field Trip: Within Rajasthan, Field Trip and Report

Outcomes-

1. With overall climatic condition of India, Students can adopt themselves in various part of the country
2. Students Can contribute to the economic growth of the country.

Suggested Books :

1. भारतकाभूगोल, डॉ. एल.एन. सक्सेना, हिन्दीग्रंथअकादमी, जयपुर 2016
2. गौडकृपाशंकर : भारत की भौगोलिकसमीक्षा, हिन्दीप्रचारपुस्तकालय, वाराणसी
3. मामोरियाचतुर्भुज : भारतकाआर्थिकभूगोल, आगराबुकस्टोर, आगरा
4. तिवारीविश्वनाथ : भारतकावृहद् भूगोल, रामप्रसाद एण्ड सन्स, आगरा
5. चौहान, वीरेन्द्रसिंह : विषालभारत, रस्तोगी एण्ड कम्पनी, मेरठ
1. चौहान, तेजसिंह : भारतकाभूगोल, विज्ञानप्रकाशन, जयपुर

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA516MJ	**Jainology (ज्ञानमीमांसा और प्रमाणमीमांसा)**	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER– **V**

उद्देश्य–

1. ज्ञान सिद्धान्त को समझाना।
2. न्याय प्रणाली को समझाना।

इकाई–1 ज्ञान का स्वरूप एवं भेद

मतिज्ञान–स्वरूप एवं भेद, श्रुतज्ञान–स्वरूप एवं भेद

इकाई–2 अवधिज्ञान–स्वरूप, विषय, भेद, मनः पर्यवज्ञान– स्वरूप,

विषय, अधिकारी, भेद, केवलज्ञान

इकाई–3 न्याय का स्वरूप एवं उसके अंग, अर्थसिद्धि, लक्षण, लक्षणाभास, प्रमाण का स्वरूप एवं भेद, प्रत्यक्ष प्रमाण–प्रत्यक्ष का लक्षण, समन्वय का फलित रूप, सांव्यवहारिक एवं पारमार्थिक प्रत्यक्ष, प्रामाण्य का निश्चय, प्रमेय, प्रमाता एवं प्रमिति

इकाई–4 परोक्ष प्रमाण–स्वरूप, भेद– स्मृति, प्रत्यभिज्ञान, तर्क, अनुमान और आगम

उपलब्धियाँ–

1. जैन न्याय के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।
2. जैन ज्ञानमीमांसा से परिचय होगा।
3. यौक्तिक परीक्षा की क्षमता का विकास होगा।
4. प्रत्यक्ष एवं परोक्ष प्रमाण की जानकारी होगी।

पाठ्यपुस्तक/संदर्भ ग्रन्थः

1. जैन ज्ञान एवं प्रमाण मीमांसा– डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
2. जैन दर्शन मनन और मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, आदर्श साहित्य संघ, चूरू

3. जैन दर्शन– पं. महेन्द्र कुमार जैन न्यायाचार्य, गणेशवर्ण शोध संस्थान, वाराणसी

4. जैन न्याय– पं. कैलाशचन्द शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA5 17MJ	**Jain and other Philosophoies (नीतिशास्त्र)**	**C**	**Core Compulsory (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER- **V (Major)**

उद्देश्य–

1. जैन दर्शन एवं जैनेतर भारतीय दर्शनों के पूर्व पक्ष एवं उत्तर पक्ष की जानकारी देना।
2. तार्किक क्षमता का विकास करना।
3. नीतिशास्त्र का परिचय देना।

इकाई–1 नीतिशास्त्र का स्वरूप एवं क्षेत्र

यूनानी नैतिक दर्शन (सुकरात, प्लेटो, अरस्तू)

इकाई–2 स्वार्थवाद एवं सुखवाद, उपयोगितावाद (बेन्थम, मिल, सिजविक)

इकाई–3 विकासात्मक नैतिक सिद्धान्त (हर्वर्टस्पेन्शर) आत्मपूर्णतावाद (हेगल) अन्तः प्रज्ञावाद (बटलर), कांट का नैतिक दर्शन, संकल्प स्वातंत्र्य एवं दण्ड के सिद्धान्त

इकाई–4 भारतीय नीतिशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त

क. पुरुषार्थ चतुष्टय **घ. गीता का निष्काम कर्मयोग**

ख. जैन–त्रिरत्न **च. गांधी–एकादश व्रत**

ग. आचार्य भिक्ष–अहिंसा, अनुकम्पा, साध्य–साधन के विविध पहलू

उपलब्धियाँ–

1. पाश्चात्य नीतिशास्त्रीय अवधारणा से परिचित होंगे।
2. भारतीय नीतिशास्त्रीय अवधारणा से परिचित होंगे।
3. विभिन्न पाश्चात्य दार्शनिकों के नैतिक विचारों से अवगत होंगे।
4. विभिन्न भारतीय दार्शनिकों के नैतिक विचारों से अवगत होंगे।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थ :

1. नीतिशास्त्र – प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, यू.बी.एच., जयपुर
2. नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त– वेदप्रकाश वर्मा
3. नीतिशास्त्र के रूपरेखा– अशोक कुमार वर्मा
4. भिक्षु विचारदर्शन, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूँ
5. जैन तत्त्व मीमांसा और आचार मीमांसा, प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

1. भारतीय नीतिशास्त्र, देवाकर पाठक (अध्याय 2,3,6)

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuums Internal Assessment)	Project Formation	Project Presentation	Total
BJVB502MJ	**Project : Formation and Presentation-Innovation**	**A**	**Core Course**	**4**	**30**	**50**	**20**	**100**

SEMESTER-V

Objective:-

Students will have basic understanding of:-

- What is the project its characteristics and type.
- Planning and Executing a Project.
- Project Report Writing.
- Presenting the Project.

Unit I -Introduction

- What is a Project?
- Characteristics of Project
- Types of Project
- Key Terms-Project Scope, Project Stakeholder, Project Deliverables, Project Milestone, Project Dependencies
- Project Management

Unit II- Planning and Executing a Project

- Project Plan & its Need
- Steps For An Effective Project Planning& Execution
- Creating a Project

Unit III -Report Writing

- What is a Project Report?
- Importance of Project Report
- Types of Project Report
- Steps for Creating Project Report
- Project Report Writing

Unit IV- Presenting the Project

- Importance of Properly Presented Project
- Steps for Presentation
- Presenting the Project

Outcomes:-

After completing the course students will be able to draft, plan, execute, present a project and will submit it in form of report.

References books:-

1. The Presentation Book - How to Created, Shape it and Delivered it, Emmaledden, Pearson Business : 2nd Edition 19 Jan., 2017.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	Proposal Formulation	Feild Work	Viva-Voce	Total
BJVB503SI	**INTERNSHIP**			**4**	**25**	**50**	**25**	**100**

SEMESTER-V

1. For Internship student will select School, Govt. Hospital, Panchayat Center, Village or any Social Institutions where they will learn, teaching skills, cleaning skills, leadership skills, Programme Planning and Execution skills etc.
2. Student will make a proposal under guidance of her teacher at first stage of Internship (25 Marks).
3. As per the proposal they will execute their task at different institutions (50 Marks).
4. Internship duration will be of 30 days (two hours daily).
5. After the completion of internship student will submit the certificate from concerned institution to AKKM office.
6. Viva voce will be conducted for students (25 Marks).
7. There is no theory examination.
8. This internship paper contains 4 credits (1 credit for proposal formulation, 2 credits for feild work and 1 credit for viva-voce.

Semester VI

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assessment)	Theory + Practical	Total
BBOA 601MJ	Agam Vidya Evam Prakrit Sahitya	(Only One Course From Each Group) **A**	**Core Course (Any One)**	**4Z**	**30**	**70**	**100**
BBOA 602MJ	Non-violence & Peace						
BBOA 603MJ	Hindi Literature						
BBOA 604MJ	English Literature						
BBOA 605MJ	Rajasthani Literature						
BBOA 606MN	Any One 1. Sanskrit Literature (Kalu Komudi) 2. Sanskrit Literature (Ladhu Sidhant Komudi)	**B**	**Core Course (Any One)**	**4**	**30**	**70**	**100**
BBOA 607MN							
BBOA 609MN	Political Science						
BBOA 610MN	Science of Living					**50+20**	
BBOA 611MN	Social Work					**70**	
BBOA 612MJ	Information Technology	**C**	**Core Course (Any One)**	**4**	**30**	**50+20**	**100**
BBOA 613MJ	Psychology					**50+20**	
BBOA 614MJ	History					**70**	
BBOA 615MJ	Geography					**50+20**	
BBOA 616MJ	Jainology					**70**	
BBOA 617MJ	Jain and other philosophies						
BJVB601MJ	System of Indian Philosophy			**4**	**30**	**70**	**100**
BJVB602MJ	Indian culture						
			Total	**16**	**120**	**280**	**400**

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA601MJ	**आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य (प्राकृत भाषा व्याकरण एवं साहित्य)**	**A**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER–**VI (Major)**

उद्देश्य–

1. शौरसेनी, मागधी, पैशाची, चूलिका पैशाची एवं अपभ्रंश प्राकृत पढ़ाना।
2. पाइयसंगहो पढ़ाना।
3. निबंध रचना का अभ्यास कराना।

इकाई 1. तुलसी मंजरी (सूत्र 928 से 1116)

(1) रूप सिद्धि

(2) सूत्र तथा पंक्ति व्याख्या

(3) शब्द रूप (संदर्भित सूत्रों के आधार पर)

(4) धातु रूप (संदर्भित सूत्रों के आधार पर)

(5) धात्वादेश

इकाई 2. पाइयसंगहो (15 से 27)

(1) सप्रसंग अनुवाद

(2) सप्रसंग व्याख्या

(3) आलोचनात्मक प्रश्न

(4) टिप्पणियां

(5) लघूत्तरात्मक प्रश्न (प्राकृत में उत्तर दिया जाए)

इकाई 3. प्राकृत स्वयं शिक्षक – 76–90

इकाई 4. निबंध रचना (प्राकृत भाषा में)

उपलब्धियाँ–

1. महाराष्ट्री प्राकृत के साथ–साथ अन्य प्राकृत की भी जानकारी होगी।
2. आगम की शैली के साथ–साथ आगम में वर्णित कथाओं की जानकारी मिलेगी।
3. प्राकृत में लेखन शैली का विकास होगा।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. प्राकृत मार्गोपदेशिका–पं. बेचरदास जीवराज दोषी, मो. ला. ब. दास, दिल्ली 1968
2. प्राकृत व्याकरण (सिद्धहेमशब्दानुशासनम्–आचार्य हेमचन्द्रकृत) संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित, व्याख्याकार–ज्ञानमुनि, प्रकाशन–आचार्यश्री 3. आत्माराम जैन मॉडल स्कूल, दिल्ली 1974
3. प्राकृत व्याकरण (अंग्रेजी)–हेमचन्द्र, प्रकाशक भण्डारकर ओरियण्टल शोध संस्थान, पूना 1980
4. प्राकृत स्वयं शिक्षक–डॉ. प्रेमसुमन जैन, राज. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर, 1982
5. तुलसी मंजरी, युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं 1983
6. पाइयसंगहो, संपादक–मुनि विमलकुमार, जैन विश्वभारती, लाडनूं 1983
7. प्राकृत वाक्य रचना बोध–युवाचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूं 1991
8. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास–डॉ. नेमीचन्द शास्त्री, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी
9. आयारो–आचार्य तुलसी, जैन विश्वभारती, लाडनूं
10. अंगसुत्ताणि (भाग 1–3), जैन विश्वभारती, लाडनूं
11. पाइअ–निबंधा, डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA602MJ	**अहिंसा एवं शांति (संघर्ष निराकरण एवं अहिंसा प्रशिक्षण)**	**A**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER–**VI**

उद्देश्य–

1. अहिंसा– प्रशिक्षण एवं उसके प्रयोग क्षेत्रों की जानकारी देना।
2. अहिंसा– प्रशिक्षण से सामाजिक परिवर्तन सम्भव जानकारी देना।
3. अहिंसा की सार्वभौमिकता को बताना।

इकाई–1 संघर्ष का स्वरूप, विध्वंसात्मक बनाम उत्पादक संघर्ष, संघर्ष के आधार एवं प्रकार, संघर्ष की प्रक्रिया

इकाई–2 संघर्ष निराकरण–अभिवशत्ति परिवर्तन एवं संघर्ष निराकरण, संघर्ष निराकरण की विधियां, संघर्ष निराकरण की कूटनीतिक विधियां

इकाई–3 संघर्ष–निराकरण और अनेकान्त, सापेक्षता, सह–अस्तित्व, सहिष्णुता

इकाई–4 अहिंसा प्रशिक्षण–आवश्यकता, स्वरूप, अहिंसा प्रशिक्षण के घटक, हृदय परिवर्तन, दशष्टिकोण परिवर्तन, जीवन शैली परिवर्तन, व्यवस्था परिवर्तन

उपलब्धियाँ–

1. अहिंसा प्रशिक्षण प्राप्त कर विद्यार्थी शान्ति पूर्ण एवं सहवास के लिए भूमिका तैयार करेगा।
2. अहिंसा प्रशिक्षण से अहिंसक समाज रचना करना।
3. सामाजिक जीवन में परिवर्तन होगा।
4. विश्व स्तर पर अहिंसा प्रशिक्षण का विकास होगा।

पाठ्य पुस्तकें

1. नया मानव नया विश्व–आचार्य महाप्रज्ञ,
2. समाज मनोविज्ञान–बी. कुप्पुस्वामी
3. विश्व शांति एवं अहिंसा प्रशिक्षण–डॉ. बच्छराज दूगड
4. जीवन धर्म अहिंसा–भगवानदास केला

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA603MJ	हिन्दी साहित्य (प्रयोजनमूलक हिन्दी)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER –**VI**

उद्देश्य–

1. विद्यार्थी को प्रयोजनमूलक हिन्दी के बारे में जानकारी देना।
2. विद्यार्थी को पत्र लेखन शैली से अवगत कराना तथा कार्यालयी पत्र लेखन में निपुण बनाना।
3. अनुवाद विज्ञान की जानकारी देकर भावी अनुवादक तैयार करना।
4. पारिभाषिक शब्दावली की जानकारी प्रदान कर भावी पीढ़ी को तैयार करना।

इकाई I

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी का अभिप्राय, आवश्यकता, स्वरूप एवं व्याख्या, विविध रूप, सीमा व सम्भावनाएँ एवं प्रयुक्तियाँ।

इकाई II

6. **पत्राचार,** – अर्थ एवं स्वरूप, पत्र–लेखन की विशेषताए, सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र
7. **पत्रकारिता,** – परिभाषा, समाचार के प्रमुख तत्व, वर्तमान परिदृश्य (पत्रकारिता, शीर्षीकरण, पृष्ठसज्जा)

इकाई III

1. **संपादन कला,** – सम्पादन का अर्थ, सम्पादन के प्रमुख प्रकार, सम्पादन का दायित्व, सम्पादन प्रक्रिया, सम्पादन का तकनीकी पक्ष
2. **मीडिया लेखन** – मीडिया लेखन का महत्व, मीडिया लेखन और भाषा– श्रव्य माध्यम और भाषा, दृश्य माध्यम और भाषा, विज्ञापनों की भाषा, सम्पादकीय लेखन की भाषा

इकाई IV

1. **प्रमुख जनसंचार माध्यम,**– मुद्रित जनसंचार माध्यम, जनसंचार माध्यम के विद्युतिय माध्यम (रेडियो, विडियो कैसेट रिकॉर्डर, टेप रिकॉर्डर, दूरदर्शन, कम्युटर, इन्टरनेट)
2. **अनुवाद** – अर्थ एवं स्वरूप, परिभाषा, अनुवाद के प्रकार (अन्तः भाषिक, अन्तर भाषिक, अन्तर प्रतिकात्मक, कार्यालयी अनुवाद, वैज्ञानिक अनुवाद, विधिक अनुवाद)

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी कार्यालयी पत्र व्यवहार सीख सकेंगे तथा भावी प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिये तैयार हो सकेंगे।
2. हिन्दी के अपने व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी अनुवाद एवं पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान लेकर एक अच्छा अनुवादक एवं भाषा वैज्ञानिक बन सकेगा।

पाठ्य पुस्तक :

1. प्रयोजना मूलक हिन्दी, डॉ. ममता खाण्डल, प्रकाशक–जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय), लाडनूं

संदर्भ ग्रंथ–

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी– विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी : पारिभाषिक शब्दावली– डॉ. मधु धवन
3. प्रयोजन मूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी– डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी,
4. प्रयोजन मूलक हिन्दी– डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी
5. राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम– डॉ. मलिक मोहम्मद,
6. सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद– स्वरुप एवं समस्याएँ, सुरेश सिंहल,
7. प्रयोजन मूलक हिन्दी–कैलाशचन्द्र भाटिया
8. प्रयोजन मूलक हिन्दी–पृथ्वीचन्द्र पाण्डेय
9. बात – कलश (अनुवाद पुस्तक),– डॉ सुरेन्द्र डी सोनी

Course Code	Course Title	Croup	Course Category	Credit	C.I.Acontinuous Internal Assessment	Theory	Total
BBOA 604MJ	English Literature (Prose and Fiction)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester VI

Objectives:

1- To acquaint them with spirituality and psychology.
2- To inculcate human values in the students.
3- To make students understand the relation between Literature and Media.

Unit I. RK Narayan **: The Guide**

Unit II. Anita Desai **: Cry the Peacock**

Unit III. Mulk Raj Anand **: Untouchable**

Unit IV. Selected Essays

V.S. Srinivas Sastri: The Joy of Freedom

Bertrand Russell: "How to Escape from Intellectual Rubbish"

Acharya Mahapragya: From Religion to Vocation: Limitations of Cravings.

S. Radhakrishnan: An Ideal Before the Youth

Outcome:

1- They will understand the relation between literature and Media.
2- This will inculcate a sense of Spirituality.

Suggested Reading :

1- Prasad, B. *A Background to the Study of English Literature.* Macmillan, 2004.
2- *Collected Essays.* Jain Vishva Bharti Institute, Ladnun.
3- *Short Stories of Yesterday and Today*. (ED.) Shiv K Kumar. OUP, New Delhi.
4- *The Guide*. R.K. Narayan, OUP, New Delhi.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 605MJ	राजस्थानी (राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृति)	A	Core Course (CC)	4	30	70	100

बी.ए. राजस्थानी साहित्य

सेमेस्टर – षष्ठ

अ. राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति

ब. राजस्थानी प्रेमाख्यान परंपरा

स. तेरापंथ का राजस्थानी साहित्य

नोट : उपर्युक्त तीनों विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन करना होगा।

पाठ्यक्रम उद्देश्य उपादेयता एवं अध्ययन क्षेत्र

विकल्प (अ) राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृति

उद्देश्य एवं उपादेयता

उद्देश्य :

षष्ठ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए राजस्थानी साहित्य के अध्ययन के साथ–साथ राजस्थानी लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति के अध्ययन का आयाम प्रस्तुत किया गया है। राजस्थानी लोक साहित्य की परंपरा बहुत समृद्ध रही है। मौखिक एवं श्रुतिनिष्ठ परंपरा से यह साहित्यिक संपदा गतिमान रही है इस साहित्यिक परंपरा में लोक कथाएं, लोक गीत, लोक नाट्य एवं लोकोक्ति साहित्य प्रमुख है। राजस्थानी लोक संस्कृति का भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में बहुत महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है। इस संस्कृति का अध्ययन बहुत आवश्यक है। इस दृष्टि इस प्रशतपत्र में संस्कृति को भी सम्मिलित किया गया है।

उपादेयता

प्रत्येक साहित्य लिखित और मौखिक परंपराओं से गतिमान रहता है। भारतीय साहित्य परंपरा में श्रुतिनिष्ठ एवं मौखिक परंपरा का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है। राजस्थानी साहित्य में भी उसी परंपरा का निर्वाह हो रहा है। लोक के कंठों में वह सामग्री संगृहीत है समय के साथ वह पीढ़ी समाप्त हो रही है। उस साहित्यिक सामग्री के अध्ययन के साथ–साथ उसके संकलन का प्रयास किया जाएगा। वह पीढ़ी जो आधुनिकता और सोशियल मीडिया के दबाव में अपनी संस्कृति से अलग है रही है उससे जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा जिससे प्रत्येक राजस्थानी अपनी संस्कृति की ओर अग्रसर हो सके।

भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में राजस्थानी संस्कृति का विशिष्ट स्थान है। उसका अध्ययन भी किया जाएगा। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बदलते सांस्कृतिक मूल्यों के साथ उस संस्कृति का संरक्षण एवं अध्ययन आवश्यक है। इस दृष्टि से यह अध्ययन उपयोगी सिद्ध होगा। उसके साथ लोक देवी देवता, तीर्थों, लोक संगीत, व्रत त्यौंहारों और मेलों से सम्बन्धित अध्ययन भी किया जाएगा।

अध्ययन क्षेत्र

विकल्प

अ. राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति

अध्ययन क्षेत्र

1. लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, लोकमानस का अर्थ–तत्त्व
2. लोक साहित्य परिभाषा, वि"ोषताएं, स्वरूप एवं अभिजात्य साहित्य से भिन्नता
3. लोक साहित्य की विविध विधाएं
4. लोककथा, लोकगीत, लोकनाट्य, लोकोक्ति साहित्य
5. संस्कृति की परिभाषा, तत्त्व और वि"ोषताएं
6. राजस्थानी संस्कृति–मेले, पर्व, लोक देवी–देवता, लोकनृत्य, लोक–संगीत, व्रत–त्यौहार, रहन–सहन, खान–पान, वे"ाभूषा, वस्त्राभूषण, लोकतीर्थ।

इकाई प्रथम : लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व लोक मानस की वि"ोषताएं।

इकाई द्वितीय : लोक साहित्य की वि"ोषताएं एवं अभिजात्य साहित्य से भिन्नता लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय

इकाई तृतीय : लोक कथा–लोकगीत–वि"ोषताएं एवं विभिन्न प्रकार

इकाई चतुर्थ : लोक नाट्य एवं लोकोक्ति साहित्य

इकाई पंचम : राजस्थानी लोक संस्कृति की वि"ोषताएं–मेले–पर्व, लोक–देवी देवता, व्रत–त्यौहार आदि से सम्बधित अध्ययन एवं इन विषयो से संबंधित राजस्थानी भाषा में निबन्ध।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1 राजस्थानी साहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन : सोहनदान चारण, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

2 राजस्थानी लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता

3 राजस्थानी लोक साहित्य : रामप्रसाद दाधीच, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

4 राजस्थानी वात साहित्य : डॉ पूनम दइया

5 राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति : डॉ नंदलाल कल्ला, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

6 राजस्थानी लोक साहित्य : डॉ सत्येन्द्र

(ब) राजस्थानी प्रेमाख्यान परंपरा

उद्देश्य

राजस्थानी की भूमि वीरता भक्ति और श्रृंगार की भूमि रही है। इस भूमि के वीरों के वरीता की परिचय राजस्थानी साहित्य में देखने में आया है। राजस्थान के भक्तों और संतों का भक्ति काव्य संगुण एवं निर्गुण परक काव्यों में प्रस्तुत होता है। वीरों और भक्तों के साथ–साथ यहां के प्रेमी नायक–नायिकाओं के आख्यान भी महत्त्वपूर्ण रहे हैं। जिसमें ढोला मारू, जेठवा–ऊजळी, जलालबूबना आदि हैं। राजस्थानी प्रेमाख्यानों की परंपरा जैन, चारण एवं लौकिक शैली में उपलब्ध होती है।

राजस्थानी प्रेमाख्यानों की यह परंपरा गद्य एवं पद्य की विभिन्न विद्याओं एवं स्वरूपों में उपलब्ध है। कहीं–कहीं उनको विभिन्न शैलियों में चित्राकंन भी किया गया है। गेय प्रेमाख्यानों का सांस्कृतिक, सांगीतिक पक्ष भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। इन प्रेमाख्यानों से संबंधित अध्ययन अपेक्षाकृत न्यून है। इस दृष्टि से यह अध्ययन महत्त्वपूर्ण है।

उपयोगिता

अध्ययन की दृष्टि से इस क्षेत्र में उनकी अध्ययन अपेक्षाकृत न्यूनता लिये रहा है। इस दृष्टि से इस साहित्यिक सम्बन्ध का अध्ययन आवश्यक एवं महत्त्वपूर्ण है। साहित्य इतिहास एवं संस्कृति से जुड़े विभिन्न पक्ष इस अध्ययन से उद्घाटित होंगे।

साहित्य के साथ–साथ संगीत एवं चित्रकला के सम्बन्ध भी अध्ययन के आयाम प्रशस्त होंगे।

अध्ययन क्षेत्र

1. प्रेमाख्यान परंपरा : परिचय एवं प्रमुख रचनाएं
2. राजस्थानी प्रेमाख्यान परंपरा : प्रमुख प्रेमाख्यान
3. प्रेमाख्यान : गद्य पद्य एवं नाट्य परंपरा
4. राजस्थानी जैन काव्यों में प्रेमाख्यान : परंपरा एवं स्वरूप
5. राजस्थानी प्रेमाख्यान परंपरा की प्रमुख रचनाएं

इकाई प्रथम : राजस्थानी प्रेमाख्यान : परंपरा, स्वरूप एवं प्रमुख रचनाएं

इकाई द्वितीय : राजस्थान की प्रेमाख्यान : माधवानल कामकंदला का वि"ोष अध्ययन : आलोचनात्मक प्र"न

इकाई तृतीय : माधवानल कामकंदला से संबंधित आलोचनात्मक प्र"न (प्रबंध पारिजात संग्रह में संकलित छंद सं. 1 से 129 तक)

इकाई चतुर्थ : माधवानल कामकंदला : सप्रसंग व्याख्या (निर्धारित छंद साख्य)

इकाई पंचम : राजस्थानी प्रेमाख्यान परंपरा से संबंधित राजस्थानी भाषा में निबन्ध

पाठ्यपुस्तक

1 प्रंबध परिजात : सं. रावत सारस्वत, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1 राजस्थानी साहित्य और साहित्य :डॉ मोतीलाल मेनारिया

2 राजस्थानी भाषा और साहित्य : सीताराम लालस

3 राजस्थानी प्रेमाख्यान : परंपरा और प्रगति : रामगोपाल गोयल, राजस्थान प्रका''न, जयपुर

4 राजस्थानी जैन साहित्य : डॉ मनमोहन स्वरूप माथुर

5 कु''ल लाभ : व्यक्तित्व और कृतित्व : डॉ. मनमोहन स्वरूप माथुर

(स) तेरापंथ का राजस्थानी साहित्य

उद्देश्य

राजस्थानी साहित्य में शैली की दृष्टि से तीन शैलियां प्रमुख रही है जिनमें चारण शैली जैन शैली और लौकिक शैली भी रचनाएं देखने में आती है। जैन रचनाओं का बाहुल्य राजस्थानी साहित्य प्राचीनकाल से रहा है। राजस्थानी भाषा का प्रथम उल्लेख जैन रचनाकार अधोतन सूरि की रचना 'कुवलयमाला कहा' में मिलता है। यह रचना विक्रम सं. 835 की है। इस रचना के पश्चात् जैन रचनाओं की सुविस्तृत परंपरा विभिन्न कालों में उपलब्ध होती है।

जैन धर्म में तेरापंथ की स्थापना साहित्य ऐतिहासिक दृष्टि से उत्तरमध्यकाल में हुई। तेरापंथ के आचार्यों और संतों ने व्यापक स्तर पर राजस्थानी भाषा में साहित्य सृजन किया है। यही कारण है कि राजस्थानी साहित्य की जैन साहित्य परंपरा में तेरापंथ के राजस्थानी साहित्य का विशिष्ट स्थान रहा है। तथा राजस्थानी संहिता के विकास में तेरापंथ की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। आचार्य भिक्खू से लेकर आचार्य तुलसी की अनेकानेकर रचनाएं राजस्थानी भाषा में प्रस्तुत की गयी है। जयाचार्य ने राजस्थानी गद्य परंपरा के विकास में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

तेरापंथ का राजस्थानी साहित्य को जो अवदान रहा है। उस अवदान को रेखांकित कर उस साहित्य का अध्ययन करना ही प्रमुख उद्देश्य है।

उपयोगिता

इस अध्ययन में तेरापंथ के आचार्यों और संतों द्वारा प्रारम्भ से लेकर अद्यावधि जो साहित्य सृजन किया गया है। उसका व्यापक परिचय अध्येताओं को प्राप्त होगा। जैन विश्वभारती संस्थान में वह सम्पूर्ण साहित्यिक सामग्री उपलब्ध है उस सामग्री विशद् अध्यायी का अवसर विद्यार्थियों को प्राप्त होगा।

अध्ययन क्षेत्र

स. तेरापंथ का राजस्थानी साहित्य

अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थानी जैन साहित्य की परंपरा कालक्रमानुसार–प्राचीनकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल
2. राजस्थान में तेरापंथ का विकास
3. तेरापंथ के प्रमुख आचार्य
4. तेरापंथ के आचार्यों द्वारा रचित साहित्य
5. तेरापंथ का राजस्थानी साहित्य को अवदान

इकाई प्रथम : राजस्थानी जैन साहित्य परंपरा का परिचय–कालक्रमानुसार

इकाई द्वितीय : राजस्थानी जैन साहित्य का की प्रमुख रचनाएं तथा रचनाकार। राजस्थान में तेरापंथ का विकास एवं आचार्य परंपरा।

इकाई तृतीय : कालूय''गोविलास–आचार्य तुलसी आलोचनात्मक प्र''न

इकाई चतुर्थ : निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से सप्रसंग व्याख्या (प्रारंभिक तीन उल्लास)

इकाई पंचम : तेरापंथ का राजस्थानी साहित्य योगदान से संबंधित निबंध लेखन राजस्थानी भाषा में।

पाठ्यपुस्तक

1 कालूय''गोविलास : आचार्य तुलसी

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1 राजस्थानी जैन साहित्य : डॉ मनमोहन स्वरूप माथुर, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

2 तेरापंथ का राजस्थानी साहित्य को अवदान : डॉ. देव कोठारी, किरण नाहटा

3 तेरापंथ का इतिहास–भाग–1 व 2

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA606MN	संस्कृत संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य (कालू कौमुदी)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

- विद्यार्थी BBOA 606 अथवा 607 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

SEMESTER–**VI (Major)**

उद्देश्य–

1. गणों का परिचय देना।
2. शुकनासोपदेश और कुमारसंभव के ग्रंथों के चयनित अंशों का अध्यापन करना।

इकाई–1 कालूकौमुदी (उत्तरार्द्ध) अदादिगण से यङ्लुगन्त प्रक्रिया (सूत्र 200 से 414)

(1) रूपसिद्धि

(2) सूत्रार्थ

(3) धातु रूपावली

इकाई–2 (क) वाक्य रचना बोध (पाठ–54 से 59)

1. संस्कृत से हिन्दी अनुवाद
2. हिन्दी से संस्कृत अनुवाद
3. शब्दार्थ

(ख) शुकनासोपदेश

1. दो पद्यों की व्याख्या
2. एक सामान्य प्रश्न

इकाई–3 कुमारसंभव (पांचवा सर्ग)

1. दो श्लोक की सप्रसंग व्याख्या
2. कुमारसंभवम् पर सामान्य प्रश्न

इकाई–4 अभिधान चिन्तामणि(151 से 180) 1.

दो श्लोक पूर्ति

1. दो शब्दों के संस्कृत में पर्यायवाची
2. पांच शब्दों के अर्थ

उपलब्धियाँ–

1. त्रिनन्त, सनन्त आदि प्रक्रियाओं का ज्ञान होगा।
2. समासबद्ध एवं लघु वाक्यों के निर्माण का अभ्यास होगा।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. कालू कौमुदी, आदर्श साहित्य संघ, चूरू
2. वाक्य रचना बोध, लेखक–आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
3. कुमार संभवम्, चौखम्बा प्रकाशन,
4. शुकनासोपदेश, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली या चौखम्बा प्रकाशन, बनारस
5. अभिधान चिन्तामणि, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 607MN	संस्कृत संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य (लघुसिद्धान्त कौमुदी)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

- विद्यार्थी BBOA 606 अथवा 607 में से किसी एक पत्र का चुनाव करें।

"म्डैम्ज्म्–VI (Major)

उद्देश्य–

1. गणों का परिचय देना।
2. शुकनासोपदेश और कुमारसंभवम के ग्रंथों के चयनित अंशों का अध्यापन करना।
3. ञिनन्त आदि दस प्रक्रियाओं का ज्ञान कराना।

इकाई–1 लघु सि़द्धांत कौमुदी के दिवादि गण से लकारार्थ तक (सूत्र 629 से 765),कृदन्त प्रकरण (सूत्र 766 से 887 तक)

इकाई–2 (क) रचनानुवाद कौमुदी (पाठ 51 से 60)

1. संस्कृत से हिन्दी अनुवाद
2. हिन्दी से संस्कृत अनुवाद
3. शब्दार्थ

(ख) शुकनासोपदेश

1. दो पद्यों की व्याख्या
2. एक सामान्य प्रश्न

इकाई–3 कुमारसंभव (पांचवा सर्ग)

1. दो श्लोक की सप्रसंग व्याख्या
2. कुमारसंभवम् पर सामान्य प्रश्न

इकाई–4 अभिधान चिन्तामणि छठाकाण्ड (श्लोक 151 से 180)

1. दो श्लोक पूर्ति
2. दो शब्दों के संस्कृत में पर्यायवाची
3. पांच शब्दों के अर्थ

उपलब्धियाँ–

1. ञिनन्त, सनन्त आदि प्रक्रियाओं का ज्ञान होगा।
2. समासबद्ध एवं लघु वाक्यों के निर्माण का अभ्यास होगा।
3. गणों के विभिन्न धातु रूपों का ज्ञान होगा।

पाठ्य पुस्तक / संदर्भ ग्रंथ–

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी, श्रीवरदाजकृत, संपादक–महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्या भवन, दिल्ली
2. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, आचार्य विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. कुमार संभवम्, चौखम्बा प्रकाशन,
4. शुकनासोपदेश, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली या चौखम्बा प्रकाशन, बनारस
5. अभिधान चिन्तामणि, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी, बी.एस. आप्टे

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	Assignment	Theory	Total
BBOA 609MN	राजनीति विज्ञान (अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER - **VI**

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को आत्मपरकता की शक्ति का विकास करना।
2. विश्व में विभिन्न प्रकार की घटित होने वाली घटनाओं की जानकारी देना।
3. बदलती नई विश्व व्यवस्था की जानकारी देना।
4. विभिन्न देशों की विदेश नीतियों की जानकारी देना।

इकाई–1 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में 1945 के बाद प्रमुख विकास शीतयुद्ध–अर्थ, कारण एवं विश्व राजनीति पर प्रभाव, गुटनिरपेक्ष आन्दोलन, नवीन अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था, यूरोपीय आर्थिक समुदाय।

इकाई–2 संयुक्त राष्ट्र संघ : संगठन एवं भूमिका का मूल्यांकन, निरस्त्रीकरण : प्रयास, समस्याएँ एवं मूल्यांकन।

इकाई–3 विदेश नीतियां–भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन तथा रूस।

इकाई–4 भारत एवं दक्षेस (सार्क), अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में अहिंसा एवं शांति का प्रयोग, पंचशील एवं शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के प्रयास एवं चुनौतियाँ, उत्तर–दक्षिण संवाद

उपलब्धियाँ–

1. विभिन्न राष्ट्रों के आपसी व्यवहार एवं आचरण के मूल कारणों को जान सकेंगे।
2. भूमण्डलीकरण, उदारीकरण, निजीकरण के युग में अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
3. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध एवं अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति पहले की अपेक्षा क्यों अधिक प्रासंगिक है? जान सकेंगे।
4. सोवियत खेमें के विघटन के पश्चात बदलते विश्व परिदृश्य को समझ सकेंगे।

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. मदन गोपाल–अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध
2. पी.डी.कौशिक–अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध
3. बी.एल. फड़िया, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, साहित्य भवन, आगरा
4. पाण्डे तथा शर्मा–अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध एवं विदेश नीतियाँ
5. एन.एन. श्रीवास्तव–आधुनिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध
6. हरगोविन्द पन्त एवं अन्य–अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध आधुनिक परिवेश में

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA610 MN	जीवन–विज्ञान (प्रेक्षाध्यानः व्यक्तित्व विकास)	B	Core Course (CC)	4	30	50+20	100

SEMESTER –VI

सैद्धान्तिक भाग

उद्देश्य–

1. व्यक्तित्व की अवधारणा को समझाना।
2. व्यक्तित्व विकास एवं इसके प्रबंधन को जानना।
3. क्षमताओं के विकास की विधियां जानना।
4. योग द्वारा व्यक्तित्व विकास को समझाना।

इकाई–1 व्यक्तित्व : परिचय

(क) व्यक्तित्व– अर्थ, परिभाषा, निर्धारक तत्त्व

(ख) व्यक्तित्व का विकास, व्यक्तित्व के प्रकार, व्यक्तित्व संगठन और विघटन, अन्तर्द्वन्द्व और व्यक्तित्व

इकाई–2 व्यक्तित्व विकास और समय–प्रबन्ध

(क) व्यक्तित्व विकास और स्व–प्रबन्धन
सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास, व्यक्तित्व की भूमिकाएं और सोपान, अध्यात्म और विज्ञान, प्रेक्षाध्यान और अखंड व्यक्तित्व विकास–अखंड व्यक्तित्व और प्रेक्षाध्यान व्यक्तित्व स्वरूप और संरचना, व्यक्तित्व की कार्य प्रणाली और प्रेक्षा

(ख) समय प्रबन्धन– महत्व, समय प्रबन्धन के सूत्र, आत्म विकास
स्मृति विकास– महत्व–स्मृति प्रशिक्षण, सुदृढ़ स्मृति और अध्ययन शैली, मस्तिष्कीय क्षमता और प्रेक्षाध्यान

इकाई–3: तनाव–प्रबन्ध और कार्यक्षमता का विकास

(क) तनाव प्रबन्धन : स्वरूप, कारण शारीरिक,मानसिक और भावनात्मक तनाव,
तनाव का उपचार–कायोत्सर्ग
उच्च मानसिक शक्तियां का विकास
शक्ति का स्वरूप, उच्च मानसिक शक्तियां, शक्ति का आधार
शाक्ति का ऊर्ध्वारोहण और अन्तर्यात्रा

(ख) कार्य क्षमता का विकास– कार्य क्षमता और उसका आधार
मानसिक प्रशिक्षण, एकाग्रता का विकास और लयबद्ध श्वासप्रेक्षा
स्वास्थ–स्वास्थ्य और उसकी व्यवस्था, स्वास्थ्य प्रबन्धन और शरीर प्रेक्षा,
जीवन शैली का बदलाव और व्यक्तित्व विकास, आहार–प्रबन्धन

इकाई–4 सकारात्मक दृष्टिकोण और भावात्मक विकास

(क) सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास
अर्थ और स्वरूप, सुदृढ़ आत्मविश्वास, आत्मविश्वास और अन्तर्दृष्टि
अन्तःस्रावी ग्रंथितंत्र का संतुलन और दर्शन केन्द्र प्रेक्षा

(ख) भावात्मक विकास और भावात्मक स्वास्थ्य
भावात्मक विकास और भावात्मक शुद्धि
संवेग प्रबन्धन, भावात्मक रुग्णता, भावात्मक स्वास्थ्य और लेश्याध्यान
प्रवृत्ति – निवृत्ति का संतुलन आसक्ति–अनासक्ति, चारित्र परिवर्तन के उपाय

उपलब्धियाँ–

1. जीवन में स्वास्थ्य का महत्त्व एवं स्वास्थ्य संवर्धन के उपायों को जान सकेंगे।

2. शरीर के विभिन्न तंत्रों एवं अंगों से परिचित हो सकेंगे।

3. विभिन्न शारीरिक बीमारियों का योग द्वारा प्रबन्धन को समझ सकेंगे।

4. संतुलित आहार, उपवास एवं शाकाहार के महत्त्व को जान सकेंगे।

प्रायोगिक भाग :

1. षट्कर्म

2. आसन– सिंहासन, पदमासन, कर्णपीड़ासन, चक्रासन

3. प्रेक्षाध्यान– लेश्याध्यान

4. अनुप्रेक्षा–स्वास्थ्य, सामन्जस्य

पाठ्यपुस्तक / संदर्भ ग्रन्थः

1. व्यक्तित्व विकास और योग– डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, जैविभावि, लाडनूं

2. प्रेक्षाध्यान : व्यक्तित्व विकास– मुनि धर्मेश कुमार, जैविभावि, लाडनूं

3. सोया मन जग जाये– आचार्य महाप्रज्ञ, जैविभा, लाडनूं

4. जैन योग– आचार्य महाप्रज्ञ, जैविभा, लाडनूं

5. व्यक्तित्व का मनोविज्ञान– डॉ. जायसवाल, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

6. आधुनिक सामान्य मनोविज्ञान– डॉ. प्रीति वर्मा, डॉ. डी.एन. श्रीवास्तव, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा, 2007–2008

7. डी.एन. श्रीवास्तव– व्यक्तित्व का मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

SEMESTER –VI

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA611 MN	Social Work (Social Work: Themes and Practice skills)	B	Core Course (CC)	4	30	70	100

Semester - VI

Objective:

1. Create awareness about enlarging scope of Social Work profession
2. To get equipped with the practice skills in different social work related settings.
3. Acquire skills for working in different areas of Social Work
4. To develop an integrated approach to Social Work practice to uphold Human Rights and Social Justice.

Unit-1: Social Work: Redial and Feminist and Post Modernism

Radical Social Work: Concept, Roots, Diaspore, Feminist Social Work: Issues, Integrated Social Work Practice, Social Worker's Role as a Change Agent, Anti-Oppressive Practice, Post Modernism: Concept, Meaning, Approaches to Social Work, Team Work, Cognitive Behavioural Practice

Unit-2: Human Rights

Human Rights: Concept, Need & Significance, UN Declaration on Human Rights, Major International & National Human Rights Organizations, National Human Rights

Commission Act, 1993, National and State Human Rights Commissions

Unit-3: Social Work and Corporate Social Responsibility

Social Work and Corporate Social Responsibility: Concept, Need and Importance, Legal Provision, Efforts by Corporate Sectors, Scope of Social Work in government and non government sector.

Unit-4: Skills

Skills Used in Case Work, Group Work, Community Organization, Importance of Social Work Practice Skills, and Applicability in Different Social Work Settings. Development of PRA, Principles and Methods Critical Considerations of PRA Methods.

Outcome-

1. Student will be aware about enlarging scope of Social Work profession
2. Student will be equipped with the practice skills in different social work related settings.
3. Student Acquire skills for working in different areas of Social Work
4. Student will develop an integrated approach to Social Work practice to uphold Human Rights and Social Justice.

Suggested Reading :

1. Bartlett, Harriett M. Common Base of Social Work Practice. New York: National Association of Social Workers, 1980.
2. Galper, Jeffry H. Social Work Practice: A Radical Perspective. Englewood Cliffs, N.J.: Prentice-Hall, 1980.
3. Bronfenbrenner, Urie. The Ecology of Human Development: Experiments by Nature and Design. Cambridge, Massachusetts [etc.]: Harvard University Press, 1981.
4. Compton, Beulah Roberts, and Burt Galaway. Social Work Processes. Pacific Grove, Calif: Brooks/Cole, 1994.
5. Allen-Meares, Paula, and Charles D. Garvin. The Handbook of Social Work Direct Practice. Thousand Oaks, Calif: Sage Publications, 2000.
6. Cox, David R., and Manohar S. Pawar. International Social Work: Issues, Strategies, and Programs. Thousand Oaks, Calif: SAGE Publications, 2006.
7. Cleaver, Hedy. The Integrated Children's System: Enhancing Social Work and Inter-Agency Practice. London: Jessica Kingsley Publishers, 2008.
8. Work Practice: An Integrated Approach. Boston: A & B/Pearson, 2008
9. Curriculum. Oxford: Oxford University Press, 2010.
10. Beck, Elizabeth, Nancy P. Kropf, and Pamela Blume Leonard. Social Work and Restorative Justice: Skills for Dialogue, Peacemaking, and Reconciliation. New York: Oxford University Press, 2011.
11. Cooper, Marlene G., and Joan Granucci Lesser. Clinical Social Dilshad, Mohd. Integrated Social Work Practice. New Delhi: Anmol Publications, 2011.
12. Barsky, Allan Edward. Ethics and Values in Social Work: An Integrated Approach for a Comprehensive
13. शास्त्री, राजाराम, समाज कार्य, उत्तरप्रदेश, दिल्ली संस्थान, राजश्री पुरूषोत्तमदास टण्डन, हिन्दी भवन 6, महात्मागांधी मार्ग, लखनऊ, 1989।
14. मदन, जी.आर.,समाज कार्य, विवेक प्रकाशन, दिल्ली, 1996।
15. डॉ. कुमार, गिरीश, समाज कार्य के क्षेत्र, महात्मा गांधी मार्ग, लखनाऊ, यू.पी., 1996
16. पाण्डेय, तेजस्कर, पाण्डेय, ओजस्कर, समाज कार्य, भारत बुक सेन्टर, 17, अशोक मार्ग, लखनऊ।
17. डॉ. सिंह, सुरेन्द्र, मिश्र पी.डी., समाज कार्य, इतिहास दर्शन प्रणालियां, न्यू रॉयल बुक कम्पनी, प्रथम तल, सह ट्रेड सेन्टर, 32/16, वाल्मिकी मार्ग, लालबाग, लखनऊ,2004।

Semester VI

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory+ Practical	Total
BBOA612MJ	Python Programming	C	Core Course (CC)	4	30	50+20	100

Objective:
This paper will familiarize the students with programming language Python and students will be able to write programs in Python.

Unit I
Introduction to Python Python Introduction, Technical Strength of Python, Introduction to Python Interpreter and program execution, Using Comments, Literals, Constants, Python's Built-in Data types, Numbers (Integers, Floats, Complex Numbers, Real, Sets), Strings (Slicing, Indexing, Concatenation, other operations on Strings), Accepting input from Console, printing statements, Simple 'Python' programs.

Unit II
Operators, Expressions and Python Statements Assignment statement, expressions, Arithmetic, Relational, Logical, Bitwise operators and their precedence, Conditional statements: if, if-else, if-elif-else; simple programs, Notion of iterative computation and control flow –range function, While Statement, For loop, break statement, Continue Statement, Pass statement, else, assert.

Unit III
Sequence Data Types Lists, tuples and dictionary, (Slicing, Indexing, Concatenation, other operations on Sequence data type), concept of mutability, Examples to include finding the maximum, minimum, mean; linear search on list/tuple of numbers, and counting the frequency of elements in a list using a dictionary.

Unit IV
Functions: Top-down approach of problem solving, Modular programming and functions, Function parameters, Local variables, the Return statement, DocStrings, global statement, Default argument values, keyword arguments, VarArgs parameters. Library function-input(), eval(),print(), String Functions: count(), find(), rfind(), capitalize(), title(), lower(), upper(), swapcase(), islower(), isupper(), istitle(),Numeric Functions: eval(), max(), min(), pow(), round(), int(), random(), ceil(), floor(), sqrt()

Outcome:
Students will be able to write programs using JavaScript.

Reference Books

1. Python Programming , O-Level Module,T Balajji Publication,2020
2. The Complete Reference Python, Mc Grow Hill Education, 2018
3. https://www.w3schools.com/python
4. https://www.tutorialspoint.com/python/index.htm

Practical:
Writing programs using Python

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA613MJ	Psychology(Counseling and Guidance)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER – VI

Objective :

1. The impart knowledge about the Counseling and Guidance.

2. To make students understand the nature and course of various Counseling and Guidance Settings.

Unit-I : Introduction to Counseling

Nature and goals of Counseling

Distinction Between guidance and counseling

Perspectives of counseling : Psychoanalytic, behavioural and cognitive

Types of counseling : (a) Directive and non-Directive (b) Individual and group

Unit-II : Counseling Process

Principles of Counseling process

Counseling skills : Report, empathy and communication

Phases of counseling : Initial, middle, (terminal and follow of)

Special areas of counseling : cawed, marital and personal counseling

Unit-III : Introduction to Guidance

Meaning and need of guidance

Goals of guidance

Functions of guidance

Areas of guidance : Educational, Vocation al and personal

Unit-IV : Psychological Basis of Guidance of counseling

Procedure for collecting information

Utility of psychological tests in guidance and counseling

Diagnostic and instructional uses of tests

Introduction to objective and projective tests

Note :- The department may change the practical depending on the Availability of the apparatus and recent developments.

Books :

1. Gibson, R.L. and Mitchell, M.H., Introduction to Counseling and Guidance (6th Ed), Pearson Education.

2. Rai, A and Asthana, M., Guidance and Counseling (Concepts, Areas and Approaches), New Delhi : Moti Lal Banarsi Das.

3. Woolfe, R., Dryden, W. and Strawbridge, S., Handbook of Counseling Psychology (2nd Ed.) London : Sage Publication Ltd.

PRACTICALS (Any Three)

10. Measuring the level life satisfaction
11. Measuring the level of Home Environment.
12. Assessment of Values
13. Assessment of Personality by Word Association Test
14. Measuring the level of Adjustment

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 614MJ	इतिहास (आधुनिक विश्व के इतिहास की रूपरेखा)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

SEMESTER&**VI**

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को आधुनिक विश्व के इतिहास से परिचित करवाना।
2. अमेरिकी एवं फ्रांसीसी क्रांति के महत्त्व को बताना।
3. इटली एवं जर्मनी के एकीकरण की प्रेरणादायी प्रक्रिया को बताना।
4. राष्ट्र संघ एवं संयुक्त राष्ट्र संघ के महत्त्व को बताना।

ईकाई–1

पुनर्जागरण : अर्थ, कारण, कला तथा साहित्य का विकास। धर्म सुधार आंदोलन : कारण एवं मार्टिन लूथर का योगदान। प्रतिवादी धर्म सुधार आंदोलन : उद्देश्य, सफलता के कारण एवं परिणाम।

ईकाई–2

अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम : कारण और परिणाम। फ्रांस की क्रान्ति : कारण और परिणाम। नेपोलियन बोनापार्ट का उत्कर्ष, विजय अभियान एवं पतन। औद्योगिक क्रान्ति : कारण और परिणाम।

ईकाई–3

जर्मनी का एकीकरण एवं बिस्मार्क का योगदान। इटली का एकीकरण : कठिनाइयां, प्रयत्न, मैजिनी, गैरीबाल्डी एवं काबूर का योगदान। अफ्रीका में साम्राज्यवाद : कारण एवं परिणाम। प्रथम विश्व युद्ध : कारण और परिणाम। रूस की 1917 ई. की बोल्शेविक क्रान्ति के कारण और परिणाम।

ईकाई–4

इटली में फासिस्टवाद के उदय के कारण। जर्मनी में नाजीवाद के उदय के कारण। द्वितीय विश्व युद्ध : कारण और परिणाम। राष्ट्र संघ की स्थापना– असफलता के कारण। संयुक्त राष्ट्र संघ : उद्देश्य, सिद्धांत एवं उपलब्धियां।

उपलब्धियाँ–

1. विद्यार्थी विश्व इतिहास का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. अमेरिकी, फ्रांसिसी, रूसी आदि क्रांति से प्रेरणा प्राप्त कर समाज में व्याप्त अव्यवस्थाओं का विरोध कर पायेंगे।
3. इटली एवं जर्मनी के एकीकरण से राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
4. संयुक्त राष्ट्र संघ के वर्तमान महत्त्व को समझ पायेंगे।

पाठ्यपुस्तक/संदर्भ ग्रन्थः

1. शर्मा, हरिशंकर–विश्व का इतिहास, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर।
2. जैन एण्ड माथुर–पाश्चात्य विश्व इतिहास की रूपरेखा, जैन प्रकाशन मन्दिर, जयपुर।
3. शर्मा, डॉ. कालूराम एवं व्यास, डॉ. प्रकाश–आधुनिक विश्व का इतिहास–पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
4. गुप्ता, पार्थ सारथी–युरोप का इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, नई दिल्ली।
5. शर्मा, कृष्णगोपाल, शर्मा दिग्राजसिंह एवं कोठारी, कमलसिंह–आधुनिक विश्व का इतिहास, अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर।
6. Fisher, H.A.L.- A history of Europe, Landon 1949.
7. Devish, H.A.- An outline history of the world, oxford university press, New yark 1968.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory+ Practical	Total
BOA614	Geography (Geographical Thought)	C	Core Course (CC)	4	30	50+20	100

*** Note – Stencils and simple calculator are permitted in theory and practical examination.**

Semester VI

Objectives-

1. To provide knowledge about the concept of Geographical Thought.
2. To introduce various Branches of Geographical Thought.
3. To enhance the knowledge of Trends of Modern Geography.

Unit - I

a) Definition and Aims of Geogrpahy
b) Evolution of Geographicall Thought
c) Contribution of Greek Geographers: Herodotus,Hecataeus& Eratosthenes.

Unit - II

a) Contribution of Roman Geographers: Strabo &Plolemy
b) Contribution of Arabian Geographers: Al-Burini, Al-Masudi, Ibn-Battuta & Al-Idrisi
c) Contribution of Indian Geogrphers: Bhaskaracharya, R. P. Mishra

Unit - III

a) German School of Geography: Humboldt & Carl Ritter
b) French School of Geography: Vidal De La Blache& Jean Brunhes
c) British School of Geography : Halford J. Mackinder
d) American School of Geography : G. Tailor, Huntington

Unit - IV

a) Dualism in Geography : Physical v/s Human Geography, Systemetic v/s Regional Geography
b) Paradigms in Geography
c) Exceptionalism, Spatial Analysis, Origin of Chorographic Geography
d) Concepts of Cultural Ladnscape : Meaning & Elements of Cultural Landscape
e) Recent Trends of Modern Geography

Practical-

a) Plain Table Survey: Equipments, Procedure (Traversing- Open and Closed Traverse, Methods- Radial and Intersection)

b) Resection and Methods of Resection

c)Knowledge of Clinometerwith One/Two Exercises

d) Knowledge of Open source Software (QGIS) with One/Two Exercise

Outcomes-

1. Historicity of Geography as a discipline helps students understand it better.

2. Synthesis &Comparision of various thinkers will expand the knowledge and horizon.

Suggested Readings:

1. डॉ एच.एम. सक्सेना, भौगोलिकचिंतनकाइतिहास, हिन्दीग्रंथअकादमी, जयपुर 2016

2. कौशिक, एस.डी. : भौगोलिकचिंतन के सिद्धांत, रस्तोगीपब्लिकेशन्स, मेरठ।

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA 616MJ	Jainology (जैन दर्शन और विज्ञान)	C	Core Course (CC)	4	30	70	100

ैम्डमैज्म्– VI

उद्देश्य–

1. अध्यात्म और विज्ञान की जानकारी देना।
2. जैन जीवनशैली को समझाना।
3. नशा करने के कारण एवं निवारण समझाना।

इकाई–1ः अध्यात्म और विज्ञान

धर्म और विज्ञान –जैन आगम के सूक्ष्म सत्य, धर्म और विज्ञान की महानता

प्राणशक्ति का आध्यात्मिक तथा वैज्ञानिक महत्व :– शरीर शास्त्र, अध्यात्म और विज्ञान में शरीर का महत्व, कुंडलिनी का स्वरूप एवं जागरण के मार्ग, प्राणशक्ति की विद्युत का चमत्कार आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण

इकाई–2 :जैन दर्शन एवं परामनोविज्ञान आत्मवाद एवं पुनर्जन्मवाद : जैनदर्शन में आत्मा एवं पुनर्जन्म, जातिस्मृतिज्ञान, विभिन्न दर्शनों में पुनर्जन्म, परामनोविज्ञान, पुनर्जन्म पर अनुसंधान

इकाई–3 : जैन जीवन शैली और विज्ञान

उपवास आदि तप– वैज्ञानिक दृष्टि से उपवास का मूल्य विभिन्न रोग एवं उपवास।

शाकाहार बनाम मांसाहार– मांसाहार रोगों का जन्मदाता, महत्वपूर्ण वैज्ञानिकतथ्य, शाकाहार के गुण।

तम्बाकू वर्जन– जर्दा, धूम्रपान, आत्महत्या का तरीका,जर्दा धूम्रपान क्यों?व्यसन निवारण मद्यपान– मद्यपान, अपराध, वेश्यावृत्ति, तलाक, गर्भस्थशिशु, बाल अपराध स्वास्थ्य, आयु।

इकाई–4 :ईश्वरवाद, कर्मवाद, अनेकान्तवाद

जैन दर्शन में परमाणु और विज्ञान

उपलब्धियाँ–

1. अध्यात्म और विज्ञान के समन्वय की समझ बढ़ेगी।
2. संयम प्रधान जीवनचर्या का विकास होगा।
3. नशामुक्ति की प्रेरणा मिलेगी।
4. जैन जीवनशैली के महत्व का ज्ञान होगा।

पाठ्यपुस्तक/ संदर्भ ग्रन्थः

1. जैन दर्शन और विज्ञान– प्रो. मुनि महेन्द्र कुमार, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ
2. अतीन्द्रियज्ञान– डॉ. बच्छराज दूगड़, जैन पब्लिशर्स, उदयपुर

3. कर्मवाद– आचार्यश्री महाप्रज्ञ, आदर्श साहित्य संघ, चुरू

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA617MJ	**Jain and other Philosophoies (जैन दर्शन के दार्शनिक सिद्धान्त)**	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER- **VI**

उद्देश्य–

1. बौद्ध एवं चार्वाक दर्शन के उत्तरपक्ष एवं पूर्वपक्ष की जानकारी देना।
2. जैन दर्शन के सिद्धान्तों की जानकारी देना।
3. नीतिशास्त्रीय अवधारणाओं को विस्तार से समझाना।

इकाई–1 सामान्य–विशेष

नित्यानित्य

ईश्वर कर्तृत्व

समवाय पदार्थ,

वैशेषिक सम्मत पदार्थ, औपाधिक चैतन्य एवं मुक्ति की अवधारणा की समीक्षा

इकाई–2 आत्मा का देह परिमाण

नैयायिक सम्मत तत्त्वों की समीक्षा

मीमांसक सिद्धान्त पर विमर्श

मायावाद पर विचार

वाच्य–वाचक सम्बन्ध

सांख्य सिद्धान्त विमर्श

इकाई–3 प्रमाण प्रमिति सम्बन्ध, सौत्रान्तिक, वैभाषिक एवं योगाचार मत समीक्षा

शून्यवाद समीक्षा

क्षणिकवाद समीक्षा

वासना, आलयविज्ञान

इकाई–4 चार्वाक मत की समीक्षा

वस्तु की त्रयात्मकता

स्याद्वाद, सप्तभंगी

अनेकान्त विचार

एकान्तवाद समीक्षा

स्याद्वाद की व्यापकता एवं अर्हत् दर्शन की यथार्थता

उपलब्धियाँ–

1 स्यादवाद् मंजरी ग्रंथ का सांगोपांग अध्ययन होगा।
2 पूर्व पक्ष के खण्डन तथा उत्तर पक्ष के मंडन की क्षमता का विकास होगा।
3 अनेकान्त, स्याद्वाद सिद्धान्त का सम्यक् ज्ञान होना।
4 तुलनात्मक दर्शन की समझ विकसित होगी।

पाठ्यपुस्तक/संदर्भ ग्रन्थ :

1. स्याद्वादमंजरी – मल्लिसेन सूरी, श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल, श्रीमद् राजचन्द्र आश्रम, अगास
2. स्याद्वादमंजरी : एक समीक्षात्मक अध्ययन– किरणकला जैन, परिमल पब्लिकेशन, शास्त्रीनगर, दिल्ली

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuums Internal Assessment)	Theory	Total
BJVB601MJ	System of Indian Philosophy		**Core Course**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER-VI

उद्देश्य :

भारतीय दर्शन के अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार हैं–

1. भारतीय दर्शन की परम्पराओं को समझना।
2. भारतीय दर्शन की वैदिक और श्रमण परम्परा का ज्ञान करना।
3. श्रमण परम्परा के जैन और बौद्ध दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का अध्ययन करना।
4. वैदिक परम्परा में सांख्य–योग, न्याय–वैशेषिक और मीमांसा–वेदान्त के प्रमुख सिद्धान्तों का अध्ययन करना।

इकाई–1

- आस्तिक –नास्तिक दर्शन : एक परिचय
- भारतीय दर्शन की विशेषताएं
- चार्वाक दर्शन का प्रमाण विचार
- चार्वाक दर्शन की तत्व मीमांसा

इकाई–2

- अनेकांतवाद एवं स्यादवाद
- षड्द्रव्य विचार
- चार आर्य सत्य
- प्रतीत्यसमुत्पाद

इकाई–3

- सांख्य का द्वैतवाद
- अष्टांग योग की अवधारणा
- न्याय का प्रमाण विचार और ईश्वर विचार
- वैशेषिक का पदार्थ विचार और परमाणु वाद

इकाई–4

- मीमांसा का धर्म विचार
- आचार्य शंकर एवं रामानुज के अनुसार माया , ब्रह्म एवं मोक्ष विचार

उपलब्धियां :

भारतीय दर्शन के अध्ययन की उपलब्धियां इस प्रकार हैं–

1. भारतीय दर्शन की परम्पराओं को समझें।
2. भारतीय दर्शन की वैदिक और श्रमण परम्परा का ज्ञान हुआ।
3. श्रमण परम्परा के जैन और बौद्ध दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का अध्ययन किया।
4. वैदिक परम्परा में सांख्य–योग, न्याय–वैशेषिक और मीमांसा–वेदान्त के प्रमुख सिद्धान्तों का अध्ययन किया।

संदर्भ पुस्तके–

1. भारतीय दर्शन– प्रोफेसर आनंद प्रकाश त्रिपाठी, यूनिवर्सिटी बुक हाउस जयपुर राजस्थान
2. भारतीय दर्शन, दत्ता एवं चटर्जी संगम प्रकाशन, इलाहाबाद
3. भारतीय दर्शन – डॉ बद्रीनाथ सिंह महादेव प्रकाशन, वाराणसी

Course Code	Course Title	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BJVB602 MJ	**Indian Culture**	**(CE)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER-VI

उद्देश्य :

16. प्राचीन भारतीय संस्कृति की जानकारी प्रदान करना।
17. प्राचीन गौरवशाली विश्वविद्यालयों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
18. प्राचीन महाकाव्यों और भारतीय जीवन मूल्यों के बारे में जानकारी प्रदान करना।

इकाई – 1

भारतीय संस्कृति – परिभाषा, पृष्ठभूमि एवं विशेषताएं,
वर्णाश्रम व्यवस्था – परिभाषा एवं महत्व
पुरूषार्थ एवं ऋण – अर्थ, प्रकार एवं महत्व
प्राचीन सामाजिक संगठन – पारिवारिक जीवन

इकाई – 2

प्राचीन भारत में नारी की स्थिति
प्राचीन भारत की न्याय व्यवस्था
शिक्षा एवं शिक्षण संस्थाएं,
धर्म – शैव, वैष्णव, जैन, बौद्ध
सम्प्रदाय – विट्ठल, नाथ

इकाई – 3

भारतीय कला एवं अवशेष – भारतीय वास्तुकला, मूर्तिकला एवं चित्रकला
महाकाव्य युगीन संस्कृति – रामायण एवं महाभारत
भारतीय अभिलेख एवं सिक्के
कालिदास एवं तुलसीदास – जीवन परिचय एवं सांस्कृतिक व साहित्यिक योगदान

इकाई – 4

भारतीय पर्व एवं त्यौहार – हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख एवं इसाई पर्व
रविन्द्रनाथ टैगोर – सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व
भारतीय संस्कृति का विदेशों में प्रचार–प्रसार
भारतीय संस्कृति का मानव–कल्याण में योगदान

उपलब्धियां

1.विद्यार्थी प्राचीन भारतीय संस्कृति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

2. विद्यार्थी प्राचीन गौरवशाली विश्वविद्यालयों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी प्राचीन महाकाव्यों और भारतीय जीवन मूल्यों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Reference Books :

1. भारतीय संस्कृति, रूपनारायण त्रिपाठी, रामदेव साहू, श्याम पब्लिकेशन, जयपुर
2. भारतीय संस्कृति के 21 अध्याय, एस.एल. नागौरी, युनिवर्सिटी बुक हाउस, जयपुर
3. भारतीय संस्कृति का विकास, सत्यकेतु विद्यालंकार, श्री सरस्वती सदन, नई दिल्ली
4- भारतीय संस्कृति के मूल तत्व, सुखबीर सिंह, बिजेन्द्र कुमार, साहित्य भण्डार पब्लिकेशन, मैरठ

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BBOA701MJ	**आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य (प्राकृतागम व्याख्या साहित्य)**	**A**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER–**VII (Major)**

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. निर्युक्ति व्याख्यासाहित्य के इतिहास की जानकारी होगी।
2. भाष्य व्याख्यासाहित्य का इतिहास के इतिहास की जानकारी होगी।
3. चूर्णि व्याख्या साहित्य के इतिहास की जानकारी होगी।
4. टीका या वृत्ति और टब्बा व्याख्या साहित्य के इतिहास की जानकारी होगी।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1: निर्युक्ति व्याख्यासाहित्य का इतिहास (निर्युक्तियां एवं निर्युक्तिकार– आवश्यकनिर्युक्ति, दशवैकालिकनिर्युक्ति, उत्तराध्ययननिर्युक्ति, आचारांगनिर्युक्ति, सूत्रकृतांगनिर्युक्ति, दशाश्रुतस्कंधनिर्युक्ति, बृहत्कल्पनिर्युक्ति, व्यवहारनिर्युक्ति, अन्य निर्युक्तियां)

इकाई–2: भाष्य व्याख्यासाहित्य का इतिहास (भाष्य एवं भाष्यकार– विशेषावश्यकभाष्य, जीतकल्पभाष्य, बृहत्कल्प–लघुभाष्य, ओघनिर्युक्ति–बृहद्भाष्य, पिण्डनिर्युक्ति–भाष्य, पंचकल्प–महाभाष्य, बृहत्कल्प–बृहद्भाष्य)

इकाई–3: चूर्णि व्याख्यासाहित्य का इतिहास (चूर्णियाँ और चूर्णिकार– नन्दीचूर्णि, अनुयोगद्वारचूर्णि, आवश्यकचूर्णि, दशवैकालिकचूर्णि, उत्तराध्ययनचूर्णि, आचारांगचूर्णि, सूत्रकृतांगचूर्णि, जीतकल्प–बृहच्चूर्णि, दर्शवैकालिकचूर्णि, निशीथ–विशेषचूर्णि, दशाश्रुतस्कंधचूर्णि, बृहत्कल्पचूर्णि)

इकाई–4: टीका या वृत्ति और टब्बा व्याख्यासाहित्य का इतिहास (टीकाएँ और टीकाकार– जिनभद्रकृत विशेषावश्यकभाष्य–स्वोपज्ञवृत्ति, हरिभद्रकृत वृत्तियाँ, कोट्याचार्यकृत विशेषावश्यकभाष्य–विवरण, गंन्धहस्तिकृत शस्त्रपरिज्ञा–विवरण, शीलांकृत विवरण, शांतिसूरिकृत उत्तराध्ययनटीका, द्रोणसूरिकृत ओघनिर्युक्ति–वृत्ति, अभयदेवविहित वृत्तियाँ, मलयगिरिविहित वृत्तियाँ, हेमचंद्रकृत टीकाएँ, नेमिचंद्रविहित उत्तराध्ययन–वृत्ति, श्रीचंद्रसूरिविहित व्याख्याएँ, अन्य टीकाएँ)

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested Books) :

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास– डॉ. जगदीशचन्द्र जैन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1961

2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी, 2014

Course Code	Course Title	Course Category	Credit	CIA	Theory	Total
BJVB-702	NVP -Peace Education		4	30	70	100

Semester- VII

Unit- 1

- Peace - Meaning, Concept, Development and Indivisibility
- Peace Education and its significance
- Legitimacy of Peace Education
- Peace Education & Disarmament Education
- Limitations of peace education

Unit- 2

- Strategies and techniques for promoting culture of peace
- Inculcation of human values and new education reforms
- Education for Sustainable future
- Time Management

Unit- 3

- Value Education: Need, Decline & Renewal
- Moral, Social and spiritual values
- Science and values
- Gandhi on value education

Unit- 4

- Human impulse and demoralization of values: Greed, Cruelty, Vanity, Intolerance & Anger
- Jeevan Vigyan as value education synthesis of science & spirituality
- Yoga and pranayama, creating a positive and healthy lifestyle

Mind body connection; Techniques for stress reduction and relaxation

Semester-VII

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 703MJ	**हिन्दी साहित्य (लोक साहित्य)**	**A**	**Core Course**	**4**	**30**	**70**	**100**

इकाई प्रथम

- भारत में लोक–साहित्य के अध्ययन का इतिहास
- लोक–साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया
- लोक–साहित्य के संकलन की समस्याएं

इकाई द्वितीय

- लोक और लोक–वार्ता लोक–वार्ता और लोक–विज्ञान
- लोक–संस्कृति की अवधारणा लोक–वार्ता और लोक–संस्कृति लोक–संस्कृति और लोक–साहित्य
- लोक–साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध

इकाई तृतीय

- लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरणरू–
- लोक–नाट्य, लोक–कथा
- लोक –गाथा, लोक–संगीत, लोक–गीत
- संस्कार गीत व्रत–गीत, श्रम–गीत, ऋतु–गीत

चतुर्थ इकाई

- हिंदी नाटक और रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
- लोक गाथा – ढोला–मारू।
- लोक–संगीत – लोक–वाद्य।
- लोक–भाषा – मुहावरे, कहावतें।

उपलब्धियां –

1. विद्यार्थी अनुवाद प्रक्रिया का विस्तृत ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे
2. विद्यार्थी अनुवाद की सार्थकता एवं प्रासंगिकता समझकर इसे व्यवसाय के रूप में अपना सकेंगे।
3. विद्यार्थी अनुवाद का व्यावहारिक ज्ञान लेकर एक अच्छे अनुवादक बनने हेतु प्रेरित होंगे।
4. विद्यार्थी अनुवाद के विभिन्न प्रकारों का विस्तृत ज्ञान प्राप्त कर अनुवाद के किसी विशेष प्रकार में दक्षता हासिल करने हेतु प्रेरित होंगे।
5. विद्यार्थी अनुवाद की समस्याओं का विस्तृत अध्ययन कर स्वयं अनुवाद करते समय उनसे बचने का प्रयास करेंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory Practicle	Total
BBOA 704MJ	British Literature from the Romantic Period to the Victorian Period	**A**	**Core Course**	**4**	**30**	**50+20**	**100**

Semester VII

Course Objectives:
1. To introduce students to the major literary movements and trends of the Romantic and Victorian periods
2. To analyze and interpret literary texts from the Romantic and Victorian periods
3. To understand the historical and cultural context of the Romantic and Victorian periods
4. To develop critical thinking and analytical skills

Course Outcomes:
1. Students will be able to analyze and interpret literary texts from the Romantic and Victorian periods
2. Students will understand the major literary movements and trends of the Romantic and Victorian periods
3. Students will be able to evaluate the historical and cultural context of the Romantic and Victorian periods
4. Students will develop critical thinking and analytical skills

Course Structure:
1. *Unit 1: Romantic Poetry*
   - Introduction to Romantic poetry
   - Major poets (e.g. Wordsworth, Coleridge, Byron, Shelley, Keats)
   - Key poems (e.g. "The Prelude", "The Rime of the Ancient Mariner", "Ode to a Nightingale")
2. *Unit 2: Romantic Prose*
   - Introduction to Romantic prose
   - Major writers (e.g. Jane Austen, Mary Shelley)
   - Key works (e.g. "Pride and Prejudice", "Frankenstein")
3. *Unit 3: Victorian Poetry*
   - Introduction to Victorian poetry
   - Major poets (e.g. Tennyson, Browning, Arnold)
   - Key poems (e.g. "The Lady of Shalott", "The Ring and the Book", "Dover Beach")
4. *Unit 4: Victorian Prose*
   - Introduction to Victorian prose
   - Major writers (e.g. Charles Dickens, the Brontë sisters)
   - Key works (e.g. "Oliver Twist", "Jane Eyre", "Wuthering Heights")

Assessment and Evaluation:
- Mid-semester exam (20%)
- End-semester exam (40%)

- Assignments and quizzes (20%)
- Class participation and attendance (20%)

Required Readings:
- A range of literary texts from the Romantic and Victorian periods

Recommended Readings:
- Additional literary texts and critical works from the Romantic and Victorian periods

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BOA706	**संस्कृत** संस्कृत व्याकरण **(कालू कौमुदी)**	**B**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER-VII (Major)

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. कारक प्रकरण की जानकारी हुई
2. वाक्य निर्माण का ज्ञान हुआ।
3. स्त्री प्रत्यय की जानकारी मिली।
4. संस्कृत भाषा में निबन्ध रचना का ज्ञान हुआ

इकाई–1:

कारक प्रकरण (वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

इकाई–2:

अनुवाद रचना (संस्कृत वाक्य रचना बोध पाठ–25)

इकाई–3:

स्त्रीप्रत्यय प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

इकाई–4:

निबन्ध रचना (भारतीय पर्व, महापुरुष, पंचव्रत–अहिंसा आदि)।

संदर्भ ग्रंथ–

1. श्रीमद भट्टोजि दीक्षित विरचित वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, व्याख्याकार–श्री गोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2017
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, व्याख्याकार–संपादक– श्रीबालकृष्ण पंचोली, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2011–12
3. वाक्य रचना बोध, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं, 1990
4. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिलदेव शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2016

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BOA707	**संस्कृत** संस्कृत व्याकरण **(लघु सिद्धान्त कौमुदी)**	**B**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER-VII (Major)

उपलब्धियां (Course Outcome)

5. कारक प्रकरण की जानकारी हुई
6. वाक्य निर्माण का ज्ञान हुआ।
7. स्त्री प्रत्यय की जानकारी मिली।
8. संस्कृत भाषा में निबन्ध रचना का ज्ञान हुआ

इकाई–1:

कारक प्रकरण (वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

इकाई–2:

अनुवाद रचना (संस्कृत वाक्य रचना बोध पाठ–25)

इकाई–3:

स्त्रीप्रत्यय प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

इकाई–4:

निबन्ध रचना (भारतीय पर्व, महापुरुष, पंचव्रत–अहिंसा आदि)।

संदर्भ ग्रंथ–

5. श्रीमद भट्टोजि दीक्षित विरचित वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, व्याख्याकार–श्री गोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2017
6. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, व्याख्याकार–संपादक– श्रीबालकृष्ण पंचोली, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2011–12
7. वाक्य रचना बोध, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं, 1990
8. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिलदेव शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2016

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 708MJ	Political Science (Political Theories and Concepts)	A	Core Course	4	30	70	100

Semester-VII

Objectives:-

1.Students will be Understating meaning and nature of Political Theory.

2.Students will be Understating Various Approaches of Political Theory.

3. Students will be Understating About Various Types of Government.

4. Students will be Understating Contemporary various dimensionsof Political Theory.

5. Students will be Understating About Various Concept of Political Theory.

Unit-1

Concept of Political Theory, Rights and its various form, Concept of Power-sources, forms and Characteristics, Concept of Authority-sources, forms and Characteristic, Concept of Legitimacy,sources, forms and Characteristic

Unit-2

Concept of Citizenship & Indian Citizenship, Concept of Liberty, Equality and Justic.

Unit-3

Political Modernization & Political Development, Political Decay, Political Culture,Democracy &Dictatorship

Unit-4

Concept of State politics, Party System, Coalition Government, Politics of Reservation.

Outcomes:-

1.Devlop Knowledge about meaning and nature of Political Theory.

2.Students Understating Various Approaches of Political Theory.

3. Students Understating About Various Types of Government.

4. Students Understating Contemporary various dimensionsof Political Theory.

5. Students Understating About Various Concept of Political Theory.

Reference Books:

1. Modern Political Theory: S.P Verma
2. Contemporary Political Theory: J.C Johari
3. Aadhunik RajnitikSidhhant: S.L Verma
4. Rajniti Shastra ke Mul Sidhhant: B.R Purohit
5. Rajniti Vigyan ke Mul Aadhar: B.L Fadia
6. Rajniti Vigyan ke Mul Aadhar: Pukhraj Jain

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory & Practical	Total
BBOA 711MJ	INFORMATION TECHNOLOGY (Cyber Security)	C	Core Course (CC)	4	30	50+20	100

Objectives: This Course is aimed at

- providing comprehensive knowledge and skills in the Network Security
- providing an opportunity to equip the Network System Administrators & Information Security Officers to understand the security concerns, vulnerabilities, attacks
- planning and implementing the desired e-Security solutions.

Course Content

Unit I- Pre-requisites in Information andNetwork Security

- Overview of Networking Concepts
- Information Security Concepts
- Security Threats and Vulnerabilities
- Cryptography / Encryption

Unit II- Security Management

- Security Management Practices
- Security Laws and Standards

Unit III -Information and Network Security

- Access Control and Intrusion Detection
- Server Management and Firewalls
- Security for VPN and Next Generation Technologies

Unit IV- System and Application Security

- Security Architectures and Models
- System Security
- OS Security
- Wireless Network and Security

Outcomes-After Completing the course participant will

- be well versed with Networking Security skills
- be able to understand the security concerns, vulnerabilities, attacks and can accordingly plan and implement the desired e-Security solutions.
- be trained on the network security issues and solutions

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 713MJ	HISTORY OF INDIA (c. 1750 – 1857)	**A**	**Core Course**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER VII

Outcomes:-

1. Make students aware of 18th and 19th-century society and its political, social, and cultural situations.
2. Make students aware of the colonial mindset of administration.
3. Make students aware of the process of colonization and its consolidation.
4. Make students realize the reactions of the Indian society against the colonizers.
5. Prepare students for the competitive exams.

UNIT-1

India in the mid–18th Century: Society, Economy, Polity; Mercantilism, foreign trade and early forms of exactions from Bengal; Dynamics of expansion, with special reference to Bengal, Mysore, Western India, Awadh, Punjab, and Sindh.

UNIT-2

Arms of the colonial state: army, police, law; Ideologies of the Raj and racial attitudes; and Education: indigenous and 'modern'.

UNIT-3

Land revenue systems and forest policy; Commercialisation and indebtedness; Rural society: change and continuity; Famines; and De – industrialization, Trade and Fiscal Policy; and Drain of Wealth.

UNIT-4

Santhal uprising (1856-7); Indigo rebellion (1860); Pabna agrarian leagues (1873); Deccan riots (1875); and Uprising of 1857.

ESSENTIAL READINGS:-

1. C. A. Bayly, Indian Society and the Making of the British Empire, New Cambridge History of India.
2. Bipan Chandra, Rise and Growth of Economic Nationalism in India.
3. Subash Chakravarty, The Raj Syndrome: A Study in Imperial Perceptions, 1989.
4. J.S. Grewal, The Sikhs of the Punjab, New Cambridge History of India
5. Ranajit Guha, ed., A Subaltem Studies Reader.
6. Dharma Kumar and Tapan Raychaudhuri, eds., The Cambridge Economic History of India, Vol. II.
7. P.J. Marshall, Bengal: The British Bridgehead, New Cambridge History of India.
8. R.C. Majumdar, ed., History and Culture of Indian People, Vols. IX and X.
9. Rajat K. Ray, ed., Entrepreneurship and Industry in India, 1800-1947, Oxford In India Readings.
10. Eric Stokes, English Utilitarians and India.
11. Ram Lakhan Shukla, ed., Adhunik Bharat ka Itihas.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory Practicle	Total
BBOA 714MJ	Geography of Environment	A	Core Course	4	30	50+20	100

7th semester

Course Objective: aims to provide students with a comprehensive understanding of environmental issues, their geographical context, and potential solutions.

Unit 1

a. Definition and Scope of Environmental Geography;

b. Meaning and Components of Environment; Ecosystem and human Ecology– Concept, Components and Functions.

Unit 2

a. Functions of an Ecosystems: Trophic levels, Energy flows, Food chain, Food web and Ecological Pyramids

b. Bio-geo-chemical cycles: Hydrological cycle, Carbon cycle,Nitrogen Cycle and Oxygen cycle.

Unit 3

a. Meaning and concept of Environmental Hazards and Disasters; Global Warming; Urban heat Island.

b. Pollution; Atmospheric, water: Land Degradation.

Unit 4

a. National Programmes and Policies: Legal Framework, Environmental Policy,

b. International Treaties, International Programmes and Polices: Kyoto Protocol, Agenda 21, Sustainable Development Goals, Paris Agreement)

Practical.

1. Village survey and its report.

Course Outcome:

1. To gain a comprehensive understanding of the Earth's physical and environmental systems, including the biosphere, lithosphere, hydrosphere, and atmosphere.
2. Students will have understanding of environmental concepts, processes, and issues, including climate change, pollution, and sustainable development.
3. Students will be able to critically analyze environmental problems, identify their causes and consequences, and evaluate potential solutions.
4. Students will develop a strong sense of environmental awareness and responsibility, promoting sustainable practices and advocating for environmental protection.
5. Students will be able to apply geographic knowledge and analytical skills to address real-world environmental problems and contribute to sustainable solutions.

Suggested Readings:

1. Cunninghum W. P. and Cunninghum M. A., 2004: Principals of EnvironmentalScience: Inquiry and Applications, Tata Macgraw Hill, New Delhi
2. Goudie A., 2001: The Nature of the Environment, Blackwell, Oxford.
3. Singh, R.B. (Eds.) (2009) Biogeography and Biodiversity. Rawat Publication, Jaipur
4. MoEF, 2006: National Environmental Policy-2006, Ministry of Environment andForests, Government of India.
5. Singh S., 1997: Environmental Geography, Prayag Pustak Bhawan. Allahabad

Semester – VII Major

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BOA 716	**Jainology** (Anekantvada, Syadvad and Saptabhangi)	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

Objectives :

- To point out the importance of anekanta and its wider applications.
- To trace the evolution of naya and nikshep.
- To describe the utility of saptabhangi.

Course Outcomes

- Students can apply Anekanta in day to day life.
- Students can appreciate the contribution of Acharya Siddhsena.
- Students can compare the concepts of Anekanta in different schools.

Unit I : Introdution to *Anekant*

- Concept of *Anekant*
- Concept of *Syadvada* and *Saptabhangi*
- Concept of *Naya* and its types
- Concept of *Nikshape* and its types

Unit II : Historicity of *Anekantavada* I

- Concept of *Anekanta* in Different Schools
- Historical Development of concept of *Naya*
- Historical Development of *Anekanta* and *Syadvada*
- Contribution of *Acharya Siddhasena* to Jain Philosophy

Unit III- Aspect of *Anekantavada* II

- Identity-cum-difference of Soul and Matter
- General and Particular Nature of an object
- Four-dimensional Approach of Knowing Reality : Substance, Space, Time and Mode
- Wider Applications of *Anekant.*

Unit IV-*Saptabhangi* (Seven fold predication)

- Doctrine of Sevenfold Predication and it's types.
- Eightfold Criteria of *Naya* and *Pramana Saptabhangi*
- Why only Sevenfold Predication
- *Svarupa* and *Pararupa* of an Object

Text Books

- जैन अनेकान्त कुमार, ''**दार्शनिक समन्वय की जैन दृष्टि : नयवाद**'' प्राकृत जैनविद्या एवं अहिंसा शोध संस्थान, वैशाली।
- जैन अशोक कुमार, ''जैनदर्शन में अनेकान्तवाद : एक परिशीलन'' भगवान ऋषभदेव ग्रन्थमाला, सांगानेर, जयपुर।
- Syadvadamanjari, Acharya Mallishena, Paramshrut Prabhavak Mandal Mumbai, 1950

Suggested Reading

- Matilal, B.K., The Central Philosophy of Jainism (Anekantavad), L.D. Institute of Indology, Ahmedabad, 1981
- Mookerjee S., The Jaina Philosophy of Non-Absolutism, Motilal Banarsidas, Delhi, 1944/1978
- Sadhvi, Muditayasha, Darsana ka Naya Prasthan, Jain Vishva Bharati, Ladnun, 2004
- Acharya Mahaprajna, ***Jain Darshan Manan Aur Mimansa***, Adarsh Sahitya Sangh, Churu.

Semester – VII Major

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BOA 717	**Jain Darshan** (Anekantvada, Syadvad and Saptabhangi)	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

Objectives :

- To point out the importance of anekanta and its wider applications.
- To trace the evolution of naya and nikshep.
- To describe the utility of saptabhangi.

Course Outcomes

- Students can apply Anekanta in day to day life.
- Students can appreciate the contribution of Acharya Siddhsena.
- Students can compare the concepts of Anekanta in different schools.

Unit I : Introdution to *Anekant*

- Concept of *Anekant*
- Concept of *Syadvada* and *Saptabhangi*
- Concept of *Naya* and its types
- Concept of *Nikshape* and its types

Unit II : Historicity of *Anekantavada* I

- Concept of *Anekanta* in Different Schools
- Historical Development of concept of *Naya*
- Historical Development of *Anekanta* and *Syadvada*
- Contribution of *Acharya Siddhasena* to Jain Philosophy

Unit III- Aspect of *Anekantavada* II

- Identity-cum-difference of Soul and Matter
- General and Particular Nature of an object
- Four-dimensional Approach of Knowing Reality : Substance, Space, Time and Mode
- Wider Applications of *Anekant.*

Unit IV-*Saptabhangi* (Seven fold predication)

- Doctrine of Sevenfold Predication and it's types.
- Eightfold Criteria of *Naya* and *Pramana Saptabhangi*
- Why only Sevenfold Predication
- *Svarupa* and *Pararupa* of an Object

Text Books

- जैन अनेकान्त कुमार, ''**दार्शनिक समन्वय की जैन दृष्टि : नयवाद**'' प्राकृत जैनविद्या एवं अहिंसा शोध संस्थान, वैशाली।
- जैन अशोक कुमार, ''जैनदर्शन में अनेकान्तवाद : एक परिशीलन'' भगवान ऋषभदेव ग्रन्थमाला, सांगानेर, जयपुर।

- Syadvadamanjari, Acharya Mallishena, Paramshrut Prabhavak Mandal Mumbai, 1950

Suggested Reading

- Matilal, B.K., The Central Philosophy of Jainism (Anekantavad), L.D. Institute of Indology, Ahmedabad, 1981
- Mookerjee S., The Jaina Philosophy of Non-Absolutism, Motilal Banarsidas, Delhi, 1944/1978
- Sadhvi, Muditayasha, Darsana ka Naya Prasthan, Jain Vishva Bharati, Ladnun, 2004
- Acharya Mahaprajna, ***Jain Darshan Manan Aur Mimansa***, Adarsh Sahitya Sangh, Churu.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory Practicle	Total
BJVB 701MJ	Research Methdology	A	Core Course	4	30	50+20	100

सेमस्टर–सप्तम

शोध प्रविधि

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 (30 + 70)

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में किया जाएगा। जिसका विद्यार्थी हिन्दी/अंग्रेजी/संस्कृत में उत्तर दे सकेंगे। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक खण्ड के निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़ें। खण्ड ''ब'' के किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। इसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक– 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से कम से कम एक प्रश्न लेते हुए कुल 07 प्रश्न होंगे। जिनमें में से कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। इस खण्ड के किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अक– 30

खण्ड स

इस खण्ड के प्रश्न संक्ष्या 9 एवं 10 आन्तरिक विकल्पसहित होंगे। जिनके प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल

अंक 30

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाईयों में विभाजित होगा –

इकाई–1:

शोध : स्वरूप–परिचय, (Introduction : Research),

वर्णनात्मक शोध (Descriptive Research),

शोध के प्रकार (Types of Research),

ऐतिहासिक, तुलनात्मक, भाषात्मक, सामाजिक, प्रविधिपरक एवं कार्यपरक शोध (Historical, Comperative, Linguistic, Social, Methodological and Action Research),

इकाई–2:

शोध–समस्या का चयन (Selection of Research Problem),

परिकल्पना (Hypothesis),

शोध–क्षेत्र (Area of Research),

शोध रूपरेखा (Synopsis)

इकाई–3:

शोधविधियां (Methods of Research), वैज्ञानिक विधि (Scientific Method)

निरीक्षणात्मक विधि (Observation Method), साक्षात्कार विधि (Interview Method)

प्रश्नपरक विधि (Questionnaire Method)

इकाई–4:

वैयक्तिक व एकल अध्ययन (Case Study), प्रतिदर्श–प्रतिचयन (Sampling),

सामग्री या आंकड़ों का संग्रहण व निरीक्षण (Collection & Analysis of Data etc.),

इकाई–5 :

पादटिप्पण (Foot Notes), डाइक्रिटिकल मार्क (Diacritical Marks),

उपसंहार (Conclusion), सन्दर्भ ग्रन्थ सूची (Bibliography), परिशिष्ट निर्माण (Appendix),

सहायक ग्रन्थ

1- Methods in Social Research, William Goode, Paul K. Hatt, McGraw Hill Book Company, 1974.

2. अनुसंधान विधियां (व्यवहारक विज्ञानों में), डॉ. एच.के कपिल, एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा, 2015

3. अनुसंधान विधियां, डॉ. डी.एन. श्रीवास्तव, साहित्य प्रकाशन, आगरा, 2010

4- Research Methodology, Gopal Lal Jain, Mangal Deep Publication, Jaipur, 2003.

5- Scientific Social Sureys and Research, Pauline V. Young, Prentice Hall of India Private Limited, New Delhi, 1939.

Semester – VII Minor (Interdisciplinary)

[Choose any one] (702-709)

Course Code – BJVB 702 Value Education and Spirituality

Marks 100 **[70 Written Exam & 30 CIA]** **Credit-4**

Objectives

- To understand the need of value oriented education.
- To understand the process of contemplation for value development.
- To understand the non-violence and culture of peace.
- To understand the cardinal principles of Jainism.

Unit-I Value Education

- Challenges of Modern Education system and need of value education.
- Values-meaning, definitions, different views and classifications of values.
- Social duties, Responsibilities and Human Rights.

Unit- II Socio Ethical Life Style:

- Social Ethics and Jain Concepts.
- PanchMahavrat- Ahimsa, Satya, Achorya, Bmrahmcharya&Aparigrah.
- Tri Ratna- SamyakDarshan, Gyana&Charitra.
- Anekantvada

Unit-III Development of Social Harmony.

- Peace and Its Relevance in social harmony.
- Social Harmony through Conflict Management.
- Training in Non-violence.

Unit-IV Enhancement of Values in behavior-

- Development of Moral Values: Contemplation of honesty, self-discipline and Non-violence
- Contemplation of mental balance, will power and patience for development of mental values.
- Development of Emotional & Spiritual Values.

SUGGESTED READING

- Structure of Values, Mukharjee RK (1955).....
- Devatma' Value Education: 4 supplements to present education. Arora K. NCET, New Delhi 1999.
- Helping students ascend the steps of value education. A. Dutta. (2004)
- Values and Ethics in School Education, Luther, M. (2001) New Delhi Mc Grow Hill.
- Value Development in Higher Education, Mukhopadhya M. (Eds.) 2004)
- Human Values and Education-Rahul, S.P. (1986) Sterling New Delhi.
- Education in Human Values. Saraf (1999) Vikash Publication, New Delhi.
- Value Education: Theory and Practice, Dr. N.L. Gupta, Krishna Brothers, Ajmer, 1986.
- अमूर्तचिन्तन–आचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं 2001
- गांधीदर्शन शांतिमानवाधिकार, प्रो. अनिल धर, जैनविश्वभारतीसंस्थान, लाडनूं।
- विश्वशांति एवंअहिंसाप्रशिक्षण, डॉ. बच्छराजदूगड़, जैनविश्वभारतीसंस्थान, लाडनूं 2001

- जैन धर्ममेंअहिंसा, वशिष्ठनारायण सिंहा, वाराणसी।
- जैनदर्शनमननऔरमीमांसा–आचार्यमहाप्रज्ञ, आदर्शसाहित्य संघ, चूरू।
- अहिंसादर्शन, डॉ. अनेकान्तकुमारजैन, श्रीलालबहादुरशास्त्री सं. विद्यापीठ, नईदिल्ली।

Semester – VII Minor (Interdisciplinary)

Course Code – BJVB 702 Preksha Meditation and Self Management

Marks 100 **[70 Written Exam & 30 CIA]** **Credit-4**

Paper V

Objectives

1. To understand historical development of Preksha Meditation.
2. To understand the components, spiritual-scientific basis, objectives and benefits of Preksha Meditation.
3. To introduce the practicals& process of Preksha Meditation.

Unit-I Preksha Meditation - I

Preksha Meditation: nature, *upsampada*, main, supportive and specific components.
Kayotsarga (Relaxation with self awareness): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.
Internal Trip (*Antaryatra*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-IIPreksha Meditation – II

Perception of Breathing: objectives, spiritual and scientific basis, types and benefits.
Perception of Body: objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-IIIPreksha Meditation - III

Perception of Psychic Centres: objectives, spiritual and scientific basis and benefits.
Psychic Colour Mediation (*LeshyaDhyan*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.
Contemplation (*Anupreksha*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-IV Self Management through Preksha Meditation

Personality development and Preksha Meditation.
Health management and Preksha Meditation.
Stress Management and Preksha Meditation.
Memory and Preksha Meditation.
Time management and Preksha Meditation.
Emotional management and Preksha Meditation.

SUGGESTED READING

1 प्रेक्षापुष्प–आचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं, 2003।
2 अपनादर्पणअपनाबिम्ब– युवाचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, 1991।
3 प्रेक्षाध्यान : सिद्धातऔरप्रयोग–आचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं।
4 प्रेक्षाध्यान : व्यक्तिवविकास–मुनि धर्मेश, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं।
5 जीवन विज्ञान की रूपरेखा–मुनि धर्मेश, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं, 1996।
6 जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग–संपा. समणी डॉ. मल्लीप्रज्ञा, जैनविश्वभारतीविश्वविद्यालय, 2009।
7 Mirror of the Self – AcharyaMahaprajna, Jain VishvaBharatiPrakashan, Ladnun (Rajasthan), 1995.
8 PrekshaDhyana – Theory & Practice, AcharyaMahaprajna, Jain VishvaBharatiPrakashan, Ladnun (Rajasthan), 1994.

Semester – VII Minor (Interdisciplinary)

Course Code – BJVBI 702 Informational Technology and Computer Application

Marks 100 **[70 Written Exam & 30 CIA]** **Credit-4**

Paper V

The main objectives of this course are;

- It will expose the students to the fundamentals of the IT.
- Students will be having the introductory knowledge of the MS-Windows
- Practically students will be able to use MS-PowerPoint, MS-Word, MS-Excel and create their own blog.

Course Contents (Term End Theory Exam):

Unit I: Introduction to Computers and Windows

- Application of Computers
- Block Diagram of Computer
- Input and Output devices
- Types of software
- Introduction to Operating system: Windows
- Functions of operating system
- How you can Fast your Computer or Maintenance of computer

Unit II: Concept of MS Word and MS Excel and its application

- MS Word Window Layout
- Creating and Formatting Documents
- Editing Documents
- Working with Tables.
- Mail Merge, Macro Recording, Thesaurus, Printing Document (How to Use Page-Setup Before Printing)
- Introduction to Excel and its Applications
- Concept of workbook and worksheet
- Layout of Worksheets
- Use of basic formula and functions
- Sorting, Filtering and charts
- Report Generation (Pivot Table)
- Security or Protecting Worksheets

Unit III: Introduction & Application of MS-PowerPoint

- PowerPoint Slide Creation
- Slide Layout
- Views
- Adding content to slide- Text, Graphics, Sound, Video
- Applying Slide Transition
- Custom Animation
- Slide Show

- Working With Image or ClipArt (how you edit clipart image)

Unit IV: Internet

- Introduction to internet
- ISP (Internet Services Providers)
- About Modem, Type of Internet Connection
- Web browser – its functions
- Concept of search engine, What is surfing
- Social Networking site/How to pay online bill/How to book tickets online/How to use Paytm
- Website and its types
- Searching, downloading and uploading
- Basic concepts of sending and receiving E-mail
- Blog uses and creation of blog
- How to Create Simple web page (or Personal web page)

Course Contents (Practical) :

- Creating document in MS-Word like Advertisement, Letter, Tables, Charts etc.
- Creation of Simple Worksheet like Mark sheet, Pay slip using MS-Excel.
- Creation of Power Point Presentation on various themes.

Outcome:

- Students will apply the knowledge of IT practically in their day-to-day life.
- Students will be able to create well-formatted documents, attractive presentations and calculation part through excel.
- Students will be able to create their own blog.

SUGGESTED READING/Website

1. http://www.tutorialspoint.com/computer_fundamentals/index.htm
2. http://www.gcflearnfree.org/office
3. Fundamentals of computers (English) Ist Edition by ReemaThareja, Oxford University Press, 2014
4. Introduction to Computer by Peter Norton, Tata McGraw hill
5. Introduction to Computer by Gary B Shelly

Semester – VII Minor (Interdisciplinary)

Course Code – BJVB 702 The Use of English

Marks 100 **[70 Written Exam & 30 CIA]** **Credit-4**

Paper V

Course Description: The Use of English is a course designed to familiarize the students with basic tenants of English language comprising both grammar and composition.

Unit I: Basic Sentence Patterns and Transformation.

Unit II: Time, Tense and Concord.

Unit III: Voice, Narration and Modal Auxiliaries.

Unit IV: Writing Skills. (Letter, Application, Précis, Report and Essay Writing.)

SUGGESTED READING

- Green, David. ***Contemporary English Grammar Structure and Composition***.Laxmi Publications; Second edition (2015)
- Hornby, A.S.***A guide to Patterns and Uses*.** Oxford University Press, New Delhi.
- Swan, Michael***. Practical English Grammar*.**Oxford University Press, New Delhi.
- Harit, S.K.***Communication Skills and English Grammar*.**Associated Book Company, Jodhpur.
- Krishnaswamy, N.***Modern English: A Book of Grammar, Usage and Composition*.** Laxmi Publications.

Semester – VII Minor (Interdisciplinary)

Course Code – BJVB 702 Non-violence and Peace

Marks 100 **[70 Written Exam & 30 CIA]** **Credit-4**

Paper V

Unit- I **Violence: Concept, types, impact**

Non-violence- Philosophical and Historical Interpretation,

Applied aspect, Training in Non-violence

Unit-II **Conflict – Cause, Forms, Impact**

Conflict Resolution-Diplomatic, Gandhian and

Anekantik Techniques.

Unit-III **Human Nature Relationship**

EnvironmentalProblems.

Ethical Aspects.

Unit – IV **World Peace**

Threat to Global Peace

Initiative For Peace Making

SUGGESTED READING

- विश्वशांति एवंअहिंसाप्रशिक्षण–प्रो. बच्छराजदूगड़,
- गांधीदर्शन, शांति एवंमानवाधिकार, डॉ. अनिलधर, जैनविश्वभारतीसंस्थान, लाडनूँ
- पर्यावरण अध्ययन, डॉ. सतिन्द्र सिंह
- Anekant the Third Eye, AcharyaMahapragya.
- Towards a Nonviolent Future, S.L. Gandhi(Ed.), Anuvibha, Jaipur, 2015
- Peace Studies, The Discipline and Dimensions AshuPasricha, 2003

प्राकृत

एम.ए. ैम्डमैज्म्त–द्वितीय

(FOUNDATION PAPER)

Paper V

BJVB 702 -Introduction to Prakrit

[70 Written Exam & 30 CIA]

क्रेडिट–4

पूर्णांक : 100 (70लिखितपरीक्षा + 30CIA)

इकाई–प्रथम : उत्तरायन सूत्र – अध्ययन 1 (गाथा 1–20)

इकाई– द्वितीय : उत्तरायन सूत्र – अध्ययन 1 (गाथा 25–48)

इकाई–तृतीय : प्राकृतभाषाकासामान्य परिचय

प्राकृत की उत्पत्ति एवंविकास, प्रमुख प्राकृतों की सामान्य विशेषताएँ (मागधी, अर्द्धमागधी, शौरसेनी, महाराष्ट्री एवं अपभ्रंश)

इकाई–चतुर्थ : प्राकृतसाहित्य काइतिहास

श्वेताम्बर एवंदिगम्बरआगमसाहित्य, प्राकृतकाव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य, ऐतिहासिक काव्य) कथा एवंचरितसाहित्य, प्राकृत गद्य एवंचम्पूसाहित्य, प्राकृतसट्टक एवंप्राकृतव्याकरणसाहित्य।

संदर्भग्रंथ :

1. उत्तरज्झयणाणि–हिन्दीअनुवाद एवंव्याख्या साहित, संपादकआचार्यश्रीमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारती, लाडनूं
2. प्राकृतभाषा एवंसाहित्य काआलोचनात्मकइतिहास, नेमिचन्द शास्त्री, ताराप्रकाशन, वाराणसी
3. प्राकृतसाहित्य काइतिहास, डॉ. जगदीशचन्द्रजैन, चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी

4- Introduction to Prakrit, A.C. Woolner

5- History of Prakrit Literature, HardevBahar

Semester – I Core Foundation Paper

Course Code – BJVB 702 Introductions to Jainism

[70 Written Exam & 30 CIA]

Marks 100 **Credit-4**

Unit I: Jain History

1. Antiquity of Jainism (*Riabha and Mahavira*)
2. Jain religious Schools, Orders, and Sects
3. Jain Festival
4. Jain Literature

Unit II: Jain Metaphysics

5. Concept of Reality
6. Cosmology: Jain Perspective
7. The Nine Truths of Classical Jainism
8. Salvation and way of it

Unit III: Jain Principal

9. Anekantvada
10. Syadvada
11. Karmavada

Unit IV: Jain Ethics & Yoga

12. Jain Life Style : Based on Ahimsa on Aparigraha
13. Jain view of Environment
14. Jain Yoga

SUGGESTED READING

- AcharyaMahaprajna, ***Jain DarshanMananAurMimansa***, AdarshSahityaSangh, Churu, 1977, (p. 1-84)
- Shastri, Kailashchandra, ***Jain Dharm***, BharatvarshiyaDigamber Jain Sangh, Mathura, UP, 1985. (Chap. – 1, 4, 5, 6 and the part of Chap. 7 – p. 337 – 365)
- Jain, Jyoti Prasad, **Religion and Culture of the Jains**, BharatiyaGyanpeeth, 1999 (Chap. – 1 to 3 and 7 to 9)
- Bhaskar, Bhagchand Jain, ***Jain Dharma kaMaulikItihas*** SamyakgyanPracharakMandal, Jaipur. Vol 1 & 2.
- ShastriNemichandra, ***TirthankaraMahaveer aura UnkiAcharyaParampara***, Vol.-I., PrachyaShramanaBharati, Mujaffar Nagar, U.P.
- SamaniRijuPrajna, ***Jain ItihasaurSanskriti***,Jain VishvaBharati Institute, Ladnun
- SamaniRijuPrajna, ***Jain Tattvamimansa aura AcharaMimansa***, Jain VishvaBharati Institute, Ladnun.

Multidisciplinary Course

Introduction to Sanskrit

(संस्कृत का परिचय)

इकाई-१

- संस्कृतवर्णमालापरिचय

  १. स्वरवर्ण

  २. व्यञ्जनवर्ण

- शब्दरूप(संज्ञात्मक)

शब्द	अकारान्त	आकारान्त	इकारान्त	ईकारान्त	उकारान्त	ऋकारान्त
पुलिङ्ग	राम, बालक	-	कवि, हरि, पति	-	गुरु	पितृ, दातृ
स्त्रीलिङ्ग	-	लता	मति	नदी	धेनु	मातृ
नपुंसकलिङ्ग	फल	-	वारि	-	वस्तु	-

- शब्दरूप(हलन्त\व्यञ्जनान्त)

पुलिङ्ग	राजन्, आत्मन्, महत्, गच्छत्, ब्रह्मन्, विद्वस्
स्त्रीलिङ्ग	वाच्, सरित्, दिश्, परिषद्
नपुंसकलिङ्ग	जगत्, नामन्, मनस्, पयस्, कर्मन्

- सर्वनाम- अस्मद्, युष्मद्, तद्, यद्, एतद्, अदस्, भवत्, किम्, सर्व (तीनों लिङ्गों मे)।
- धातुरूप

  १. परस्मैपदीधातु- पठ्, भू, लिख्, अस्, गम्, खाद्, वद्, हस्, कृ, पा, दा, नी, ज्ञा।

  २. आत्मनेपदीधातु- लभ्, सेव्, भाष्, वन्द्, मुद्, क्षम्, रम्, कम्प्।

इकाई-२

- सन्धि

१.स्वरसन्धि
२. व्यञ्जनसन्धि
३. विसर्गसन्धि

- समास
  १. अव्ययीभावसमास
  २. तत्पुरुषसमास
  ३. कर्मधारायसमास
  ४. द्विगुसमास
  ५. बहुव्रीहिसमास
  ६. द्वन्द्वसमास

इकाई-३

- कारक
  १.कर्ता, २.कर्म, ३.करण, ४.सम्प्रदान, ५.अपादान, ६.सम्बन्ध, ७. अधिकरण
- वाच्य
  १.कर्तृवाच्य, २. कर्मवाच्य, ३. भाववाच्य
- प्रत्यय
  १. कृदन्त- क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्तिन्, ल्युट्, तव्य/तव्यत्, अनीयर्।
  २. तद्धित- मतुप्, वतुप्, अण्, घञ्, इन्, ठक्, तल्, ष्यञ्।
  ३. स्त्रीप्रत्यय- टाप्, ङीप्, ङीष्।
- अव्यय
  १.स्थानवाची- अत्र, तत्र, यत्र, सर्वत्र, अन्यत्र, कुत्र, यतः, ततः।
  २.समयवाची- यदा, तदा, कदा, सर्वदा, अद्य, ह्यः, श्वः, परश्वः।
  ३.समुच्चयवाची- च, अपि, एव
  ४. दिशावाची- अभितः, परितः, पुरतः, वामतः, दक्षिणतः।
  ५. निषेधवाची- मास्तु, अलम्, न।
  ६.सादृश्यवाची- इव, नु, वा, चित्।
- उपसर्ग- आ, उत्, अनु, प्र, प्रति, अव, उप, सम, अप।
- विशेष्य-विशेषणसम्बन्ध
- संस्कृत अनुवाद(हिन्दी से संस्कृत में)

इकाई-४ (संस्कृतसाहित्य का आलोचनात्मक इतिहास)

- संस्कृतसहित्य का उद्भव और विकास
- संस्कृत साहित्य के विभिन्न विधाओं का अध्ययन

१. गद्यकाव्य
२. पद्यकाव्य
३. चम्पूकाव्य
४. नाटक

- संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का परिचय
    १. कालिदास
    २. भारवी
    ३. श्रीहर्ष
    ४. भवभूति
    ५. भास
    ६. शूद्रक
    ७. बाणभट्ट

सहायक ग्रन्थसूची :

१. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, २०२४.
२. बृहत् अनुवाद-चन्द्रिका, चक्रधर नौटीयाल "हंस" शास्त्री, मोतीलाल वनारसीदास, वाराणसी,१९६२.
३. सुगम संस्कृत व्याकरण, राकेश शास्त्री-प्रतिमा शास्त्री, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, १९९७.
४. व्याकरणसौरमम्, कमल कमलाकान्त मिश्र, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, २००२.
५. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशङ्कर शर्मा(ऋषि), चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, २०१७.
६. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डा. कपिलदेव द्विवेदी, उत्तरप्रदेश संस्कृत अकादमी, लखनऊ, १९९३.

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BOA801	**आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य (प्राकृत चरित एवं काव्य साहित्य)**	**A**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER–**VIII (Major)**

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. सेतुबन्ध के परिचय के प्रथम अश्वास की जानकारी होगी।
2. वज्जालग्गं के परिचय के साथ ही वज्जाओं की जानकारी होगी।
3. पउमचरियं के परिचय के साथ द्वितीय उद्देशक की जानकारी होगी।
4. गउडवहो के परिचय के साथ प्रारम्भिक गाथा 1–68 की विषय–वस्तु की जानकारी होगी।

इकाई–1: सेतुबन्ध (प्रवरसेनविरचित)– प्रथम आश्वास

इकाई–2: वज्जालग्गं–प्रथम चार वज्जाएं (सोयार, गाहा, कव्व, सज्जण)

इकाई–3: पउमचरियं (द्वितीय उद्देश)

इकाई–4: गउडवहो (गाथा–1–68)

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested Books) :

1. सेतुबन्ध–प्रवरसेन, राय अश्विनी कुमार एवं डॉ. हरिशंकर पाण्डेय, श्रीनाथ पब्लिकेशन, आरा, 1996
2. वज्जालग्गं, संस्कृत टीका, रत्नदेव, अनु. एम.वी. पटवर्द्धन, पार्श्वनाथ विद्याश्रम शोध संस्थान, वाराणसी, 1984
3. पउमचरियं–भा. 1, 2 विमलसूरिकृत, प्राकृत टैक्स सोसायटी, वाराणसी, अहमदाबाद, 1962, 1968
4- गउडवहो (वाक्पतिराजकृत) – हिन्दी अनुवाद संहित, संपादक डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्र, वाणी वाटिका प्रकाशन, कदम कुआं, पटना

Semester – VIII

Introduction to Non-violence and Peace (NVP 802)

Course Code	Course Title	Course Category	Credit	CIA	Theory	Total
BJVB-802	Introduction to Non-violence and Peace		4	30	70	100

Course Objectives:

1. To introduce the basic knowledge of non-violence & peace
2. To understand historical development of non-violence & peace
3. To know the techniques of conflict resolution
4. To train the students for nonviolent behavior

Unit- 1

- Violence: Causes, types and effects
- Nonviolence: Meaning and Types
- Interpretation of non-violence in Indian philosophy
- Philosophy of Mahatma Gandhi and Acharya Mahapragya

Unit-2

- Conflict: Meaning, types, bases, Causes and Impact of Conflict
- Importance of Conflict
- Are Conflicts Productive and Manageable?
- Peaceful Methods of Conflict Resolution- Jain and Gandhian technique

Unit-3

- Peace: Meaning, definition and types
- Peace Education: Nature and Significance
- Need and importance of peace education
- Peace education and Value education

Unit – 4

- The nature of training in Nonviolence
- Training for Change in heart
- Training for Attitude change
- Training for Life-Style Modification
- Training for change in System

Course Outcomes:

On completion of this course student shall be able to:

1. apply the knowledge of non-violence & peace in their day-to-day life
2. create non-violent and peaceful environment
3. practically implement the nonviolence in current scenario

Suggestion Readings

- विश्व शांति एवं अहिंसा प्रशिक्षण–प्रो. बच्छरा जदूगड़
- गांधीदर्शन, शांति एवं मानवाधिकार, डॉ. अनिलधर, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूँ
- पर्यावरण अध्ययन, डॉ. सतिन्द्र सिंह
- Anekant the Third Eye, AcharyaMahapragya.
- Towards a Nonviolent Future, S.L. Gandhi(Ed.), Anuvibha, Jaipur, 2015
- Peace Studies, The Discipline and Dimensions AshuPasricha, 2003

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 803	**हिन्दी साहित्य (अनुवाद विज्ञान)**	**A**	**Core Course**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER - VIII

इकाई प्रथम

- अनुवाद परिभाषा क्षेत्र और सीमाएं।
- अनुवाद का स्वरूप और अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प।
- अनुवाद की इकाई : शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।

द्वितीय इकाई

- स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना
- अनुवाद–प्रक्रिया की प्रकृति
- अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत

तृतीय इकाई

- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकारः–कार्यालयी, वैज्ञानिक व तकनीकी, साहित्यिक, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।
- अनुवाद की समस्याएं : कार्यालयी अनुवाद की समस्या, विधि–साहित्य के अनुवाद की समस्या, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्या, विज्ञापन के अनुवाद की समस्या।
- अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण

चतुर्थ इकाई

- अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यवसायिक परिदृश्य।
- अनुवादक के गुण
- अनुवाद के उपकरण : शब्द कोश, परिभाषिक शब्दावली एवं कंप्यूटर आदि।
- शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, आशु अनुवाद

उपलब्धियां : –

1. विद्यार्थी भारत के लोक साहित्य से भिज्ञ हो सकेंगे
2. विद्यार्थी लोग भाषा एवं लोक संस्कृति का ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी लोक नाटकों के रंगमंचीय प्रभाव के प्रति आकृष्ट हो सकेंगे।
4. विद्यार्थी लोक संगीत एवं लोकगीतों के पुनरुत्थान में रुचि ले सकेंगे ।
5. विद्यार्थी लोक संगीत की परिपाटी को बनाए रखने हेतु अपना योग दे सकेंगे।
6. विद्यार्थी लोक साहित्य को परिष्कृत करने में अपना महनीय योग दे सकेंगे।

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BOA804	English Literature	**B**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

(8th Semester)

Objective:
To provide students with a comprehensive understanding of contemporary literature and advanced research skills. To equip students with the skills to analyze and interpret complex literary texts, and to develop their critical thinking and writing abilities.

Course Outcomes:
Upon completion of this course, students will be able to:
1. Analyze and interpret contemporary literature
2. Understand advanced research methods and techniques
3. Develop critical thinking and writing skills

Unit 1: Contemporary Literature
- Topics:
  - Definition and scope of contemporary literature
  - Historical and cultural context
  - Key authors and works

Unit 2: Advanced Research Methods and Techniques
- Topics:
  - Introduction to advanced research methods and techniques
  - Key concepts and terminology
  - Application of research methods and techniques to literary analysis

Unit 3: Critical Theory and Literary Criticism
- Topics:
  - Introduction to critical theory and literary criticism
  - Key concepts and terminology
  - Analysis and interpretation of literary texts using critical theory and literary criticism

Unit 4: Dissertation and Research Project
- Topics:
  - Introduction to dissertation and research project
  - Key concepts and terminology
  - Development of a research proposal and research design

Assessment and Evaluation:
- Mid-semester exam (20%)
- End-semester exam (40%)
- Assignments and quizzes (20%)
- Class participation and attendance (20%)

Reference Books:
- "The Norton Anthology of Contemporary Literature"
- "The Oxford Handbook of Contemporary Literature"
- "The Research Handbook"
- "The Oxford Companion to Literary Research"

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BOA806	**संस्कृत संस्कृत नीतिपरक साहित्य (कालू कौमुदी)**	**B**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER-VIII (Major)

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. नीतिशतक के माध्यम से नीतिसूत्रों की जानकारी
2. क्षत्रचूडामणि के विषय–वस्तु की जानकारी
3. पंचतन्त्र (विष्णुशर्माकृत)–अपरीक्षितकारक, पंचमतन्त्र
4. नीति साहित्य के माध्यम से नीति की शिक्षा प्राप्त करना

इकाई–1: नीतिशतक (भर्तृहरिरचित) 1–55 श्लोक

इकाई–2: क्षत्रचूडामणि (आचार्य वादीभ सिंह), प्रथम लम्भ

इकाई–3: क्षत्रचूडामणि (आचार्य वादीभ सिंह), द्वितीय लम्भ

इकाई–4: पंचतन्त्र (विष्णुशर्माकृत)–अपरीक्षितकारक, पंचमतन्त्र

संदर्भ ग्रन्थ

1. नीतिशतकम्, डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, आदर्श प्रकाशन, जयपुर, 2015।
2. पंचतन्त्रम्, (टीकाकार) गोकुलदास गुप्त, (सं.) रामचन्द्र झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008।
3. क्षत्रचूडामणि, भाषा टीकाकार एवं सम्पादक–यशपाल जैन, श्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वद् परिषद् ट्रस्ट, 2016

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BOA807	**संस्कृत** **संस्कृत नीतिपरक साहित्य (लघु सिद्धान्त कौमुदी)**	**B**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

SEMESTER-VIII (Major)

उपलब्धियां (Course Outcome)

5. नीतिशतक के माध्यम से नीतिसूत्रों की जानकारी
6. क्षत्रचूडामणि के विषय–वस्तु की जानकारी
7. पंचतन्त्र (विष्णुशर्माकृत)–अपरीक्षितकारक, पंचमतन्त्र
8. नीति साहित्य के माध्यम से नीति की शिक्षा प्राप्त करना

इकाई–1: नीतिशतक (भर्तृहरिरचित) 1–55 श्लोक

इकाई–2: क्षत्रचूडामणि (आचार्य वादीभ सिंह), प्रथम लम्भ

इकाई–3: क्षत्रचूडामणि (आचार्य वादीभ सिंह), द्वितीय लम्भ

इकाई–4: पंचतन्त्र (विष्णुशर्माकृत)–अपरीक्षितकारक, पंचमतन्त्र

संदर्भ ग्रन्थ

4. नीतिशतकम्, डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, आदर्श प्रकाशन, जयपुर, 2015।
5. पंचतन्त्रम्, (टीकाकार) गोकुलदास गुप्त, (सं.) रामचन्द्र झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008।
6. क्षत्रचूडामणि, भाषा टीकाकार एवं सम्पादक–यशपाल जैन, श्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वद् परिषद् ट्रस्ट, 2016

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 808	Political Science (International Politics)	**A**	**Core Course**	**4**	**30**	**70**	**100**

Semester- VIII

Objectives:-

1. Students will be Understating meaning and nature of International Politics.
2. Students will be Understating Various Approaches of International Politics.
3. Students will be Understating About Various International Organization.
4. Students will be Understating Contemporary trends in world politics.
5. Students will be Understating About Various Concept of International Politics.

Unit-1

Theories & Approaches to the study of International Politics: Idealist & Realist, Neo-Realistic,Marxist, Feminist, Post-modernist, Neo-Liberal.

Unit-2

Concept of National Power: Elements & its Evolution**,** National Interest & Policy: Diplomacy, Propaganda & Political Warfare**,** Economic Instruments of National Policy**,** War: Nature, Causes & its types.

Unit-3

Balance of Power, Collective Security, Pacific Settlement of International Disputes International Law & Disarmament, Cold War, End of Cold War and Post-Cold War trends.

Unit-4

Regional Organisations: G-20, BRICS, EU, SAARC, ASEAN, IBSA, Liberalisation, Privatisation, Globalisation (LPG), Contemporary Trends in World politics

Outcomes :-

1. 1.Develop Knowledge of Students about meaning and nature of International Politics.
2. Develop Knowledge of Students about Various Approaches of International Politics.
3. Develop Knowledge of Students about Various International Organization.
4. Develop Knowledge of Students about Contemporary trends in world politics.
5. Develop Knowledge of Students about Various Concept of International Politics.

Reference Books:-

1. Globalization and World Politics: John Ballys and Steve Smith
2. Theoretical aspects of international Politics: Mahinder Kumar
3. International Relations Today: Aneek Chatterjee
4. International Relations: B.M Jain
5. ternational Relations: P.K Chadhha
6. International Relations: B.L Fadia
7. International Problems and World Politics: S.N Dhar

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 713	इतिहास ISTORY OF INDIA (c. 1857 – 1950)	A	Core Course	4	30	70	100

SEMESTER8th

OUTCOMES:-

1. Students will be aware of 19th and 20th-century society and its political, social, and cultural situations.
2. Students will be aware of the colonial mindset of ruling and neglecting the political demands of Indians.
3. Students will be aware of the process of the formation of the Constitution.
4. Students will realize the reactions of the Indian society against the colonizers.
5. Students will be prepared for the competitive exams.

UNIT-1

Political ideology and organizations, formation of INC; Moderates and extremists; Swadesh movement; and Revolutionaries.

UNIT-2

Mahatma Gandhi: his Perspectives and Methods, Impact of the First World War, Rowlatt Satyagraha and Jallianwala Bagh; Non – Cooperative and Civil Disobedience; and Provincial Autonomy, Quit India and INA.Left–wing movements [d] Princely India: States' people's movements

UNIT-3

Left–wing movements; Princely India: States' people's movements; and Communalism: Ideologies and practices – RSS, Hindu Maha Sabha, Muslim League.

UNIT-4

Negotiations for independence and partition; Popular movements and Partition riots; Making of the Constitution; and Integration of princely states.

ESSENTIAL READINGS:-

12. Judith Brown, Gandhi's rise to Power, 1915-22
13. Paul Brass, The Politics of India Since Independence, OUP, 1990.
14. Bipan Chandra, Nationalism and Colonialism in Modern India, 1979.
15. Bipan Chandra, Rise and Growth of Economic Nationalism in India.
16. Mohandas K. Gandhi, An Autobiography or The Story of My Experiments with Truth.

17. Ranajit Guha, ed., A Subaltem Studies Reader.
18. Peter Hardy, Muslims of British India.
19. Mushirul Hasan, ed., India's Partition, Oxford in India Readings.
20. D.A. Low, ed., Congress and the Raj.
21. John R. McLane, Indian Nationalism and the Early Congress.
22. Jawaharlal Nehru, An Autobiography.
23. Gyanendra Pandey, The Construction of Communalism in Colonial North India.
24. Sumit Sarkar, Modern India, 1885-1947.
25. Anil Seal, Emergence of Indian Nationalism.
26. Ram Lakhan Shukla (ed.), Adhunik Bharat ka Itihas.
27. Eleanor Zelliot, From Untouchable to Dalit: Essays on the Ambedkar Movement

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory	Total
BBOA 811	Information Technology (Digital Marketing)	A	Core Course	4	30	70	100

SEMESTER VIII

Objectives- Digital Marketing' is now an indispensable part of any effective marketing campaign, because of its targeted reach, customized messaging, low costs and huge availability of data for analysis. This course

- shall enable participants to get a wide as well as deep understanding of the subject
- shall enable participants to conduct marketing activities on a host of digital platforms.

Course Content

Unit I-Introduction , Core Marketing Channels ,Search Engine Optimization, Paid Search

- Overview of course program and final project
- Key trends and planning frameworks for the core digital marketing channels
- Fundamental principles of Search Engine Optimization (SEO)
- SEO optimization
- Future of SEO
- Fundamentals and core components of Paid Search
- Role of paid search in campaign hierarchies
- Introduction to Google Adword: Adwords Study Guides
- Insight on Adwords Auctions
- Basics of quality score and its role within paid search

Unit IIEmail Marketing & Analytics

- Email and sending strategies
- Maximizing email performance
- Creating targeted email data lists
- Identifying SMS strategies
- Analytics data types
- Google Analytics
- Basics of data analysis
- Developing analytics strategies

Unit III Social Marketing & Mobile Marketing

- Social media for marketing

- Paid, owned, and earned media
- Role of community management in social media marketing
- Best practices
- Tying social media marketing goals to business objectives
- Popular strategies and tactics
- Measurement and analysis of social media strategies
- Evolution of mobile marketing
- Basic mobile technologies
- Basic principles of design
- How analytics, research, and validation impact decision-making

Unit IV Display Advertising & Final Project

- Methods of targeting and buying display media
- Success metrics
- Pricing models and budgeting
- Optimizing performance
- Create and deliver a 10-minute presentation that utilizes the marketing strategies

Outcome

After attending this course, participants will have a clear understanding of how to measure and monitor their online traffic. Using this information, they should be able to update your marketing campaigns to drive increased traffic to their business. The various roles that a participant shall be able to take up after successfully completing this program are-

- Digital Marketing Executive
- Social Media Executive
- SEO Executive
- SMO Executive
- Sales Promotion Executive
- Marketing data Analytics Executive
- Marketing Co-ordinator
- Sales Support Executive
- Online Market research executive

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continuous Internal Assessment)	Theory+Practicle	Total
BBOA 814	Geography (Remote Sensing and GIS)	**A**	**Core Course**	**4**	**30**	**50+20**	**100**

semester 8th

Course Objectives:

1. Understanding the principles of remote sensing, including sensor systems, data acquisition, and image processing techniques.
2. Gaining knowledge of GIS concepts, data types (raster and vector).

Unit 1

- **a.** An Introduction to the remote sensing.
- **b.** Definition of Remote Sensing
- **c.** Stages of Remote Sensing

Unit 2

- **a.** Platform and Sensors.
- **b.** An Introduction to Electromagnetic Spectrum and its Radiations.
- **c.** Sensor Resolutions: Spatial, Spectral and Radiometric

Unit 3

- **a.** Land Observation Satellites**:** Indian Remote Sensing Satellites (CartoSat, resourceSat)
- **b.** Indian Navigational Satellite Systems
- **c.** Earth Orbits: Polar Earth and Geostationary earth Orbit.
- **d.** Data Products: Photographic Image and Digitalised image.
- **e.** Interpretation of Data products(Satelite Imageries)

Unit 4

a. An introduction to Geo-Informatic Systems (GIS)

b. Types of GIS data: Raster Data format, Vector Data format.

c. Single User GIS Softwares: ArcGIS, QGIS.

Practical-

1. Aerial Photographs : Introduction and Developmnt of Aerial Photographs
2. Developent Of Remote sensing; Advantages of Remote Sensing

Course outcomes-

Students will be able to,

1. understand the fundamentals of remote sensing and GIS.
2. Apply remote sensing techniques to acquire and process satellite and aerial imagery .
3. Utilize GIS software and techniques to analyze and visualize spatial data.
4. Interpret remotely sensed data and apply it to real-world problems .
5. Demonstrate an understanding of the applications of remote sensing and GIS in various fields

Semester – VIII (Major)

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BOA 816	**Jainology** (Contemporary Indian Philosophy)	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

Objectives :

- To trace the rise of philosophy.
- To appreciate the efforts of the contemporary philosophers to make their society enlightened.

Course Outcomes

- Students can enhance their knowledge.
- Students can appreciate modern thinkers' contributionsto society.
- Students can inculcate moral values through studying the lives of such philosophy.

Unit- I

- Origin and Development of Philosophy
- Concept of Contemporary Philosophy
- Relevance of contemporary Philosophy

Unit- II Contemporary Philosophers and his views

- Swami Vivekanand
- Ravindranath Tagore
- Mohammad Iqbal

Unit- III

- Mahatma Gandhi
- Sri Aurobindo
- S. Radhakrishnan

Unit- IV

- Srimad Raichand
- Acharya Tulsi
- Acharya Mahaprajna

Text Books

- Contemporary Indin Philosophy, Basant Kumar Lal, Motilal Banarasidas Publication, Varanasi, 1973

SUGGESTED READING

- Jain Darshan Manan aur mimansa, Achary Mahaprajna, Adarsh Sahitya Sangh, Churu

Semester – VIII (Major)

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	C.I.A. (Continouns Internal Assesment)	Theory	Total
BOA 817	**JAIN DARSHAN** (Contemporary Indian Philosophy)	**C**	**Core Course (CC)**	**4**	**30**	**70**	**100**

Objectives :

- To trace the rise of philosophy.
- To appreciate the efforts of the contemporary philosophers to make their society enlightened.

Course Outcomes

- Students can enhance their knowledge.
- Students can appreciate modern thinkers' contributionsto society.
- Students can inculcate moral values through studying the lives of such philosophy.

Unit- I

- Origin and Development of Philosophy
- Concept of Contemporary Philosophy
- Relevance of contemporary Philosophy

Unit- II Contemporary Philosophers and his views

- Swami Vivekanand
- Ravindranath Tagore
- Mohammad Iqbal

Unit- III

- Mahatma Gandhi
- Sri Aurobindo
- S. Radhakrishnan

Unit- IV

- Srimad Raichand
- Acharya Tulsi
- Acharya Mahaprajna

Text Books

- Contemporary Indin Philosophy, Basant Kumar Lal, Motilal Banarasidas Publication, Varanasi, 1973

SUGGESTED READING

- Jain Darshan Manan aur mimansa, Achary Mahaprajna, Adarsh Sahitya Sangh, Churu

SEMESTER- VIII (Minor)
(ANY ONE)

Course Code	Course Title	Course Category	Credit	Departmental Presentation	CIA	Theory	Total
BJVB 801	Review of Literature	Research	4	50	15	35	100

Learning Outcomes: After completion of this course students would able to:

- ❖ Decipher the concept, source and types of literature.
- ❖ Development of research writing skills.
- ❖ Understand the concept of seminar and workshop.
- ❖ Development of understanding method of reviewing literature.

Theory (2 Credits)

UNIT-I Review of Literature

a) Meaning, Nature of Literature Review
b) Significance of Literature Review
c) Principles of Literature Review
d) Identification of Research gaps through Literature Review

UNIT II Sources of Literature

Sources of Literature:

a) Primary
b) Secondary
c) Tertiary

Practical (2 Credits)

Collection of Review of Literature on concerned subject (minimum 15 including books, journals, digital sources and encyclopedias)

Work Cited :

Ferguson, G.A. (1971), Statistical Analysis in Psychology and Education, Kogakusna, Tokyo : McGraw-Hill.

Garrett, H.E. (1971), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Paragon International Publisher.

Guilford, J.P. &Fruchter, B. (1981), Fundamental Statistical in Psychology and Education, New York: McGraw-Hill.

Mangal, S.K. (2008), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Prentice Hall of India Private Limited.

McCall, R. (1993), Fundamental Statistics for the Behavioural Science. New York: Harcourt Brace.

Ravid, Ruth. (2000), Practical Statistics for Education. New York: University Press of America

Seigel, S. & Castel Ian N.J. (1988), Non-parametric statistics for the Behavioural Science. Singapore: Graw-Hill Book Co.

Formulation of Research Proposal

Course Code	Course Title	Course Category	Credit	Proposal Formulation	CIA+ Theory	Total
BJVB 801	Formulation of Research Proposal	**CC**	4	50	15+35=50	100

Learning Outcomes: After completion of this course students will able to:

- ❖ Develop the research design
- ❖ Understand various research steps
- ❖ Explain the various research methods and techniques

UNIT-1: Research Design Quantitative-I

a) Selection of research problem
b) Review of related literature
c) Objectives of research
d) Formation of hypothesis

UNIT-2: Research Design Quantitative-II

a) Procedure of Data collection, classification and tabulation
b) Variables
c) References - Footnote, Bibliograpy

Work Cited:

Anderson, R.I., and T.A. Banerot (1952), Statistical Theory of Research, New York, McGraw Hill Book Company.

Ferguson, G.A. (1971), Statistical Analysis in Psychology and Education, Kogakusna, Tokyo : McGraw-Hill.

Garrett, H.E. (1966), Statistical in Psychology and Education, VokelsFeffers and Simons Ltd., Bombay

Garrett, H.E. (1971), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Paragon International Publisher.

Guilford, J.P. &Fruchter, B. (1981), Fundamental Statistical in Psychology and Education, New York: McGraw-Hill.

Kerlinger, Fredan N. (1964), Foundations of Behavioral Research, Holt Rinhert and Winston, New Yourk

Mangal, S.K. (2008), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Prentice Hall of India Private Limited.

McCall, R. (1993), Fundamental Statistics for the Behavioural Science. New York: Harcourt Brace.

Ravid, Ruth. (2000), Practical Statistics for Education. New York: University Press of America

Seigel, S. & Castel Ian N.J. (1988), Non-parametric statistics for the Behavioural Science. Singapore: Graw-Hill Book Co.

Sharma, R.A. (1993), Fundamental of Educational Research, International Publishing House, Meerut,

गुप्ता एस.पी. (2011), अनुसंधानसंदर्शिका, सम्प्रत्यय, कार्यविधि एवंप्रविधि, शारदापुस्तकभवन, इलाहाबाद।

यादव, राकेशचन्द (2009), राजर्षिपुरूषोत्तमदासदण्डन के शैक्षिकविचार, प्रथमसंस्करण, उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

कौल, लौकेश, (2009), शैक्षिकअनुसंधान की कार्यप्रणाली, तृतीय पुर्नमुद्रण, विकासपब्लिशिंगहाउसप्रा. लि., नईदिल्ली।

गुप्ता एस.पी. एवंअलकागुप्ता (2008), व्यवहारपरकविज्ञानोंमेंसांक्ष्यिकी विधियां, चतुर्थसंस्करण, शारदापुस्तकभवन, इलाहाबाद।

पाण्डेय, के.पी. (2008), शैक्षिकअनुसंधान, तृतीय संस्करण, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

राय, पासरनाथ (2007), अनुसंधानपरिचय, द्वादशमसंस्करण, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।

गैरिट, हेनरीई. (1989), शिक्षाऔरमनोविज्ञानमेंसांख्यिकीय, ग्यारहवांहिन्दीसंस्करण, कल्याणीपब्लिशर्स, लुधियाना।

सिन्हा, एच. सी. (1979), शैक्षिकअनुसंधान, विकासपब्लिशिंगहाउसप्रा. लि., नईदिल्ली।

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	Mark			Total
JVB802	Paper Publication/Presentation of Paper At National Level seminar/ conferences	A	Core Course	4	50+50			100

SEMESTER-VIII (Major)

In this paper there is no theory examination. In this paper following action should be taken.

1- Two research articles should be published in two different ISSN based research magazine. (2 Credits)
2- Participation and presentation of two paper in national level seminars/conferences. (2 Credits)

Course Code	Course Title	Group	Course Category	Credit	Mark			Total
JVB802	Research Project/Dissertation	**A**	**Core Course**	**8**	**200**			**200**

SEMESTER-VIII

In this paper there is no theory examination. This paper contains following evaluation methodology-

1- Preparation of Dissertation - 4 Credit Marks-100

2- Dissertation Presentation and Viva-Voce - 4 Credit Marks-100